खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 21° C
न्यूनतम : 09° C

हल्द्वानी, सोमवार 16 फरवरी 2026 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 172 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com फाल्गुन कृष्ण पक्ष 13 विक्रमी सम्वत् 2082 27 शाबान 1447 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

कांग्रेस छोड़ नसीमुद्दीन सिद्दीकी सपा में शामिल

पेज 2

सुपर 8 में जगह बनाने उतरेगा श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया बाहर होने के कगार पर

खेल टाइम्स

बढ़ते तापमान के निकट भविष्य में दिखने लगे संकेत

सम्पादकीय

ईरान अमेरिका से एटमी समझौते पर वार्ता को तैयार

पेज 12

पाकिस्तान के खिलाफ अपने अर्द्धशतक के दौरान शॉर्ट लगाते भारतीय बल्लेबाज इशान किशन

10 राज्य-यूटी डेडलाइन तक एसआईआर में चूके

नई दिल्ली। देश के नौ राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तहत 7 फरवरी तक अपनी फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश नहीं कर सके। हालांकि, केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप और पुडुचेरी ने शनिवार को अपनी फाइनल इलेक्टोरल रोल प्रकाशित कर दी। पुडुचेरी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक यह बजट किसी मजबूरी में लिया गया अब या कभी नहीं जैसा फैसला नहीं है, बल्कि यह देश की तैयारी और आत्मविश्वास का संकेत है- यानी हम तैयार हैं वाला बजट है। पीएम मोदी ने कहा कि राजनीतिक स्थिरता और नीति की स्पष्टता से निवेशकों का भरोसा भारत में बढ़ा है। इसी कारण भारत अब मजबूत स्थिति में व्यापार समझौते कर रहा है। उन्होंने बताया कि देश ने 38 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए हैं। उन्होंने कहा कि मजबूत मैन्युफैक्चरिंग, सेवाओं का क्षेत्र और एमएसएमई सेक्टर ने भारत को वैश्विक व्यापार वार्ताओं में ताकत दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान बताया कि भारत के एफटीए खास तौर पर छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए बनाए गए हैं ताकि टेक्सटाइल, लेदर, केमिकल, हस्तशिल्प, जेम्स-ज्वेलरी जैसे क्षेत्रों को ज्यादा विदेशी बाजार मिल सके। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार देश की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगी। उन्होंने रक्षा बजट में बढ़ोतरी का जिक्र करते हुए कहा कि मौजूदा जरूरतों के अनुसार रक्षा क्षेत्र का आधुनिकीकरण करना सरकार की जिम्मेदारी है। पीएम मोदी ने आगे कहा है कि यूपीए सरकार के दौर में आर्थिक कुप्रबंधन की वजह से भारत अंतर्राष्ट्रीय मंच पर आत्मविश्वास के साथ बातचीत नहीं कर पाता था। उन्होंने कहा कि उस समय अक्सर बातचीत शुरू होती थी, लेकिन ठोस नतीजे नहीं निकलते थे और लंबे-लंबे समझौते भी बिना खास उपलब्धि के खत्म हो जाते थे।

हमने सुधार को पूरी प्रतिबद्धता के साथ किया लागू: पीएम

कहा: इस साल का बजट भारत के विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा को दर्शाता है

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक विशेष इंटरव्यू में कहा कि उनकी सरकार ने सुधार को पूरी प्रतिबद्धता के साथ लागू किया है और यह सिर्फ बातों तक नहीं बल्कि काम में भी दिखा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस साल का बजट भारत के विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा को दर्शाता है। उनके मुताबिक यह बजट किसी मजबूरी में लिया गया अब या कभी नहीं जैसा फैसला नहीं है, बल्कि यह देश की तैयारी और आत्मविश्वास का संकेत है- यानी हम तैयार हैं वाला बजट है।

कहा: राजनीतिक स्थिरता और नीति की स्पष्टता से निवेशकों का भरोसा भारत में बढ़ा

पीएम मोदी ने कहा कि राजनीतिक स्थिरता और नीति की स्पष्टता से निवेशकों का भरोसा भारत में बढ़ा है। इसी कारण भारत अब मजबूत स्थिति में व्यापार समझौते कर रहा है। उन्होंने बताया कि देश ने 38 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए हैं। उन्होंने कहा कि मजबूत मैन्युफैक्चरिंग, सेवाओं का क्षेत्र और एमएसएमई सेक्टर ने भारत को वैश्विक व्यापार वार्ताओं में ताकत दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान बताया कि भारत के एफटीए खास तौर पर छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए बनाए गए हैं ताकि टेक्सटाइल, लेदर, केमिकल, हस्तशिल्प, जेम्स-ज्वेलरी जैसे क्षेत्रों को ज्यादा विदेशी बाजार मिल सके। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार देश की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगी। उन्होंने रक्षा बजट में बढ़ोतरी का जिक्र करते हुए कहा कि मौजूदा जरूरतों के अनुसार रक्षा क्षेत्र का आधुनिकीकरण करना सरकार की जिम्मेदारी है। पीएम मोदी ने आगे कहा है कि यूपीए सरकार के दौर में आर्थिक कुप्रबंधन की वजह से भारत अंतर्राष्ट्रीय मंच पर आत्मविश्वास के साथ बातचीत नहीं कर पाता था। उन्होंने कहा कि उस समय अक्सर बातचीत शुरू होती थी, लेकिन ठोस नतीजे नहीं निकलते थे और लंबे-लंबे समझौते भी बिना खास उपलब्धि के खत्म हो जाते थे।

भारत को मिलने वाले 114 में से 24 होंगे सुपर राफेल-एफ-5 होगा नाम

अभी भारतीय वायुसेना के पास एफ-3 मौजूद, 2030 के बाद होगी डिलीवरी

नई दिल्ली। फ्रांस के साथ भारत 114 राफेल लड़ाकू विमानों का सौदा 3.25 लाख करोड़ रुपये में करने जा रहा है। 17 फरवरी से फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की तीन दिन की भारत यात्रा शुरू हो रही है। इसी दौरान इस डील पर मुहर लगेगी।

इन 114 में से 24 विमान सुपर राफेल होंगे, जिन्हें फ्रांस की विमान निर्माता कंपनी दसा एविएशन एफ-5 नाम से बना रही है। अभी वायुसेना के पास एफ-3 राफेल हैं, जो 4.5 जेनरेशन के लड़ाकू विमान हैं। इनमें स्टेल्थ क्षमता और परमाणु हथियार दागने की शक्ति है। लेकिन, नए विमान एफ-4 पीढ़ी के हैं। इसलिए इन्हें 5वीं जेनरेशन का कहा जा रहा है। यूरोपीय मानकों के हिसाब से एफ-5 राफेल असल में छठी पीढ़ी के जेट होंगे। फ्रांस के बाद इस तरह के सबसे बेहतर विमान भारतीय वायुसेना के पास होंगे। एफ-5 अभी विकास के चरण में हैं। एफ-4 की आपूर्ति 2028-29 से शुरू होगी। 2030 के बाद जो भी विमान मिलेंगे, वो एफ-5 श्रेणी के सुपर राफेल होंगे। वायुसेना के एक अधिकारी ने बताया कि सुपर राफेल अमेरिका के एफ-35 और रूस के सुखोई-57 से अगली पीढ़ी का फाइटर होगा। इस सौदे के तहत 88 राफेल सिंगल सीटर और 26 डबल सीटर होंगे, जिन्हें प्रशिक्षण और लड़ाकू दोनों भूमिका में इस्तेमाल किया जा सकेगा। दसा एविएशन से 18 विमान उड़ने के लिए तैयार स्थिति में मिलेंगे। बाकी 96 भारत में बनेंगे। इनके 60 फीसदी कलपुर्जे स्वदेशी होंगे। भारत का यह सबसे बड़ा रक्षा सौदा है। अब यह प्रस्ताव अंतिम मंजूरी के लिए कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) के पास भेजा जाएगा। प्रस्ताव को 16 जनवरी को रक्षा खरीद बोर्ड से मंजूरी मिल चुकी थी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, नए राफेल विमानों की खरीद से एयर डिफेंस और बॉर्डर एरिया में तैनाती की क्षमता मजबूत होगी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली कमेटी ने नेवी के लिए 6 अमेरिकी बोइंग पी8-1 सर्विलांस एयरक्राफ्ट, कॉम्बैट मिसाइलों और एयर-शिप बेस्ड हाई एल्टीट्यूड स्यूडो सैटेलाइट्स के प्रपोजल को भी मंजूरी दी है। इन सभी सौदों की कुल कीमत 3.60 लाख करोड़ रुपये है। यह सौदा 'मेक इन इंडिया' के तहत किया जाएगा। डसॉल्ट एविएशन एक भारतीय कंपनी के साथ मिलकर इन विमानों को बनाएगी। यह सौदा 'मेक इन इंडिया' के तहत किया जाएगा। डसॉल्ट एविएशन एक भारतीय कंपनी के साथ मिलकर इन विमानों को बनाएगी। सेना के लिए एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (विभव), आर्मर्ड रिकवरी व्हीकल, टी-72 टैंक तथा इन्फैंट्री कॉम्बैट व्हीकल के वाहन प्लेटफॉर्म के ओवरहाल को मंजूरी मिल चुकी है।

फ्रांस के साथ 3.25 लाख करोड़ का होने जा रहा सौदा

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों का तीन दिवसीय भारत दौरा: पीएम मोदी से होगी वार्ता

नई दिल्ली। भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भारत आ रहे हैं। वह अपनी पत्नी ब्रिगिट मैक्रों के साथ तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। यह दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछली फ्रांस यात्रा के बाद हो रहा है।

मैक्रों का यह दौरा कई मायनों में अहम माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रपति मैक्रों 16 फरवरी की देर रात करीब 11:30 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे। उनके दौरे के आधिकारिक कार्यक्रमों की शुरुआत 17 फरवरी से होगी। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। 17 फरवरी को राष्ट्रपति मैक्रों की मुलाकात पीएम मोदी से होगी। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच कई समझौतों का आदान-प्रदान होगा और एक संयुक्त बयान भी जारी किया जाएगा। शाम को वह होटल ताज महल पैलेस में भारत-फ्रांस इनोवेशन फोरम में हिस्सा लेंगे। इसके बाद रात में गेटवे ऑफ इंडिया पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। अगले दिन 18 और 19 फरवरी को राष्ट्रपति मैक्रों नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। यहां वह एआई इम्पैक्ट समिट के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे।

एआई-इनोवेशन पर होंगे अहम समझौते

एआई इम्पैक्ट समिट से पहले दिल्ली पुलिस की ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार से शुरू हो रहे एआई इम्पैक्ट समिट के मद्देनजर विस्तृत ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। प्रगति मैदान के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी तक पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय आयोजन होगा, जिसमें विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, वरिष्ठ प्रतिनिधि और प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के नेता भाग लेंगे। कार्यक्रम की उच्च-स्तरीय प्रकृति को देखते हुए आयोजन स्थल और आसपास के क्षेत्रों में यातायात को नियंत्रित रखने की व्यवस्था की गई है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि आम जनता की सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक ट्रैफिक प्रबंधन उपाय लागू किए जाएंगे। इनका प्रभाव मुख्य रूप से नई दिल्ली जिले और आसपास के क्षेत्रों में देखा जाएगा।

ट्रेड डील में किसानों के साथ हो रहा धोखा: राहुल गांधी

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार को भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी से पांच सवाल किए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस डील के नाम पर भारतीय किसानों के साथ विश्वासघात हो रहा है।

राहुल गांधी ने कहा कि यह मुद्दा देश की कृषि के भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने पीएम मोदी से सवाल करते हुए लिखा कि किसानों को जवाब तो मिलने ही चाहिए। यह सिर्फ आज की बात नहीं है। ये भविष्य की भी बात है। क्या हम किसी दूसरे देश को भारत की कृषि उद्योग पर लंबे समय की पकड़ बनाने दे रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट 5 सवाल करते हुए पूछा कि ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स (डीडीजी) इम्पोर्ट करने का क्या मतलब है? क्या इसका मतलब यह है कि भारतीय जानवरों को जीएम अमेरिकी मक्का से बने डिस्टिलर अनाज (चारा) खिलाए जाएंगे? क्या इससे हमारे डेयरी प्रोडक्ट प्रभावी रूप से अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर नहीं हो जाएंगे? अगर हम जीएम सोया तेल के आयात की अनुमति देते हैं, तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और देशभर के हमारे सोया किसानों का क्या होगा? वे एक और कीमतों का झटका कैसे झेल पाएंगे? जब आप अतिरिक्त उत्पाद कहते हैं, तो उसमें क्या-क्या शामिल है? क्या यह समय के साथ दाल और अन्य फसलों को अमेरिकी आयात के लिए खोलने के दबाव का संकेत है?

कांग्रेस सांसद ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर पीएम मोदी से पांच सवाल किए

व्यापारी की हत्या में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के पांच सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने रविवार को बाहरी उत्तरी दिल्ली के बवाना औद्योगिक क्षेत्र में एक व्यवसाई की नौ फरवरी को की गई हत्या के सिलसिले में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुख्ता खुफिया जानकारी के आधार पर दिन में कुछ संदिग्धों को रोककर आत्मसमर्पण करने को कहा गया, तो उन्होंने कथित तौर पर गोलियां चला दीं। आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की गई। पैर में गोली लगने की वजह से एक आरोपी घायल हो गया। बाद में पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान तीन संदिग्धों को पकड़ा गया, जबकि अन्य दो को बाद में दबोचा गया। इस मामले में कुल पांच गिरफ्तारियां की गई हैं। इस कार्रवाई के दौरान कोई पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ है।

वीडियो गेम्स से बच्चों को बनाया जा रहा आतंकी

अमेरिका में 42 फीसदी मामलों में नाबालिग शामिल

हेग, वार्ता

माइनक्राफ्ट और रोबलॉक्स जैसे लोकप्रिय वीडियो गेम्स अब बच्चों को आतंकवादी संगठनों और नफरत फैलाने वाले समूहों में भर्ती करने का जरिया बनते जा रहे हैं। यूनाइटेड नेशंस की काउंटर-टेररिज्म कमेटी के मुताबिक, यूरोप और नॉर्थ अमेरिका में आतंकवाद से जुड़े मामलों में अब 42 फीसदी आरोपी नाबालिग हैं।

2021 की तुलना में यह आंकड़ा तीन गुना बढ़ा है। नीदरलैंड्स के हेग स्थित इंटरनेशनल सेंटर फार काउंटर-टेररिज्म के अनुसार, यूरोप में 20 से 30 फीसदी आतंकवाद विरोधी जांचों में 12-13 साल के बच्चे शामिल हैं। संगठन के डायरेक्टर थॉमस रेनॉर्ड ने इसे चौंकाने वाला बताया और कहा कि ऐसा पहले कभी नहीं देखा गया। यूएन के जांचकर्ताओं का कहना है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिये कट्टरपंथी संगठन तेजी से नए सदस्य बना रहे हैं। अब भर्ती की उम्र भी घटती जा रही है। अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की इंटेलिजेंस एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि रोबलॉक्स और डिस्कार्ड जैसे प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल बच्चों को ट्रेनिंग देने और भर्ती करने में हो रहा है। गेम्स में ऐसे वर्चुअल वर्ल्ड बनाए जा रहे हैं, जहां खिलाड़ी आतंकी हमलों और गोलीबारी की घटनाओं को दोहरा सकते हैं। 2019 में न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च में मस्जिदों पर हुए हमले को भी इन गेम्स में दोहराया गया है। 2022 में ब्रिटेन में एक 15 साल की लड़की को एक टेक्सास के निंयो-नाजी ने ऑनलाइन ग्रूम किया।

यूरोप में 20 से 30% केस में 12-13 साल के बच्चे

संक्षिप्त समाचार

चलती गाड़ी पर गिरा विद्युत पोल, सपा नेता लाल बहादुर यादव की मौत

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश में प्रतापगढ़ जिले के अंतू थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर चलती कार में विद्युत पोल गिरने से समाजवादी पार्टी नेता लाल बहादुर यादव की मृत्यु हो गई। पुलिस ने बताया कि बाबूगंज बाजार निवासी सपा नेता लालबहादुर यादव कार से रविवार दोपहर शहर की तरफ जा रहे थे कि बाबूगंज में स्थित भारत पेट्रोल पंप के सामने लंग रहे हाईमास्ट लाइट के पोल को खड़ा किया जा रहा था। तभी अचानक पोल असंतुलित होकर कार पर गिर पड़ा। उन्होंने बताया कि इस हादसे में कार के अंदर बैठे लाल बहादुर यादव गंभीर रूप से घ्यायल हो गए। उन्हें अंतू के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाया गया जहां पर डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

धन उगाही के आरोप में सीएचसी अधीक्षक पद से हटाए गए

बहराइच। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के मिहींपुरवा ब्लॉक स्थित मोतीपुर साम. दायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक को एएनएम और आशा बहुओं के साथ कथित अभद्र व्यवहार एवं अवैध धन उगाही के आरोपों के बाद पद से हटा दिया गया है। जिलाधिकारी ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित कर सात दिनों में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। शनिवार को सैकड़ों एएनएम और आशा बहुओं ने सीएचसी परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सीएचसी अधीक्षक डा. थानेदार पर अभद्रता और अशोभनीय हरकत का आरोप लगाते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग की। एएनएम ऋचु ने नारेबा. जी के चीफ शिकायती पत्र सौंपते हुए अधीक्षक पर गंभीर आरोप लगाए। अन्य महिला कर्मियों ने समय से वेतन न मिलने, वेतन में कथित कटौती तथा धन उगाही जैसे आरोप भी लगाए।

मुख्यमंत्री योगी ने गोरखनाथ मंदिर में लगाया जनता दर्शन दरबार

समस्या का समय से निस्तारण करें अधिकारी

गोरखपुर, वार्ता

- इलाज के लिए पैसों की कमी नहीं आएगी, पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं, ताकि उन्हें इलाज में परेशानी न हो

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाक. त की और समस्याएं सुनकर अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री रविवार को देवाधिदेव महादेव की आराधना के विशेष पर्व महाशिवरात्रि पर आगुष्ठानिक व्यस्तता में भी जनस. वा का अनुष्ठान जारी रखा। जनता दर्शन में आए लोगों से मुख्यमंत्री ने कहा कि चिंता मत करें, हर समस्या का समाधान होगा, सबकी भरपूर मदद की जाएगी। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और तत्परता से उसका निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराएं। रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान कराएंगे। किसी को भी भचराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। इस दौरान सीएम ने अधिकारियों से कहा कि जो लोग पात्र हैं और किसी कारण से उनका आयुष्मान कार्ड नहीं बन पाया है। उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं, ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े। मुख्यमंत्री योगी की एक सुपरिचित पहचान गोसेवक की भी है।

महाशिवरात्रि पर योगी ने दी शुभकामनाएं श्रद्धालुओं का किया अभिनंदन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देवाधिदेव महादेव की उपासना को समर्पित पावन पर्व 'महाशिवरात्रि' के अवसर पर प्रदेशवासियों और तीर्थराज प्रयाग में स्नान करने पहुंचे श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि महाशिवरात्रि के पावन स्नान पर्व पर आज तीर्थराज प्रयाग की त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए पधारे सभी पूज्य साधु-संतों, धर्माचार्यों, कल्पवास के लिए आए साधकों एवं श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन है। उन्होंने प्रार्थना की कि देवाधिदेव महादेव एवं पुण्य प्रदायिनी मां गंगा की कृपा सभी भक्तों पर बनी रहे।

अयोध्या का स्टेशन भाजपा के 'भ्रष्ट मॉडल' का उदाहरण: अखिलेश यादव

शाह टाइम्स ब्यूरो

- कन्नौज रेलवे स्टेशन को लेकर भाजपा पर कसा तंज, कहा- निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बरतें

लखनऊ। कन्नौज में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कन्नौज रेलवे स्टेशन को गोरखपुर रेलवे स्टेशन की तर्ज पर विकसित करने की सरकार की योजना को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से तंज कसते हुए कहा कि अयोध्या में जो रेलवे स्टेशन बनाया गया, वह भाजपा के 'भ्रष्ट मॉडल' का उदाहरण है। रविवार को अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार को चाहिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि बनते ही गिर जाने वाली पानी की टंकी थोड़ी दूर बनाई जाए, छत ऐसी हो कि नीचे खड़े लोगों को छतरी न लगानी पड़े और एप्रोच रोड की परत न उखड़े। उन्होंने यह भी कहा कि लिफ्ट और एस्कलेटर लगाए जाएं तो वे सही तरीके से काम भी करें। सपा अध्यक्ष ने कमीशनखोरी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में पारदर्शिता होनी चाहिए और यात्रियों के लिए वेटिंग एरिया वास्तव में सुविधाजनक बनाया जाए, क्योंकि कई बार ट्रेनों में लंबी देरी होती है। उन्होंने पार्किंग व्यवस्था और शौचालयों की स्थिति सुधारने की भी मांग की। अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि केंद्रकार स्थानीय होना चाहिए, ताकि जिम्मेदारी तय की जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। गौरतलब है कि अयोध्या रेलवे स्टेशन परिसर में एक दीवार गिरने की घटना सामने आई थी, जिसके बाद निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठे थे। जिसको लेकर प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की फैक्ट चेक इकाई ने नव-उद्घाटित अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर चारदीवारी गिरने की सोशल मीडिया पर चल रही खबरों का खंडन किया था।

विधिक सेवा प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखा किया रवाना

लखनऊ, वार्ता

- यूपी के 74 जिलों में हेल्पलाइन का शुभारंभ

न्याय तक आमजन की सुलभ पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए एक दिन पूर्व शनिवार को प्रदेश के 74 जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के लिए मल्टी यूटिलिटी विधिक सेवा प्रचार वाहनों को रवाना किया और राज्य स्तरीय मध्यस्थता हेल्पलाइन 1800-180-1212 का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम का आयोजन उच्च न्यायालय, खंडपीठ लखनऊ के चीफ जस्टिस पोटिंको में भव्य रूप से किया गया।

इस अवसर पर मा. न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण ने विधिक सेवा प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में माननीय न्यायमूर्ति पंकज मित्तल, न्यायमूर्ति अरुण भंसाली, न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय, न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी सहित अनेक वरिष्ठ न्यायाधीशों और गणमान्य अतिथियों ने गरिमामई उपस्थिति दर्ज कराई। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में उपलब्ध कराए गए इन प्रचार वाहनों का उद्देश्य दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में विधिक जागरूकता का प्रसार करना है। इन वाहनों के माध्यम से आम नागरिकों को निष्शुल्क विधिक सहायता, उनके अधिकारों तथा विभिन्न सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

कांग्रेस छोड़ नसीमुद्दीन सपा में शामिल अखिलेश की मौजूदगी में ली सदस्यता

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में रविवार को बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला, जब बहुजन समाज पार्टी सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके वरिष्ठ नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

कांग्रेस छोड़ने के बाद नसीम. द्दीन के सपा में जाने की संभावना पहले से जताई जा रही थी। लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन्हें औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल कराया। उनके साथ अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी सपा का दामन थामा। पार्टी के राज मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सपा में शामिल होने के बाद नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने अखिलेश यादव के नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए कहा कि उनके साथ उनके पुराने और सम्मानजनक संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं पार्टी में सबसे नया हूं और यहां मौजूद सभी नेता मेरे वरिष्ठ हैं।

हम सब मिलकर संगठन को मजबूत करेंगे। पार्टी मजबूत होगी, तो प्रदेश और समाज भी मजबूत होगा। उन्होंने सपा सरकार के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी भत्ता और छात्रों को लैपटॉप देने जैसी योजनाएं पहली बार लागू की गईं, जिससे युवाओं को लाभ मिला। इस दौरान नसीमुद्दीन ने शेरो-शायरी का भी सहारा लिया। इस मौके पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा और प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आज हमारे पास फूल आ गए हैं, तो किसी का फूल मुरझाता जा रहा है। उन्होंने प्रदेश की कानून-व्यवस्था और सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि जनता बदलाव चाहती है और समाजवादी पार्टी सभी वर्गों को साथ लेकर चलने के लिए प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि नसीमुद्दीन सिद्दीकी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मुस्लिम समुदाय का प्रभावशाली नेता माना जाता है। वे बसपा में लंबे समय तक सक्रिय रहे और मायावती सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रहे।

उत्तर भारत का आधुनिक आर्य गुरुकुल म्यूजियम 80 फीसदी तैयार

लखनऊ/आगरा। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के सिरसागंज में निर्माणाधीन आर्य गुरुकुल म्यूजियम का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। 24.45 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह उत्तर भारत का पहला आधुनिक आर्य गुरुकुल म्यूजियम नई तकनीकों से सुसज्जित होगा, जहां इतिहास को पढ़ने के बजाय महसूस करने का अवसर मिलेगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने समीक्षा बैठक में परियोजना को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने बताया कि संग्रहालय में इमर्सिव लर्निंग, विजुअल स्टोरीटेलिंग और इंटरैक्टिव डिस्प्ले के माध्यम से आर्य समाज के इतिहास और विचारधारा को प्रस्तुत किया जाएगा।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

अर्थ व्यापार

सेंसेक्स 82626.76 निफ्टी 25471.10 | सोना रु. 154000 प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट) | चांदी रु. 250000 प्रति किलो

वैश्विक कारकों से मिलेगी शेयर बाजार को दिशा

मुंबई, वार्ता

आईटी कंपनियों पर दबाव से घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह गिरावट देखी गई और अब आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर वैश्विक कारकों पर ज्यादा रहेगी। घरेलू स्तर पर अगले सप्ताह आयात-निर्यात के आंकड़े जारी होने हैं। इससे बाजार में निवेश धारणा प्रभावित हो सकती है। निवेशक वैश्विक कारकों से संकेत लेकर अपनी रणनीति तय कर सकते हैं।

बीते सप्ताह आईटी कंपनियों में बड़ी गिरावट देखी गई। इसका प्रमुख कारण एक अमेरिकी कंपनी द्वारा एआई समर्थित एक ऐसे टूल के विकास की खबर है जिससे भारतीय आईटी कंपनियों को मिलने वाले ऑर्डर के प्रभावित होने की आशंका है। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 953.64 अंक (1.14 प्रतिशत) की साप्ताहिक गिरावट में शुक्रवार को 82,626. 76 अंक पर बंद हुआ। इसमें पहले दो दिन तेजी और बाद के तीन दिन गिरावट रही। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की निफ्टी-50 सूचक. क भी 222.60 अंक यानी 0.87 फीसदी उतरकर सप्ताहांत पर 25,471.10 अंक पर रहा। मझौली कंपनियों के निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 0.37 प्रतिशत की गिरावट रही, जबकि छोटी कंपनियों का निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.56 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। सेंसेक्स में सबसे ज्यादा साप्ताहिक नुकसान उठाने वाली चारों कंपनियां आईटी क्षेत्र की रहीं। इंफोसिस का शेयर 9.12 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 8.70 प्रतिशत, टीसीएस का 8.48 प्रतिशत और टेक महिंद्रा का 5.18 प्रतिशत गिर गया। एफएमसीजी कंपनियों में हिंदुस्तान यूनीलिवर का शेयर 4. 89 फीसदी और आईटीसी का 3. 82 फीसदी गिर गया, जबकि ट्रेंट में 3.22 प्रतिशत की तेजी रही। बैंकिंग एवं वित्तीय कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक का शेयर सेंसक्स में सबसे ज्यादा 12.42 प्रतिशत उछला।

राम मंदिर का वैभव सात समंदर पार, 20 फरवरी को मॉस्को में होगी भव्य रामलीला

लखनऊ। अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राम मंदिर से जुड़े विकास कार्यों और दीपोत्सव जैसे भव्य आयोजनों की गूंज अब सात समंदर पार तक पहुंच गई है। इसी सांस्कृतिक प्रेरणा के तहत रूस की राजधानी मॉस्को में 20 फरवरी को भव्य रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन भारत-रूस सांस्कृतिक संबंधों के नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है। रूस में भारत के दूतावास और जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र के सहयोग से आयोजित इस रामलीला में रूसी कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। राम की भूमिका एवगेनी, सीता का किरदार दारिया, लक्ष्मण की भूमिका मुरात और हनुमान के रूप में दिमित्री मंच पर भारतीय आस्था की सजीव प्रस्तुति देंगे। भव्य मंच सज्जा, पारंपरिक वेशभूषा और संगीत के माध्यम से रामकथा को जीवंत किया जाएगा। इस आयोजन की मुख्य संचालक रूसी-भारतीय मैत्री संस्था 'दिशा' हैं, जो डा. रामेश्वर सिंह के नेतृत्व में वर्षों से दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक सेतु का कार्य कर रही है। आयोजकों के अनुसार रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सत्य, मर्यादा और आदर्श जीवन का सार्वभौमिक संदेश देती है।

चावल, गेहूं में साप्ताहिक गिरावट, चीनी, खाद्य तेल मजबूत

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव घट गए। चावल के साथ गेहूं में भी नरमी रही। चीनी और खाद्य तेलों के दाम बढ़ गए, जबकि दालों में उतार. चढ़ाव का रुख रहा।

सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 69 रुपये घटकर सप्ताहांत पर 3,753 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं सात रुपये सस्ता हुआ और सप्ताहांत पर 2,856 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा चार रुपये चढ़कर 3,341 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। बीते सप्ताह खाद्य तेलों में तेजी रही। मूंगफली तेल की औसत कीमत 319 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। सूरजमुखी तेल का भाव 256 रुपये और पाम ऑयल का 222 रुपये बढ़ा। सोया तेल 105 रुपये और सरसों तेल 78 रुपये महंगा हुआ। वनस्पति में 36 रुपये की तेजी रही। सप्ताह के दौरान तुअर दाल औसतन 82 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। उड़द दाल की कीमत 65 रुपये और मूंग दाल की 11 रुपये बढ़ी। मसूर दाल में 66 रुपये और चना दाल में 61 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। मीठे के बाजार में सप्ताह के दौरान गुड़ के औसत भाव 18 रुपये प्रति क्विंटल गिर गए। वहीं चीनी 17 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के औसत थोक भाव शनिवार को इस प्रकार रहे। दाल-दलहन: दाल चना 7717.18 रुपये, मसूर काली 8021.25 रुपये, मूंग दाल 10136.12 रुपये, उड़द दाल 10648.94 रुपये, तुअर दाल 11055.72 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज: गेहूं दड़ा 2855.71 रुपये और चावल 3752.76 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3340.61 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़: चीनी एस 4316.55 रुपये और गुड़ 4982.94 रुपये प्रति क्विंटल बोले गए। खाद्य तेल: सरसों तेल 17745.59 रुपये, मूंगफली तेल 18288. 25 रुपये, सूरजमुखी तेल 16603.41 रुपये, सोया तेल 14074.80 रुपये, पाम ऑयल 12910.73 रुपये और वनस्पति 14573.89 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

छठी के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना
खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त

भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

महाशिवरात्रि 2026: काशी-मथुरा में निकली भोलेनाथ की बारात

वाराणसी। काशी में महाशिवरात्रि पर्व पर मंदिर में भोर से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। पहली पहर की मंगला आरती में बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए। इस दौरान भक्तों पर पुष्प वर्षा भी की गई। आज लाखों की संख्या में भक्त बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। वहीं यूपी के अन्य शहरों में शिवालयों से ही बम-बम की गूंज नजर आ रही है। लखनऊ, कानपुर, आगरा, प्रयागराज, बरेली, मेरठ समेत सभी शहरों में शिवरात्रि की धूम नजर आ रही है। काशी विश्वनाथ मंदिर की ओर से भक्तोंकी सुविधा के लिए डिजिटल दर्शन की भी व्यवस्था की है। इस लिंक पर क्लिक कर आप बाबा के दर्शन कर सकते हैं।

सड़कों पर भूत, पिशाच, नर,किन्नर अलग-अलग स्वरूप में बाबा की बारात में शामिल होते हुए नजर आए। यह बारात तिलभांडेश्वर से निकली। बारात में तरह-तरह के कलाकार प्रभु के अलग-अलग स्वरूप में मौजूद थे, जो हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे। इस मौके पर महंत आवास पर मौजूद बाबा की चल प्रतिमा का श्रृंगार भी हुआ। बाबा दूल्हा के रूप में नजर आए, तो मां गौरा दुल्हन के रूप में सजी दिखीं। महाशिवरात्रि का पर्व देशभर में धूमधाम के साथ मनाया गया। भगवान श्री कृष्ण की नगरी मथुरा में भी श्री कृष्ण जन्म स्थान से

- कानपुर, मेरठ और फर्रूखाबाद में बम-बम की गूंज

भोलेनाथ की बारात हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। बैंड-बाजे बारातीं और भूत प्रेत की झांकियां के साथ शहर में निकली। बारात अनेक मार्गों से होती हुई श्री कृष्ण जन्मभूमि गेट नंबर एक पर पहुंची, यहीं यात्रा का समापन हुआ। नाथ नगरी के रूप में पहचान रखने वाले बरेली में महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही शहर के प्रमुख शिवालयों में भक्तों की लंबी कतारें लग हुई। हर-हर महादेव के जयघोष के बीच जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक का सिलसिला जारी रहा। आस्था का मुख्य केंद्र इस बार भी महाभारत कालीन मान्यताओं वाला त्रिवटीनाथ मंदिर है। कानपुर के आनंदेश्वर मंदिर में भोर से ही भक्त उमड़ पड़े। यहां आज दिन भर करीब 3 लाख से अधिक भक्तों ने दर्शन किए। भक्तों की सुरक्षा के लिए यहां पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। वहीं मेरठ में औघड़नाथ समेत कई मंदिरों में पूजन-अर्चना जारी रही। यहां भोर से ही भक्त शिवालयों में पहुंचने लगे। बम भोले के उद्घोष के साथ भक्तों ने परिवार के साथ भोले बाबा का पूजन-अर्चना कर मंगलकामना की।

जम्मू-कश्मीर में 8000 बेनामी बैंक अकाउंट फ्रीज

श्रीनगर। सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर में बेनामी बैंक अकाउंट का इस्तेमाल करके मनी लॉन्ड्रिंग करने वाले एक गैंग का भंडाफोड़ किया है। ये 8000 गुमनाम अकाउंट इंटरनेशनल फ्रॉड करने वाले गैंग के 'हथियारों' में से एक हैं। इन अकाउंट का इस्तेमाल मुख्य रूप से साइबर फ्रॉड के लिए किया जाता था। हालांकि सिक्योरिटी एजेंसियों को डर है कि अलग-अलग मिलिटेंट ग्रुप और अलगाववादी ताकतें भी इन अकाउंट का इस्तेमाल देश विरोधी गतिविधियों के लिए फाइनेंशियल मदद देने के लिए कर सकती हैं।

एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि स्कैम का पूरा इकोसिस्टम इन अकाउंट पर निर्भर करता है। पैसे के लिए कोई डेस्टिनेशन न होने पर स्कैम पहले ही स्टेप में फेल हो जाता है। जो लोग अपने अकाउंट किराए पर देते हैं, वे सिर्फ हालात के शिकार नहीं होते, वे

- सुरक्षा बलों ने बड़े हवाला नेटवर्क का किया भंडाफोड़

क्राइम के इंजन होते हैं। कार्यालय सूत्रों के मुताबिक एक रिपोर्ट है कि ये गुमनाम अकाउंट साइबर फ्रॉड की दुनिया में सबसे कमजोर, लेकिन सबसे अहम कड़ी हैं, क्योंकि इन अकाउंट की मदद के बिना क्रिमिनल मनी को क्रिप्टोकरेंसी में बदलना लगभग नामुमकिन है। ऐसे गुमनाम बैंक अकाउंट को 'म्यूल अकाउंट' कहा जाता है। साइबर फ्रॉड करने वाले आमतौर पर अपने नाम के अकाउंट का इस्तेमाल नहीं करते हैं। वे क्रिमिनल मनी को अलग-अलग जगहों पर भेजने के लिए किसी तीसरे व्यक्ति के अकाउंट का इस्तेमाल करते हैं। वे पकड़े जाने के खतरे से बचने के लिए इन गुमनाम अकाउंट का इस्तेमाल करते हैं।

भारत है सद्भावना का बड़ा केन्द्र: भागवत

गोरखपुर, वार्ता

- गोरखपुर में सामाजिक सद्भाव बैठक में बोले संघ प्रमुख मोहन
- कहा-देश ठीक रहेगा तो हम भी ठीक रहेंगे

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गोरक्ष प्रांत की ओर से संघ शताब्दी वर्ष के तहत तारामंडल स्थित बाबा गम्भीरनाथ प्रेक्षागृह में सामाजिक सद्भाव बैठक रविवार को हुई, जिसमें विभिन्न जाति, समाज और पंथ के प्रमुख और प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस सामाजिक सद्भाव बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत ने कहा कि आज सामाजिक नेतृत्व यहां उपस्थित है। उन्होंने कहा कि भारत स्वार्थ नहीं देखता, दुनिया के अन्य देशों पर संकट आने पर भारत उनकी सहायता के लिए आगे आता है, भारत सद्भावना का केन्द्र है।

समाज उसे कहते हैं, जिसका परस्पर जुड़ाव हो। स्वार्थ का अपनापन टिकता नहीं है। अन्य देशों में विचार है कि मनुष्य से मनुष्य का संबंध एक सौदा है, किन्तु अपने देश में मनुष्यों के संबंध का विचार ऐसा नहीं है। यहां संबंध अपनेपन का है, हमारे देश में अनेक विविधताएं और अनेक रीति-रिवाज हैं। मोहन भागवत ने कहा कि यहां विविधता में एकता है, क्योंकि यहां एक नाता है। भारत को हम माता मानते हैं। एक ही चैतन्य सब में है - वह भगवान है। हमारी अलग-अलग विशिष्टताओं के बावजूद यही नाता हमें जोड़े रखता है, हमारी संस्कृति में हम महिला को वात्सल्य की दृष्टि से देखते हैं। सदियों के आचरण से हमारा यह स्वभाव बना है। हमारे यहां अलग रंग-रूप और वेशभूषा अलगाव का कारण नहीं बनते। हमारे समाज का लक्ष्य जीवन के सत्य को जानना है और जीवन का सत्य भगवान हैं। सरसंघचालक ने कहा कि यही हमारा समान लक्ष्य और समान संस्कृति है। समाज सद्भाव से चलता है, समाज में यदि सद्भावना नहीं है, तो कानून और पुलिस के बावजूद समाज नहीं चलता। संघ के 100 वर्ष पूरे हुए हैं, यह कोई उत्सव की बात नहीं है, जिसे करने में 100 वर्ष लग गए, वह और पहले हो जाना चाहिए था। हमें करना यह है कि ब्लॉक स्तर पर वर्ष में 2-3 बार बैठें, हम अपनी जाति की चिंता कर रहे हैं, यह अच्छी बात है, लेकिन ध्यान रखें कि हम एक बड़े समाज के लोग हैं। हिन्दू समाज में पूर्ण स्वतंत्रता है, हम हिन्दू समाज के अंग हैं।

केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल को खुलेंगे

■ ओंकारेश्वर मंदिर में हुई तिथि घोषणा, शीतकालीन यात्रा ने तोड़ा रिकॉर्ड, रावल परंपरा विवाद भी गरमाया

शाह टाइम्स संवाददाता

ऊखीमठ/रुद्रप्रयाग। द्वादश ज्योतिर्लिंगों में अग्रणी हिमालय की गोद में स्थित केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि महाशिवरात्रि पर्व पर शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर में पंचांग गणना के अनुसार घोषित कर दी गई है।

घोषणा के अनुसार भगवान केदारनाथ के कपाट आगामी 22 अप्रैल प्रात: 8 बजे वृष लग्न में विधि-विधान के साथ ग्रीष्मकालीन दर्शनार्थ खोले जाएंगे। कपाट उद्घाटन से पूर्व धार्मिक परंपराओं का क्रम निर्धारित किया गया है।

18 अप्रैल को केदारपुरी के क्षेत्र रक्षक भैरवनाथ की पूजा शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर में सम्पन्न होगी। लोकमान्यताओं के अनुसार भैरव पूजन के बाद भैरवनाथ केदारपुरी की ओर प्रस्थान करते हैं।

19 अप्रैल को भगवान केदारनाथ की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली ओंकारेश्वर मंदिर से भक्तों के जयकारों और सेना के बैंड की मधुर धुनों के साथ केदारनाथ धाम के लिए रवाना होगी। डोली यात्रा गुप्तकाशी, नाला, नारायणकोटी और मैखंडा होते हुए प्रथम रात्रि प्रवास फाटा में करेगी।

20 अप्रैल को डोली फाटा से शेरसी, बड़ासू, रामपुर, सीतापुर और सोनप्रयाग होते हुए गौरीकुंड पहुंचेगी, जहां गौरीमाई मंदिर में रात्रि विश्राम होगा। 21 अप्रैल को डोली गौरीकुंड से जंगलचट्टी, भीमबली और लिनचोली होते हुए केदारनाथ धाम पहुंचेगी तथा भंडारगृह में विराजमान होगी। 22 अप्रैल को प्रात: 8 बजे वृष लग्न में वैदिक मंत्रोच्चार और "जय शंकर, जय केदार" के उद्घोष के साथ कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे।

महाशिवरात्रि के अवसर पर ओंक. रेश्वर मंदिर में विभिन्न शहरों से आए दानदाताओं द्वारा भंडारे का आयोजन भी किया गया। कपाट तिथि घोषणा के अवसर पर बद्री-केदार मंदिर समिति अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि आगामी यात्रा सीजन में केदारनाथ आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए समूहिक प्रयास किए जाएंगे।

इस मौके पर रावल भीमाशंकर लिंग, विधायक आशा नौटियाल, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम कठैत, राज्य महिला आयोग उपाध्यक्ष ऐश्वर्या रावत, क्षेत्र पंचायत प्रमुख पंकज शुक्ला सहित मंदिर समिति के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, हक-हकूकधारी और सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

रावल पर परंपराओं से खिलवाड़ का आरोप

ऊखीमठ। केदारनाथ धाम के रावल भीमाशंकर लिंग द्वारा महाराष्ट्र के नांदेड़ में अपने उत्तराधिकारी की घोषणा किए जाने पर विवाद खड़ा हो गया है। बद्री-केदार मंदिर समिति के पूर्व सदस्य जगदीश प्रसाद भट्ट और हक-हकूकधारियों ने आरोप लगाया है कि परंपरा के अनुसार ऐसा निर्णय शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर में होना चाहिए था। उनका कहना है कि मंदिर समिति और हक-हकूकधारियों को विश्वास में लिए बिना नांदेड़ में घोषणा करना धार्मिक परंपराओं के विपरीत है। महाशिवरात्रि पर आयोजित बैठक में इस मुद्दे को लेकर रावल और हक-हकूकधारियों के बीच कहासुनी की भी चर्चा सामने आई है।

एम.टी. गंगाधर होंगे केदारनाथ के प्रधान पुजारी

ऊखीमठ। मंदिर समिति ने वर्ष 2026 की यात्रा के लिए विभिन्न धामों में प्रधान पुजारियों की नियुक्ति की घोषणा की है। एम.टी. गंगाधर लिंग को केदारनाथ धाम का प्रधान पुजारी नियुक्त किया गया है। शिव शंकर लिंग को मदमहेश्वर धाम, शान्त लिंग को विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी, शिव लिंग को ओंकारेश्वर मंदिर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बागेश लिंग को अतिरिक्त प्रधान पुजारी नियुक्त किया गया है।

विकास से ध्यान भटकाने व चुनावी बुखार चढ़ने का नतीजा है कांग्रेसी प्रदर्शन: परिहार

■ सरकार जनकल्याण एवं विकास के लिए प्रतिबद्ध, कांग्रेस की चिंता चुनावी : भाजपा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा ने कांग्रेसी प्रदर्शन को देवभूमि के चहुमुखी विकास से ध्यान भटकाने और समय पूर्व चुनावी बुखार चढ़ने का नतीजा बताया है। प्रदेश महामंत्री कुंदन परिहार ने व्यंग किया कि ऐसे राजनैतिक कार्यक्रमों का जनमुद्दों से दूर दूर तक कोई सरो. कार नहीं है, सिवाय कांग्रेस नेताओं की अपनी अपनी राजनैतिक बेरा. जगारी दूर करने के। जबकि हमारी सरकार जनकल्याण एवं विकास के लिए एक एक क्षण का उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने द्वारा जारी बयान में कहा राय कि प्रदेश में विपक्षमुद्दाविहीन और विचारहीन हो गया। वे बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अपराध, विकास और जनकल्याण आदि तमाम मुद्दों को लेकर झूठ और भ्रम फैलाने की को. शिश कर रहे हैं। जबकि जनता राज्य में कल्याणकारी सरकार की अवधारणा को फलीभूत होते देख और महसूस कर रही है। कांग्रेस पार्टी के अंदर इस सत्य को स्वीकारने का साहस नहीं है, तभी वह लगातार झूठ, भ्रम और प्रपंच की राजनीति में जुटी है। 2014 के बाद से एक के बाद एक लगातार पराजय से हताश निराश कांग्रेस पार्टी पूरी तरह बौखलाई हुई है। उनके नेता जमीनी हकीकत और जनमुद्दों से पूरी तरह कटे और आपस में बंटे हुए हैं। यही वजह है कि जन समस्याओं को लेकर सड़क और सदन दोनों जगह सोने वाली कांग्रेस पार्टी, चुनाव की आहट से जग गई है। उनके नेताओं को राष्ट्र समाज निर्माण या जनसरोकारों से कोई मतलब नहीं रहता है। बस अंतर इतना है कि चुनाव के लिए जीने मरने वाली कांग्रेस पर चुनावी बुखार समय से पहले चढ़ने लगा है।

जनभागीदारी और नैतिक नेतृत्व से ही संभव है वनों का सतत संरक्षण: राज्यपाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने कहा कि वनों का संरक्षण, पुनर्जीवन और सतत प्रबंधन जनभागीदारी के बिना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्रों में निवास करने वाले स्थानीय समुदायों को साथ लेकर चलना वन सेवा का मूल दायित्व है। राज्यपाल ने कहा कि वन अधिकारियों को स्थानीय लोगों के साथ संवेदनशील व्यवहार करते हुए उन्हें स्वरोजगार एवं कौशल विकास से जोड़ने के प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि वन अधिकारी वन्यजीवों और प्रकृति को अपने परिवार का अभिन्न अंग मानकर कार्य करें।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) रविवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून में आयोजित संजय सिंह स्मृति व्याख्यान में बोल रहे थे। राज्यपाल ने वर्ष 2025 बैच के वन सेवा अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने अधीन कार्यरत कर्मचारियों और वन कर्मियों के कल्याण और उनके परिवारों की शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, बीमा एवं कौशल प्रशिक्षण जैसे विषयों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक अधिकारी का दायित्व केवल प्रशासनिक कार्यों तक सीमित नहीं होता, बल्कि वह अपने अधीनस्थों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की भी उत्तरदायी होता है।

राज्यपाल ने वन सेवा के अधिकारी स्व. संजय सिंह के साहस, शौर्य, निष्ठा एवं समर्पण को स्मरण करते हुए कहा कि उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि कर्तव्य पालन के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले अधिकारी राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं और उनके आदर्श वन सेवा के प्रत्येक अधिकारी को प्रेरित करते रहेंगे।

इस अवसर पर राज्यपाल ने स्व संजय सिंह के पिता धनश्याम नारायण सिंह एवं श्रीमती कांति को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने वर्ष 2025 बैच में प्रशिक्षण के दौरान श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में वन अकादमी की निदेशक श्रीमती भारती, पीसीसीएफ हॉफ उत्तराखण्ड रंजन कुमार मिश्रा एवं वन अकादमी के अन्य अधिकारी सहित प्रशिक्षु अधिकारी मौजूद रहे।

सीएम ने खटीमा में अधिवक्ताओं को दी दोहरी सौगात

■ धामी ने खटीमा सिविल न्यायालय में किया अधिवक्ताओं के लिए नव निर्मित चैम्बर का लोकार्पण, 20 नए चैम्बर बनाने के लिए 2 करोड़ 50 लाख रुपए देने की घोषणा

शाह टाइम्स ब्यूरो

खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर एक करोड़ की लागत से खटीमा सिविल न्यायालय में अधिवक्ताओं के लिए नव निर्मित चैम्बर का फीता काटकर व दीप प्रज्वालित कर लोकार्पण किया।

कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिवक्ताओं को महा. शिवरात्रि पर्व व नए चैम्बर बनने की बधाई व शुभकामनायें दीं। उन्होंने कहा कि नया चैम्बर अधिवक्ताओं के लिए न्यायिक विमर्श व विधि अध्ययन का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा तथा न्यायिक कार्य सरलता से व त्वरित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में न्याय व्यवस्था को और पारदर्शी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे है। उन्होंने कहा कि खटीमा व खटीमा के आस पास से आने वाले अधिवक्ताओं के लिए व आम जन के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो पुराने गैर जरूरी व अंग्रेजो के जमाने से चले आ रहे कानूनों को हटाकर वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 लागू करने का ऐतिहासिक काम किया है। जिससे न्यायिक व्यवस्था प्रभावी हो रही है, ई-कोर्ट्स प्रोजेक्ट, नेशनल ज्यूडिसियल डाटाग्रेट, फास्टट्रेक, स्पेशल कोर्ट, महिला एवं बाल अपराधों के लिए त्वरित

न्याय तंत्र, ऑनलाइन के माध्यम से सुनवाई और डिजिटल केस मैनेजमेंट सिस्टम जैसी पहलों के द्वारा न्याय व्यवस्था को और अधिक तेज और सुगम बनाने की दिशा में क्रन्तिकारी परिवर्तन किये गए है। उन्होंने कहा की आज न्यायलयों में तकनीकी के प्रभावी उपयोग ने न केवल समय की बचत की है बल्कि प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाया है। जिससे न्याय प्रक्रिया पहले से अधिक विश्वसनीय वैज्ञानिक और प्रामाणिक बनी है।

माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश भर में लगभग 7 हजार से अधिक कोर्ट का व 11 हजार आवासीय इकाइयों का निर्माण किया गया है, जो अपने आप में एक बहुत बड़ा रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री जी से प्रेरणा लेकर उत्तराखंड में भी न्याय व्यवस्था को आधुनिक स्वरूप देने,विधि शिक्षा को और सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे है। उन्होंने कहा खटीमा का हर क्षेत्र में विकास किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने अधिवक्ताओं के लिए 20 नए चैंबर बनाने के लिए 02 करोड़ 50 लाख रुपए देने की घोषणा की।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य,विधायक गोपाल सिंह राणा, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू, शंकर कोरंगा,जिला जज सिकंद कुमार त्यागी, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, अपर जिला जज मंजू सिंह मुंडे, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय,बार एसोसिएशन अध्यक्ष सूरज प्रकाश राणा, सचिव भरत पांडे, अधिवक्ता गोपाल सिंह बिष्ट, के डी भट्ट सहित अधिवक्तागण, जनप्रति. निधि,जनता मौजूद थे।

जिला प्रशासन ने लगाई 11 लाख की पैनल्टी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

■ सरकारी सम्पति को क्षति पंहुचाना पड़ा मंहगा; जिला प्रशासन का एक्शन; नामजद एफआईआर में पार्षद पत्नी भी शामिल, आवासीय नक्शे पर होटल के लिए अवैध खुदाई व राष्ट्रीय राजमार्ग गंभीर क्षति की तीन आरोपियों से होगी भरपाई; चार्जशीट भी जल्द होगी सबमिट

देहरादून। मसूरी में राजमार्ग संख्या 7 0 7 ए (त्यूनी-चकराता-मसूरी-बाटाघाट) के कि०मी० 162 पर होटल देवलोक के निकट स्थित प्रतिधारक दीवार के क्षतिग्रस्त होने की घटना के संबंध में जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर संयुक्त मजिस्ट्रेट राहुल आनंद ने अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद मसूरी; प्रभारी निरीक्षक, कोतवाली मसूरी; सहायक अभियन्ता/अवर अभियन्ता, मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण; अधिशासी अभियन्ता, राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग डोईवाला तथा जिला खान अधिकारी देहरादून/प्रतिनिधि के साथ संयुक्त निरीक्षण किया।

संयुक्त निरीक्षण के दौरान पाया गया कि संबंधित संपत्ति नगर पालिका अभिलेखों में 349.50 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में अनीता थलवाल, सुनिता धनई एवं सतीश गोयल के नाम दर्ज है। जिनको एमडीडीए द्वारा आवासीय मानचित्र के माध्यम से भूतल पर 178.85 वर्ग मीटर एवं कुल 420.66 वर्ग मीटर निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई थी।यह स्वीकृति राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग, नगर पालिका परिषद मसूरी, जल संस्थान मसूरी, उप वन संरक्षक मसूरी वन प्रभाग, तथा भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र एवं जियोटेक्निकल जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद दी गई थी। स्वीकृत मानचित्र के अनुसार निर्माण कार्य राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे से 4.82 मीटर एवं मध्य रेखा से 10.07 मीटर दूरी पर अनुमन्य था। टीम द्वारा निरीक्षण में पाया कि संबंधित व्यक्तियों द्वारा जेसीबी/एक्सकेवेटर से राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर अवैध खनन किया गया तथा स्वीकृत मानकों के अनुरूप कार्य नहीं किया गया। इससे परिणामस्वरूप स्थल पर पूर्व से जमा मलबे का भूस्खलन हुआ, जिससे मार्ग की प्रतिधारक दीवार पूर्णत: क्षतिग्रस्त हो गई तथा यातायात हेतु मार्ग असुरक्षित हो गया है।आमजन की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए उक्त मार्ग को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। यातायात को वैकल्पिक मार्गों मोतीलाल नेहरू मार्ग, हाथीपांव मार्ग एवं नगर पालिका मार्ग से संचालित किया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक, कोतवाली मसूरी को मार्ग पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करने एवं वैकल्पिक मार्गों पर यातायात सुचारु रखने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी द्वारा अधिशासी अधिकारी, राष्ट्रीय राजमार्ग को क्षतिग्रस्त प्रतिधारक दीवार के पुनर्निर्माण कार्य तत्काल प्रारंभ करने तथा पुनर्निर्माण एवं क्षति से संबंधित समस्त व्यय की वसूली संबंधितों से आरसी के माध्यम से किये जाने के निर्देश दिए गए है। अधिशासी अभियन्ता, राष्ट्रीय राजमार्ग, डोईवाला को संबंधितों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में नामजद प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करा दी गई हैं। एमडीडीए को स्वीकृत मानचित्र निरस्त कर निर्माण के विरुद्ध ध्वस्तीकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।जिलाधिकारी द्वारा खनन विभाग को उत्तराखण्ड खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण का निवारण) नियमावली-2021 एवं संशोधित भण्डारण नियमावली-2024 के नियम 14(5)(क) तथा उत्तराखण्ड उपखनिज परिहार नियमावली-2024 के नियम 57(1) के अंतर्गत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। अवैध खनन की कुल मात्रा 1522.50 घनमीटर / 4384.80 टन (मिट्टी मिश्रित चूना पत्थर) पाई गई है। इस पर रॉयल्टी की तीन गुना दर से (4384.80 ञ 88.50 ञ 3) कुल 11,64,164/- (रुपये ग्यारह लाख चौसठ हजार एक सौ चौसठ मात्र) अर्थदण्ड निर्धारित किया गया है, जिसकी सम्बन्धितों से की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय राजमार्ग एवं सार्वजनिक संपत्ति को क्षति पहुँचाने वालों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाएगी तथा जनसुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल में हजारों चालक हुए शामिल

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राजधानी के ऐतिहासिक परेड ग्राउंड में रविवार को "फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल" के 61वें संस्करण का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। उत्तराखंड की धुंधली पहाड़ियों, सर्दियों की सुनहरी धूप और साल वृक्षों से घिरे वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में फिटनेस, सामुदायिक सहभागिता और पर्यावरण जागरूकता का सशक्त संदेश दिया गया।

कार्यक्रम का आयोजन स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया, युवा एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार समेत अन्य सहयोगियों द्वारा किया गया। इस आयोजन में 1000 से अधिक साइकिल चालकों ने भाग लिया, जिनमें स्कूली छात्र, युवा, पेशेवर, वरिष्ठ नागरिक तथा फिटनेस प्रेमी शामिल रहे। पूरा परेड ग्राउंड ऊर्जा, संगीत और प्रेरणा से भर गया और दून घाटी एक जीवंत फिटनेस उत्सव में परिवर्तित हो गई।

कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित खिलाड़ियों और फिटनेस आइकनों की प्रेरक उपस्थिति रही, जिनमें भारतीय बॉक्सिंग की उभरती हुई हेवीवेट खिलाड़ी नूपुर श्योराण, पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी गोलकीपर एवं कोच योगिता बाली, ओलंपियन रेस वॉकर मनीष सिंह रावत, अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित बास्केटबॉल खिलाड़ी विशेष भुगवेगी तथा तेनर्. जंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवॉर्ड से सम्मानित पर्वतारोही ताशी मलिक व अंतर्राष्ट्रीय बॉडी बिल्डर प्रतिभा थपलियाल,शामिलरहे। खिलाड़ियों ने प्रतिभागियों के साथ संवाद कर नियमित फिटनेस और अनुशासन के महत्व पर बल दिया।

इस अवसर पर उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि "चाहे व्यक्ति खिलाड़ी हो या नहीं, उसमें खेल भावना अवश्य होनी चाहिए।

अल्ट्रासोनोग्राफी एवं रेडियोलॉजी प्रशिक्षण का सफल समापन

संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखण्ड पशुचिकित्सा परिषद, देहरादून द्वारा सतत् पशु चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत पशुचिकित्सा अधिकारियों के लिए आयोजित "पशुओं में अल्ट्रासोनोग्राफी एवं रेडियोलॉजी का व्यवहारिक प्रशिक्षण" का सफल समापन रविवार को हुआ।

उत्तराखंड राज्य पशु चिकित्सा परिषद के रजिस्ट्रार डॉ प्रलयंकर नाथ ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को अल्ट्रासोनोग्राफी एवं रेडियोलॉजी की आधुनिक तकनीकों का सैद्धांतिक तथा व्यवहारिक (हैंड्स-ऑन) प्रशिक्षण विषय विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक चन्द्र सक्सेना (भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली, उत्तर प्रदेश) एवं डॉ. अजित कुमार सिंह (सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश) द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य पशुओं में रोगों के त्वरित, सटीक एवं वैज्ञानिक निदान की क्षमता का विकास करना है, जिससे राज्य में पशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में प्रभावी सुधार सुनिश्चित किया जा सके।समापन सत्र में परिषद के अध्यक्ष डॉ. कैलाश उनियाल एवं रजिस्ट्रार डॉ. प्रलयंकर नाथ द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा सभी प्रशिक्षकों एवं प्रतिभागियों के योगदान की सराहना की गई। देहरादून के प्रभारी डॉ. मुकेश कुमार डुम्का एवं डॉ. लतेश जोशी के सहयोग से प्रशिक्षणार्थियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक प्रदान किया गया।

डॉ. कैलाश उनियाल ने आशा जताई कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम पशुचिकित्सकों की दक्षता में वृद्धि करेंगे तथा राज्य में पशुचिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रदेश में चलेगा सत्यापन अभियान, संदिग्धों की खैर नहीं : डीजीपी

शाह टाइम्स संवाददाता

■ अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिक, घुसपैठियों, बांग्लादेशी तथा संदिग्ध बाहरी व्यक्तियों को चिन्हित कर की जाएगी सख्त कार्रवाई, थाना स्तर पर होंगी विशेष टीमें गठित, नियमित समीक्षा जवाब देही तय, भय मुक्त वातावरण के साथ आम नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : दीपम सेठ

देहरादून। पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड दीपम सेठ के निर्देशानुसार प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा संदिग्ध व्यक्तियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के लिए सघन सत्यापन प्रारंभ किया गया है। यह विशेष अभियान प्रदेश के सभी जनपदों में सकिल, थाना एवं चौकी स्तर पर संचालित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत मल्टी स्टोरी अपार्टमेंट्स, आश्रम, धर्मशालाएं, किराये के मकान, फ्लैट, पीजी, होम-स्टे, होटल एवं गेस्ट हाउस' में निवासरत व्यक्तियों का सत्यापन किया जाएगा। प्रॉपर्टी डीलर, रियल एस्टेट एजेंट एवं ढाबा के सत्यापन सुनिश्चित किया जाएगा तथा उनके माध्यम से कराए गए किरायेदारी अनुबंधों की जांच की जाएगी।बिना पुलिस सत्यापन किरायेदारी कराने अथवा 'संदिग्ध व्यक्तियों को आश्रय देने पर विधिसम्मत कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। होम डिलीवरी सेवाओं, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जुड़े डिलीवरी एजेंटों, सिक्योरिटी एजेंसी स्टाफ, कैब संचालकों तथा इंडस्ट्रियल एरिया में ठेकेदारों का विशेष सत्यापन अभियान चलाया जाएगा। अमेजॉन ,जोमैटो, ब्लिंकिट सहित विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं से संबद्ध कार्मिकों की पहचान एवं सत्यापन प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जाएगी।अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान के लिए आधुनिक तकनीकी साधनों एवं केंद्रीय डाटाबेस का उपयोग किया जाएगा।

National Intelligence Grid (NATGRID)| CCTNS| ICJ सहित अन्य केंद्रीय/राज्य सुरक्षा पोर्टलों के माध्यम से सूचना मिलान एवं सटीक विश्लेषण किया जाएगा। अवैध रूप से निवास कर रहे प्रवासियों, विशेष रूप से अवैध घुसपैठियों, बांग्लादेशी तथा बीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी ठहरे हुए विदेशी नागरिकों की पहचान कर उनके विरुद्ध प्रासंगिक वैधानिक प्रावधानों के अंतर्गत कठोर कार्यवाही' सुनिश्चित की जाएगी। प्रदेश के समस्त हितधारी क्षेत्रों, मॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सर्विस सेंटर, कोचिंग संस्थान, जिम, स्कूल, विश्व. विद्यालय, ट्रांसपोर्ट एजेंसियों, ब्यूटी पार्लर एवं सैलून आदि प्रतिष्ठानों में हाई रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरों की उपलब्धता, उनकी कार्यशील स्थिति एवं रिकॉर्डिंग व्यवस्था का परीक्षण किया जाएगा। तैनात सुरक्षा कर्मियों का चरित्र सत्यापन कर उन्हें आवश्यक सुरक्षा ब्रीफिंग प्रदान की जाएगी। क्षेत्रों में निवासरत एकल नागरिकों एवं वरिष्ठ नागरिकों का चिन्हीकरण कर उनकी सुरक्षा व्यवस्था का मूल्यांकन किया जाएगा।

उनकी सेवा में लगे घरेलू सहायकों, केयर-टेकर, ड्राइवर एवं अन्य सहयोगी कार्मिकों का भी अनिवार्य सत्यापन सुनिश्चित किया जाएगा। अभियान के दौरान जनपदीय पुलिस, 'स्थानीय अभिसूचना इकाई, एसआ. जी एवं एसटीएफ द्वारा समन्वित रूप से कार्यवाही की जाएगी।' प्राप्त सूचनाओं का विश्लेषण कर आवश्यकतानुसार अन्य राज्यों एवं केंद्रीय एजेंसियों से समन्वय स्थापित किया जाएगा। 'प्रत्येक थाना स्तर पर विशेष फील्ड टीमों का गठन किया गया है। सीओ से लेकर आईजी रेंज स्तर तक समीक्षा व्यवस्था लागू की गई है।पुलिस महानिदेशक ने कहा कि उत्तराखण्ड पुलिस का यह व्यापक अभियान महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं स्थानीय निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। पूरे अभियान की निगरानी के साथ-साथ हर स्तर पर जवाबदेही तय की गई है। आपराधिक तत्वों के साथ सख्ती से निपटा जाएगा।

कप्तानों ने संभाली कमान

नशा कारोबार पर होगा पहला प्रहार: मेहरा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। जिले के नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार मेहरा ने रविवार को कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करते ही उन्होंने जिले में अवैध नशा, साइबर फ्रॉड पर नियंत्रण करने के साथ साथ यातयात व्यवस्था को सुधारना अपनी प्राथमिकता बताई। जिले के नव नियुक्त कप्तान जितेन्द्र कुमार मेहरा ने जिले में पहुंचने पर पुलिस की टुकड़ी ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। जिसके बाद उन्होंने बाबा बागनाथ के दर्शन कर जलाभिषेक किया। कार्यक्रभर ग्रहण करने बाद उन्होंने पुलिस के अधिकारों से परिचय लेते हुए जिले के हालातों के बारे में जानकारी ली। एसपी मेहरा ने सभी को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले में अवैध नशे के कारोबार, साइबर फाड तथा यातायात सुधार की दिशा में सभी को एकजुट होकर कड़ाई से कार्य करना होगा। ताकि जिले में शांति बनी रहे। उन्होंने बताया कि बीट पुलिसिंग पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। पुलिस बल के मनोबल को ऊंचा रखते हुए उनकी कार्यक्षमता को बढाने की दिशा में प्रयास किये जाएंगे। कहा कि अराजक तत्वों के विरुद्ध जीरो टालरेंस की नीति अपनाते हुए सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

सख्त कदम उठाए जाएंगे: घोड़के

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। जिले के नव नियुक्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चन्द्रशेखर आर. घोड़के ने रविवार को पुलिस कार्यालय में अपना कार्यभार ग्रहण किया। 2019 बैच के आईपीएस घोड़के इससे पूर्व बागेश्वर के एसपी पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। रविवार को कार्यभार ग्रहण करने के बाद नव नियुक्त एसएसपी ने पत्रकार वार्ता की। इस दौरान उन्होंने अपनी प्राथमिकताएं गिनाई। कहा कि जिले में शांति व्यवस्था को बरकरार रखा जाएगा। वहीं, नशे की तस्करी को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे। कहा कि नशे की रोकथाम को लेकर पुलिस जिले में विशेष अभियान चलाएगी। इसके अलावा उन्होंने सांस्कृतिक नगरी की यातायात व्यवस्था को दुरस्थ करने के लिए मजबूत प्लान बनाने की बात कही। साथ ही कानून एवं ट्रैफिक व्यवस्था, साईबर अपराध, महिला सुरक्षा, जनजागरुकता अभियान चलाना एवं अपराध नियंत्रण को अपनी प्राथमिकता रखते हुए जनता के हित में कार्य कर अल्मोड़ा पुलिस को और अधिक बेहतर बनाने की बात कही। कहा कि समाज व युवाओं को नशे से बचाना एवं नशे के जाल में फंसे युवाओं को पुन: मुख्यधारा में जोड़ना उनकी प्राथमिकता में शामिल है।

शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

महा शिव रात्रि पर जल चढ़ाने के लिए भक्तों की लगी रहीं कतारें

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। जिलेभर में रविवार को महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखने को मिली। श्रद्धालुओं की भगवान शिव को जल चढ़ाने के लिए मंदिरों में लंबी कतारे लगी रही। इस दौरान सभी शिवालय हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठे। नगर के नंदादेवी, मुरली मनोहर, बद्रेश्वर मंदिर, उल्का देवी, त्रिपुरा सुंदरी, रघुनाथ मंदिर, पांडेखोला, एनटीडी शिव मंदिर, पातालदेवी, रत्नेश्वर, वेतालेश्वर आदि मंदिरों में पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की भीड़ रही। लोग पूरे श्रद्धा भाव के साथ व्रत धारण कर शिव मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान का जलाभिषेक कर विशेष पूजा अर्चना की। नगर से लगे वेतालेश्वर और विश्वनाथ स्थित शिव मंदिर में काफी भीड़ रही। हवालबाग स्थित देवस्थल शिव मंदिर में लगे मेले में काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। जागेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ रही। लोगों ने मंदिरों में भगवान शंकर का जलाभिषेक किया। इस मौके पर कई लोगों ने पार्थिव पूजन और अन्य अनुष्ठान कराये। इधर, महाशिवरात्रि पर्व पर प्रसिद्ध जागेश्वर धाम में सुबह से ही पूजा-अर्चना को श्रद्धालु उमड़ पड़े। लोगों ने मंदिरों में भगवान शंकर का जलाभिषेक कर शिवार्चन कराये। मंदिर में भगवान शंकर के दर्शन को भक्तों की कतार लगी रही। लंबे इंतजार के बाद भक्तों ने शिव का जलाभिषेक किया। कई लोगों ने मंदिर परिसर में पार्थिव पूजन के साथ ही अनुष्ठान भी कराये। वहीं, महाशिव. रात्रि का पावन पर्व पूरे क्षेत्र के शिवालयों में जलाभिषेक के साथ व्रत धारी श्रद्धालुओं के कीर्तन-भजनो, बम-बम भोले गूंज के बीच हर्षोल्लास से मनाया गया। क्षेत्र के प्रसिद्ध सोमनाथेश्वर मंदिर में प्रात काल से ही जलाभिषेक व पूजा-पाठ

करने पहुंचे श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। तहसील के इंद्रेश्वर, घोडखाडेश्वर, महाकालेश्वर, जोगिडा महादेव, रत्लेश्वर बैराठेश्वर, प्रयागेश्वर, रामपुर त्रिवेणी महादेव मंदिर, महाकालेश्वर सभी शिव मंदि. रों में सुबह से ही व्रत धारी श्रद्धालुओं की भीड़ रही। महाशिवरात्री के अवसर पर क्षेत्र के शिवालयों में भक्तों का पूरे दिन तांता लगा रहा। विमाण्डेश्वर धाम, मृत्युंजय, चन्देश्वर, बिनसर, बालेश्वर, केदार आदि शिवालयों में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने मंदिरों में भजन-कीर्तन गाकर भगवान शिव की आराधना की। विमाण्डेश्वर धाम में शिवरात्रि मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी हुआ। मंदिरों में भक्तों ने कतारबद्ध होकर शिव की मूर्ति पर जलाभिषेक किया। इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस के जवान भी मौजूद रहे।

बागेश्वर। जिले में सभी तहसील क्षेत्र बागेश्वर, गरुड़, कपकोट, दुगनाकुरी, कांडा, काफालीगैर में शिवरात्रि का पर्व लोगों ने धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया। सुबह से ही शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। बागनाथ, बैजनाथ सहित अन्य शिवालयों में जल चढ़ाया। मंदिर में पुरोहितों ने यजमानों की पूजा संपन्न कराई। कई लोगों ने रुद्राभिषेक किया। रविवार की सुबह से ही बागनाथ, कालभैरव, नीलेश्वर, बैजनाथ तथा अन्य शिव मंदिरों में लोग पूजा-अर्चना करने के लिए पहुंचे। लोगों ने शिवालयों में जल चढ़ाया। आचार्य गोपाल कृष्ण जोशी ने बताया कि ब्रह्मा विष्णु के समक्ष घोषित तिथि को शिवरात्रि के रूम में मनाया जाता है। शिव पुराण के अनुसार शिव करते हैं। दिनमेतत्ततरू पुण्यं भविष्यति महत्तरम्, शिवरात्रि इतिख्याता तिथिरेषा मम प्रिया। इस दिन व्रत करने के बाद शिव को जल चढ़ाने मात्र से शिव प्रसन्न हो जाते हैं। उधर कांडा, कपकोट, दुग-नाकुरी के तहसीलों में सुबह से ही शिवालयों में लोगों की भीड़ रही। दिनभर बम-बम भौले के गूंजों से जिला गुंजायमान रहा। यहां बागनाथ मंदिर परिर में सीनियर सिटीजन और खीम सिंह मोहन सिंह अल्मोड़ा द्वारा महा शिव. रात्रि के अवसर पर साबूदाने की खीर के भंडारे का आयोजन किया है। भंडारे में हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने खीर का प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष दलीप सिंह खेतवाल, बाला दत्त तिवारी, हरीश सोनी, सुंदर सिंह परिहार, केशवानंद जोशी, इंद्र सिंह परिहार आदि लोग मौजूद रहे।

काशीपुर। महाशिवरात्रि पर्व पर पूरा क्षेत्र शिवमय नजर आया। चारों ओर बम बम भोले की गूंज सुनाई दी। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी चैती मैदान में मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान प्राचीन मोटेश्वर महाद. व मंदिर में हजारों श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक करने पहुंचे। जलाभिषेक के लिये शनिवार मध्य रात्रि से कांवरियों व अन्य शिवभक्तों की लाइन लगना शुरू हो गई थी। वहीं नगर क्षेत्र के अन्य शिवालयों में भी प्रात:काल जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की गई। महाशिवरात्रि पर्व पर शहर के विभिन्न शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। क्षेत्र के बांसियावाला मंदिर, नागनाथ मंदिर, नीलेश्वर महादेव मंदिर, द्रोणा सागर स्थित नीलकंठ मंदिर समेत अन्य शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया। चैती परिसर में शनिवार को लगे मेले में रविवार को दूसरे दिन श्रद्धालुओं की अपेक्षाकृत भीड़ उमड़ी। लोगों ने खरीदारी करने के साथ ही खानपान का लुत्फ उठाया। खासकर, फलौरी की दुकानों पर भीड़ लगी रही। इस दौरान भारी संख्या में तैनात पुलिस बल पूरी तरह चौकस नजर आया।

एक नजर

आर्य समाज ने धूमधाम से मनाया ऋषि बोध पर्व

काशीपुर। आर्य समाज काशीपुर द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी तीर्थ द्रोणसागर स्थित श्री मद दयानंद आश्रम में हवन पूजन कर ऋषिबोध पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आर्य समाज के प्रधान अतुल रस्तोगी के हवाले से जानकारी देते हुए समाज के उपसचिव/प्रचार सचिव विकल्प गुड़िया ने बताया कि आश्रम की यज्ञशाला में आयोजित हवन के यजमान अतुल रस्तोगी, विजय कुमार शर्मा एवं अवध अग्रवाल सापत्नीक रहे जबकि यज्ञ को स्वामी वेदानन्द सरस्वती एवं टेक चंद्र ने अपनी ओजस्वी वाणी के साथ विस्तार पूर्वक सम्पन्न कराया। इस अवसर पर महर्षि दयानंद द्वारा आज के दिन जो संदेश विश्व को दिया गया उसके बारे में भी विस्तार से चर्चा की गई साथ ही भजन, गीत, उपदेश आदि भी प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर संजय अग्रवाल, अजय अग्रवाल, शिवचरण विश्नोई, प्रेम प्रकाश गुप्ता, मनोज कुमार विश्नोई, कुमकुम राजपूत, सुरेश चंद तिवारी, अनिल कुमार शर्मा, मयंक अग्रवाल, विकास गर्ग, लक्ष्मी गर्ग, डॉ. दीपिका गुड़िया आत्रेय, कंचन रस्तोगी, ममता शर्मा, सुनीता अग्रवाल, उर्मिला भूषण सहित बड़ी संख्या में आर्य समाज, महिला आर्य समाज सहित विभिन्न क्षेत्रों के लोग उपस्थित रहे।

बसपा की बैठक कल रुद्रपुर में

काशीपुर। बहुजन समाज पार्टी की बैठक बुद्ध विहार रुद्रपुर में 17 फरवरी को होगी, जिसमें मुख्य अतिथि गिरीश चंद्र जाटव पूर्व सांसद प्रदेश प्रभारी उत्तराखंड जफर मलिक प्रदेश प्रभारी उत्तराखंड मोहित आनंद प्रदेश अध्यक्ष उत्तराखंड नंद गोपाल गौतम प्रदेश महासचिव उत्तराखंड बीआर धोनी प्रदेश महासचिव उत्तराखंड हरीश सिनौली बीएस गौतम लोकसभा प्रभारी नैनीताल उधम सिंह नगर मौजूद रहेंगे। यह जानकारी विनोद कुमार गौतम जिला अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी उधम सिंह नगर ने दी।

काशीपुर के खिलाड़ियों का दबदबा

काशीपुर। विगत 12 से 13 फरवरी को देहरादून मे संपन्न हुई राज्य स्तरीय दिव्यांगजन प्रतियोगिता में काशीपुर के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ में आकांक्षा गौतम ने 100 मीटर 200 मीटर अपर लिम्ब मे जीता सिल्वर मेडल वही मानिक मनराज में लोअर लिम्ब स्टैंडिंग जैवलिन थ्रो में तृतीय स्थान प्राप्त किया दोनों ही खिलाड़ी विकलांग कैटागरी के है यह दोनों खिलाड़ी पिछले 1 साल से एथलेटिक्स प्रशिक्षक सरफराज चौधरी, मनीषा से प्रशिक्षण ले रहे हैं। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में मेडल पाने पर जिला उत्तराखंड एथलीट चयन समिति के अध्यक्ष विजेंद्र चौधरी जिला क्रीड़ाधिकारी जानकी कार्की प्रभारी स्पोर्ट्स स्टेडियम काशीपुर महेश्वर सिंह नेगी एथलेटिक्स प्रशिक्षक रघुवीर सिंह विर्क, हरीश राम, रमनदीप सिंह, मान मोहम्मद, नवेद, महिमा भंडारी, ऋचा शर्मा, बिपिन ने बधाई दी।

नाइन-ए-साइड फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा में जिला स्तरीय नाइन-ए-साइड फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू हो गई है। रविवार को प्रतियोगिता के तहत फुटबॉल क्लब और भिकियासैंण के बीच उद्घाटन मुकाबला खेला गया। जिसमें फुटबॉल क्लब ने शानदार जीत दर्ज की। धैर्य माइन्स एवं मिनरल की ओर से हेमवती नंदन बहुगुणा स्टेडियम में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रवि रौतेला और भाजपा नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इसके बाद फुटबॉल क्लब और भिकियासैंण के मध्य मुकाबला खेला गया। जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए फुटबॉल क्लब ने 4-1 के अंतर से शानदार जीत दर्ज की। इस मौके पर यहां भूपेश बिष्ट भव्यू, फुटबॉल क्लब अध्यक्ष हरीश कनवाल, प्रधान राजेंद्र बिष्ट, प्रदीप बिष्ट, दीपक वर्मा, मनीष कनवाल, मनोज कनवाल, सौरभ वर्मा, दीपक शाही, गणेश शाही थे।

छोटे बच्चों किया शिव तांडव

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। शिवरात्रि के महापर्व पर नीलेश्वर महोत्सव 2026 का आयोजन किया गया। महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्य मंत्री शिव सिंह बिष्ट ने रिबन काटकर किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने संबोधित करते हुए कहा कि भगवान भोलेनाथ सभी के जीवन में खुशहाली लाएं। उन्होंने समिति द्वारा आयोजित नीलेश्वर महोत्सव का सराहना की। उन्होंने सभी से शांति पूर्वक महोत्सव का लुत्फ उठाने की बात कही। इस मौके पर छोटे छोटे बच्चों ने शिव तांडव, राधा कृष्ण नृत्य, एकल नृत्य, भजन गायन सहित अन्य गीतों से श्रद्धालुओं को मोहित किया। नीलेश्वर सेवा समिति घटबगढ़ वार्ड द्वारा आयोजित महोत्सव की अध्यक्षता करते हुए समिति के अध्यक्ष नरेश कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। जिसके बाद महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की गई। जूनियर वर्ग मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तनिषा, द्वितीय स्थान पूर्णिमा दानू, तृतीय स्थान उन्नति, सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान आस्किा, द्वितीय स्थान इलिमा, तृतीय स्थान पूर्वा रही। वहीं परिधान नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पूर्णिमा दानू, द्वितीय स्थान पार्थ रस्तोगी, तृतीय स्थान हिमानी गड़िया रही। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप शुभकामनाएं दी गईं। इस मौके पर पारस वर्मा, रवि रस्तोगी, विजय परिहार, बसंत कुमार, कैप्टन भूपेश दफौटी, यूकेडी जिलाध्यक्ष मनोज जोशी, समिति के संरक्षक कवि जोशी, बबलू ऋतिक सह सचिव, हेमंती उपाध्यक्ष, हरीश टम्टा महासचिव, विवेक कुमार कोषाध्यक्ष, किशन राम आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन अंकुर उपाध्याय ने किया।

बैडमिंटन टूर्नामेंट की ऑफिशियल टी-शर्ट का लोकार्पण

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने रविवार को हेमवती नंदन बहुगुणा इनडोर स्टेडियम अल्मोड़ा में स्व. सीएल सेन मेमोरियल मिनी जूनियर बैडमिंटन टूर्नामेंट की ऑफिशियल टी-शर्ट का लोकार्पण किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने आयोजन समिति को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं जनपद में खेल संस्कृति को सुदृढ़ करने के साथ-साथ नन्हीं प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि बाल्यावस्था से ही खेलों में सहभागिता बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रशासन की ओर से खेल गतिविधियों को प्रोत्साहन देने हेतु हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

राष्ट्रीय बाक्सिंग नोमान को में मिला कांस्य पदक

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। उदयराज हिंदू इंटर कालेज के छात्र अनय श्रीवास्तव तथा नोमान रजा खान, गौरव रुहेला, आदर्श चौधरी, अंकुश जिन्होंने राज्य और राष्ट्र स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर अपना परचम लहराया। कक्षा 10वीं के छात्र नोमान रजा खान पुत्र मुख्तार खान ने बेंगलुरु कर्नाटका में 5 फरवरी से 9 फरवरी तक आयोजित 69वें नेशनल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया अंडर-19 बाक्सिंग प्रतियोगिता जबरदस्त प्रदर्शन कर कांस्य पदक प्राप्त किया। कक्षा 8 के छात्र अनय श्रीवास्तव पुत्र संदीप श्रीवास्तव ने खेल महाकुंभ मुख्यमंत्री चैंपियनशिप प्रतियोगिता की राज्य स्तरीय अंडर 14 बैडमिंटन युगल खेल विधा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अनय ने सागर मध्यप्रदेश में

आयोजित स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय बैडमिंटन में भी प्रतिभाग कर टाप 16 में अपनी जगह हासिल की थी। भिवानी हरियाणा में आयोजित 69 वें स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय एथिलेटिक्स अडर 19 क्रास कंट्री में 11 वीं के छात्र आदर्श चौधरी ने प्रतिभाग कर प्रमाण-पत्र प्राप्त किया। 69वें स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय बैडमिंटन में छात्र गौरव रुहेला ने अपना परचम लहराया। दिल्ली में राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में छात्र अंकुश ने अपना दमखम दिखाया। विद्यालय भ्रमण पर पहुंचे विद्यालय के पूर्व छात्र जिला जज डायरेक्टर उजाला एकेडमी भवाली प्रदीप पंत और उनकी पत्नी हाईकोर्ट अधिवद्रा मोनिका पंत समेत विद्यालय परिवार ने छात्रों की उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं। प्रधानाचार्य बृजेश कुमार गुप्ता ने छात्र खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान विद्यालय कार्यकारिणी सदस्य ऋषि अग्रवाल एडवोकेट मेजर मुनीशकांत शर्मा रोशन लाल वर्मा महेश चंद्र आर्या मनोज शर्मा कौशलेश गुप्ता खेल प्रभारी चौ नवनीत सिंह अधिवक्ता शुभम् सिंघल कपिल भारद्वाज बलजीत सिंह दीपक शर्मा अनिल कुमार सिंह रमेश कुमार पांडेय समेत शिक्षक मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन का समापन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। 21 वें राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन का समापन हो गया है। जिसमें देशभर के विज्ञान केंद्रों और संग्रहालयों के लिए स्पष्ट, दूरगामी और भविष्य उन्मुख रोडमैप प्रस्तुत किया गया। इस दौरान सम्मेलन में देश के सभी विज्ञान केंद्रों के बीच ज्ञान के आदान प्रदान के लिए सशक्त नेटवर्क स्थापित करने का निर्णय लिया गया। रविवार को सम्मेलन में वक्ताओं ने विज्ञान केंद्रों को पारंपरिक प्रदर्शनों से आगे बढ़कर ऐसे जीवंत और अनुभवात्मक मंचों के रूप में विकसित करने, शोध परियोजनाओं को समाज से जोड़ने, युवाओं को विज्ञान आधारित स्वरोजगार, स्टार्टअप संस्कृति और नवाचार की ओर प्रेरित करने पर भी जोर दिया। तय किया कि देशभर के विज्ञान केंद्रों के बीच एक सशक्त नेटवर्किंग व्यवस्था विकसित की जाएगी। इसके लिए साझा फोरम का गठन होगा। इससे विज्ञान केंद्रों के बीच ज्ञान, अनुभव, संसाधनों और नवाचारी विचारों का प्रभावी आदान-प्रदान संभव हो सकेगा। विज्ञान संचार को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए 3-डी फिल्मों की एक साझा राष्ट्रीय लाइब्रेरी तैयार की जाएगी। सभी विज्ञान केंद्रों के साथ साझा किया जाएगा। इससे विज्ञान को सरल, रोचक और व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। यहां उप महानिदेशक राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद अनुराग कुमार, पूर्व महानिदेशक राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद जीएस रौतेला, निदेशक राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र दिल्ली विजय शंकर शर्मा, निदेशक राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद राजीव नाथ, छत्तीसगढ़ केंद्र के डीजी प्रशांत काविश्वर समेत विभिन्न विज्ञान केंद्रों के प्रमुख व विशेषज्ञ मौजूद रहे। सम्मेलन की एक और ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में विज्ञान संप्रेषकों के लिए 'अल्मोड़ा घोषणा-पत्र' जारी करने की घोषणा की गई, जिसे विज्ञान संचार के क्षेत्र में एक नई दिशा के रूप में देखा जा रहा है। सम्मेलन के समापन अवसर पर मानसखण्ड विज्ञान केंद्र के प्रभारी वैज्ञानिक डा. नवीन चंद्र जोशी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद, कोलकाता के मार्गदर्शन एवं सहयोग तथा उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर यू-कॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन की विशेष सराहना की गई।

फायर सीजन के लिए मॉकड्रिल

शाह टाइम्स संवाद्दाता

रानीखेत। रानीखेत रेंज, अल्मोड़ा वन प्रभाग में फायर वाचर एवं वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों की आगामी 2026 फायर सीजन के दृष्टिगत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में फायर वाचर एवं वन विभाग का स्टाफ उपस्थित रहे। वही राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न अग्निशमन उपकरणों के उपयोग की विधि का प्रदर्शन कर उनका व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। इसके अतिरिक्त अन्य अग्निशमन उपकरणों की जानकारी भी प्रदान की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वनाग्नि की रोकथाम, नियंत्रण एवं आपातकालीन परिस्थितियों में समन्वित कार्यवाही को सुखद बनाने के बारे मे जानकारी दी गई। वही राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के अधिकारियों व जवानों द्वारा वनाग्नि के कारण, संभावित जोखिम क्षेत्रों, नियंत्रण तकनीकों, सुरक्षा उपायों तथा उपलब्ध उपकरणों के उपयोग संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों, वन संरचना तथा फायर सीजन के दौरान अपनाई जाने वाली रणनीतियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। जिसके बाद वन विभाग एवं राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के जवानों द्वारा संयुक्त रूप से मॉक

ड्रिल का अभ्यास किया गया। जिसमें वनाग्नि की काल्पनिक स्थिति निर्मित कर त्वरित प्रतिक्रिया, समन्वय एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया। इस संयुक्त अभ्यास से आपदा की स्थिति में प्रभावी एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। कंपनी कमांडर राजू सिंह धपोला ने बताया कि 12 फरवरी से 18 फरवरी तक एनडीआरफ की ओर से अल्मोड़ा में फारेस्ट फायर डिफमिनाइजेशन एक्सरसाइज है। जो 18 फरवरी को मॉक एक्सरसाइज में बदल जाएगा। इसके चलते अल्मोड़ा जिले में जितने भी रेंज प्रभाग हैं, वहां जाकर पब्लिक और वन विभाग व फायर वाचर के साथ एक दूसरे से जानकारी आदान प्रदान करते है।

इसमें अभ्यास, आग के प्रकार, और अलग अलग टेरेन, और जंगल में जाने का एक्सेस रूट के बारे में हमें होना चाहिए। यदि कभी जरूरत पड़ी, तो हम तुरंत एक्शन ले सकें, इसके लिए यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आरओ तापस मिश्रा ने बताया कि 15 फरवरी से हमारा रायर सीजन आधिकारिक रूप से शुरू हो जाता है। एनडीआरफ की टीम के द्वारा आज हमें जो भी आग बुझाने का काम करते हैं व कैसे अच्छे ढंग से किया जा सके, अपनी क्षमता के निर्माण में किन चीजों का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी कठिन समय में एनडीआरएफ की टीम का हमको पूरा समर्थन रहेगा, ये मनोबल की भावना हमें एनडीआरएफ की टीम की ओर से देखने को मिली। हम आशा करते हैं कि जो हमारे फॉरेस्ट फायर वाचर है वो बहुत मेहनत से काम करेंगे। अगले 4 महीने हमारे लिए काफी गंभीर रहते हैं, इसलिए एनडीआरफ की मदद से, और जो भी बेहतर उपाय हैं, उनसे हम कोशिश करेंगे कि जंगल की आग को कम से कम रख सकें।

नैनीताल में सैलानियों से रौनक

नैनी झील में नौका विहार का लिया आनंद

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल में सैलानियों की आमद बढ़ने से नगर में रौनक रही। रविवार को नगर पर्यटन स्थलों में सैलानियों की आवाजाही बनी रही। पर्यटन कारोबारियों के अनुसार आने वाले दिनों में पर्यटन गतिविधियां सामान्य रहने वाली है। वीकेंड के कारण शुक्रवार शाम से सैलानियों का पहुंचना शुरू हो गया था जो रविवार दोपहर तक जारी रहा। बता दें नैनीताल में दिल्ली एनसीआर तथा उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के सैलानी पहुंचे हुए हैं। इस बीच नगर के आंतरिक पर्यटन स्थल स्नोव्यू, हिमालय दर्शन, वाटर फाल, केव गार्डन तथा चिड़ियाघर समेत हनुमानगढ़ी में पूरे दिन बड़ी संख्या में सैलानियों की आवाजाही रही, जबकि मालरोड सैलानियों में भी भीड़ देखी गई। नौका विहार करने वालों की संख्या में वृद्धि रही तो घुड़सवारी के शौकीन टूरिस्ट बारा पत्थर पहुंचे हुए थे। नैनीताल होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट के अनुसार इस वीकेंड में सैलानियों की आमद में कुछ हद तक बढ़ोतरी रही है। आने वाले दिनों में भी सैलानियों की आमद बनी रहेगी। पर्यटन गतिविधियां सामान्य रहेगी। मार्च दूसरे सप्ताह के बाद ही सैलानियों की आमद में अधिक वृद्धि की संभावना की जा सकती है।

पुलवामा के शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। स्माइल फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में वर्ष 2019 में पुलवामा में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले में मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का नेतृत्व कार्तिक चौहान ने अपनी टीम के साथ किया। इस अवसर पर शहीदों के बलिदान को याद करते हुए उन्होंने कहा मातृभूमि की रक्षा हेतु दिया गया आपका सर्वोच्च बलिदान राष्ट्र की चेतना में सदैव अमर रहेगा। आपका अदम्य साहस, अटूट संकल्प और अतुलनीय देशभक्ति प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का शाश्वत स्रोत है। कार्यक्रम में शहीदों की शौर्य गाथाओं को विस्तार से साझा किया गया। कार्तिक चौहान और उनकी टीम ने शहीदों की स्मृति में एक मिनट का मौन रखकर, पुष्पांजलि अर्पित की।

अल्मोड़ा मालरोड में लंबे जाम से परेशान रहे लोग

अल्मोड़ा। नगर के मालरोड में वाहनों का एकाएक दबाव बढ़ने लगा हैं। वहीं कई लोग सड़क किनारे अपने वाहन आहे तिरछे खड़े कर देते हैं। इससे आये दिन जाम की समस्या बनी रहती है। रविवार को वन वे व्यवस्था में छूट के चलते मालरोड में एकाएक वाहनों को दबाव बढ़ने के चलते जान की स्थिति बन गई। यहां पहुंचे पर्यटकों और स्थानीय लोगों को जाम के झाम से परेशारियों का सामना करना पड़ा। दिन में लगे जाम के झाम में देखते ही देखते एक के बाद एक वाहनों के पहिए थमने लगे। बाद में पुलिस ने बमुश्किल जाम खुलवाया। जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

तीन बैट्री चोर, एक कबाड़ी गिरफ्तार

बहेड़ी के एक ही गांव के रहने वाले हत्थे चढ़े, खनन वाहनों से चुराई थीं आधा दर्जन बैट्री

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अग्निवीर में फेल होने के बाद यूपी के एक युवक ने अपनी गैंग बना दी और यूपी से वारदात को अंजाम देने के लिए गैंग हल्द्वानी आ पहुंचा, और एक के बाद एक दर्जनभर से ज्यादा डंपरों की बैटरी निकालकर फरार हो गए। पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगालने के बाद इस फेल अग्निवीर का गैंग को पकड़ लिया। पुलिस ने गैंग के तीन सदस्यों के साथ एक कबाड़ी को सलाखों के पीछे भेज दिया। बता दें कि गौला नदी से रेत और आरबीएम ढोने वाले डंपर रात में ही वन निगम के गेट के बाहर नंबर लगाकर खड़े हो जाते हैं। इन्हीं डंपरों को चोरों ने अपना निशाना बनाया। उत्तर प्रदेश जिले के बहेड़ी बरेली से आए गैंग ने रात की आड़ लेकर एक-एक छह डंपरों की बैट्री खोल ली। उन्हें स्विफ्ट डिजायर कार में

लादा और फरार हो गए। अगली सुबह ड्राइवरों ने सेल्फ मारते रहे और जब डंपर स्टार्ट नहीं हुआ तो पता लगा बैट्री गायब चोरी हो चुकी है। एक के बाद लगभग 19 वाहनों से बैट्री चोरी की बात सामने आई हड़कंप मच गया। पुलिस ने लाइन नंबर 13 आजादनगर बनभूलपुरा निवासी जुहैब आलम पुत्र शमशाद हुसैन की तहरीर की पर 12 फरवरी को मुक. दमा दर्ज किया और तलाश शुरू की। रविवार को सीओ अमित कुमार ने पुलिस बहुउद्देशीय भवन में चोर गैंग का खुलासा करते हुए बताया कि मामले की जांच एसआई मनोज यादव के हाथ थी। 100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज और अन्य संसाधनों की बदौलत पुलिस को चोरों की लोकेशन मिल गई। बीते शनिवार को पुलिस ने बैट्री चोर तीन चोर विनोद कुमार पुत्र अमर सिंह, रंजीत सिंह पुत्र ख्याली राम और रंजीत सिंह पुत्र राम भरोसे को कबाड़ी जलील अहमद पुत्र अली शेर को गौला बाईपास रोड से धर दबोचा। तीन चोर ग्राम पिण्डारी अशोक, थाना बहेड़ी, जिला बरेली रहने वाले है। इसके साथ ही चोरी की बैटरी खरीदने वाले कबाड़ी जलील अहमद पुत्र अली शेर निवासी अब्बास नगर थाना बहेड़ी को भी गिरफ्तार किया। जिनके पास से पुलिस ने चोरी की गई 6 बैटरियों के साथ चोरी में इस्तेमाल की गई कार को भी जब्त किया है। कोतवाल बनभूलपुरा दिनेश सिंह फर्त्याल ने बताया कि आरोपी विनोद कुमार ने अग्निवीर भर्ती परीक्षा पास की थी। वर्ष 2023 में वेरीफिकेशन के लिए सेना ने बहेड़ी थाने से विनोद का सत्यापन करने को कहा तो पता लगा कि उस पर चोरी का मुकदमा है। वो भर्ती नहीं हो सका और फिर गांव के अन्य दो दोस्तों के एक गैंग बनाने में जुट गया। तीनों पर चोरी के मुकदमे दर्ज हैं। टीम में एसएसआई गगनदीप सिंह, एसआई मनोज यादव, कांस्टेबल महबूब अली, सुनील कुमार और मो. यासीन शामिल थे।

टुकटुक वाले पर मुकदमा

हल्द्वानी। बीते शुक्रवार की शाम एक तेज रफ्तार टुकटुक चालक ने सड़क पार कर रहे महिला दरोगा के पति को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। इस घटना में महिला दरोगा की तहरीर पर पुलिस ने टुकटुक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार चंद्रावती कालोनी पीलीकोठी निवासी मीना पांडे हल्द्वानी में एलआईयू में दरोगा के पद पर तैनात हैं। मीना के अनुसार बीते 13 फरवरी शुक्रवार की शाम उनके पति नरेश चंद्र तिवारी कालाढूंगी रोड स्थित पशु चिकित्सालय के सामने सड़क पार कर रहे थे। तभी मुखानी की ओर से बेहद तेजी से आए टुकटुक ने नरेश को अपनी चपेट में ले लिया। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। वहीं इस मामले में एक सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला चालक नजर आ रही है। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि तहरीर के आधार पर टुकटुक संख्या यूके04ईआर-4194 के चालक पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दो सट्टेबाज गिरफ्तार

हल्द्वानी। बनभूलपुरा पुलिस ने अलग-अलग क्षेत्र से दो सटोरियों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से सट्टे की पर्चियां व 2910 रूपये की नगदी बरामद की है। पकड़े गए दोनो सटोरियों के खिलाफ कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया। शनिवार की रात्रि बनभूलपुरा थाना पुलिस क्षेत्र में चैकिंग कर रही थी तभी पुलिस ने शोहेल अख्तर पुत्र मोहम्मद जलीस अहमद निवासी वार्ड नंबर-17 बनभूलपुरा को सट्टे की खाईबाड़ी करते हुए गिरफ्तार किया। जिसके पास से 1670 रुपये व सट्टे की पर्चियां बरामद की। वहीं दूसरी ओर टीम ने अखलाक हुसैन पुत्र अल्ताफ हुसैन निवासी आजादनगर लाल मस्जिद बनभूलपुरा को 1240 रुपये की नगदी, पर्ची समेत दबोचा।

छोटा कैलाश पहुंचे लाखों भक्त

अटूटा आस्था का केन्द्र रहा है छोटा कैलाश

दीपक भंडारी, शाह टाइम्स

हल्द्वानी। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर रविवार को देवभूमि उत्तराखंड में हर दिशा से भोलेनाथ के भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। इस दिन भगवान शिव की भक्ति में रंगी इस धरती पर हर जगह हर-हर महादेव, बम-बम भोले के जयकारे गूंज रहे थे। देवभूमि उत्तराखंड में इसकी आस्था और श्रद्धा का एक अलग ही रूप देखने को मिला। इस दिन शिव भक्तों ने विशेष धार्मिक अनुष्ठान और व्रत रखकर भगवान शिव की पूजा की। खासकर हल्द्वानी के पास स्थित प्रसिद्ध शिव धाम छोटा कैलाश में श्रद्धालुओं का भारी हुजूम देखने को मिला। छोटा कैलाश धाम जो नैनीताल जिले के भीमताल ब्लॉक के पिनोरी गांव की एक ऊंची पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। जहां भगवान शिव ने अपनी दिव्य धूनी रमाई थी, और तब से यहां अनवरत धूनी प्रज्जवति है। माना जाता है कि तब भगवान शिव, अर्धांगिनी पार्वती के साथ भ्रमण पर निकले थे और इस पर्वत पर रुके थे। यहां के इतिहास और मान्यताओं को जानने के लिए भक्तों का आकर्षण लगातार बढ़ता जा रहा है। नैनीताल जिले के भीमताल ब्लॉक के पिनरों गांव की ऊंची पर्वत चोटी पर स्थित छोटा कैलाश शिवालय में पांडवों ने भी एक रात गुजारी थी और भगवान शिव की आराधना की थी। दुर्गम और खड़ी चढ़ाई के बाद इस पवित्र स्थल तक पहुंचा जा सकता है। छोटा कैलाश पहुंचने के लिए हल्द्वानी से सड़क मार्ग पर अमृतपुर, भौर्सा होते हुए पिनरों गांव तक पहुंचना होता है। पिनरों गांव तक आप अपने वाहन से जा सकते हैं, लेकिन इसके आगे 3

से 4 किलोमीटर प्राकृतिक खड़ी चढ़ाई है। चढ़ाई चढ़ने के बाद पर्वत की चोटी पर भगवान शिव का पुरातन मंदिर है। यहां की एक प्रमुख विशेषता है भगवान शिव द्वारा यहां रमाई गई अखंड धूनी, जो सदैव जलती रहती है। माना जाता है कि इस धूनी के दर्शन से श्रद्धालुओं की मनो. कामनाएं पूरी होती हैं। महाशिवरात्रि के दिन यहां विशाल मेला लगता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु रातभर पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और अनुष्ठान करते हैं। इस दिन कुछ भक्त अपनी आस्था को साबित करने के लिए हाथ बंधवाकर धूनी के सामने खड़े होते हैं और मन्नत मांगते हैं। यदि उनका हाथ खुद खुल जाता है, तो वे धूनी के पास से हट जाते हैं। मान्यता है कि सतयुग में भगवान महादेव यहां एक बार आये थे। अपने हिमालय भ्रमण के दौरान भगवान शिव तथा पार्वती ने इस पहाड़ी पर विश्राम किया था। महादेव के यहां पर धूनी रमाने के कारण ही तभी से यहां अखण्ड धूनी जलायी जा रही है। बताया जाता है कि भगवान भोले ने यहां वास किया तो उन्होंने दिव्य शक्ति से यहां पर एक कुंड का भी निर्माण किया और इस कुंड को पार्वती कुंड कहा जाता है। इस कुंड में हमेशा पवित्र जल रहता था, लेकिन कहानी है कि किसी ने इस कुंड का अपवित्र कर दिया और कुंड सूख गया। इस कुंड तक तीन जलधाराएं पहुंचती थी, जो पहाड़ के तीन छोरों से आती थीं। हालांकि अब प्रशासन ने इस पवित्र कुंड को पुन: पुर्नजीवित करने का प्रयास किया है और यहां अब एक पक्का कुंड नजर आता है। छोटा कैलाश के बारे में एक मान्यता यह भी है कि त्रेता युग में भगवान शिव ने राम-रावण के युद्ध को इसी पहाड़ से देखा था। यह पर्वत आस-पास स्थित सभी पहाड़ों में सबसे ऊंचा है, और इसलिए इसे एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल माना जाता है। इसके साथ ही द्वापर युग में वनवास के दौरान पांडवों ने इस पर्वत चोटी पर एक रात गुजारी थी। इन्ही किवदंतियों के कारण लोगों की शिव के इस धाम के प्रति अपार आस्था है। यहां आने वाले श्रद्धालु विश्वास करते हैं कि भगवान शिव की पूजा करने से उनकी सभी इच्छाएं पूरी होती हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। मान्यता है कि यहां पहुंचकर शिव. लिंग की पूजा करने से भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती है।

आयुक्त दीपक रावत ने भी किया जलाभिषेक

हल्द्वानी। महाशिवरात्रि के अवसर पर रविवार को कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत छोटा कैलाश स्थित प्राचीन शिव मंदिर में पहुंचकर भगवान शिव का

विधि-विधान से पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया, और कुमाऊं मंडल सहित समस्त क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर आयुक्त श्री रावत ने कहा कि भगवान शिव आस्था, तपस्या और लोककल्याण के प्रतीक हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने और जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि छोटा कैलाश एक अद्भुत एवं अलौकिक तीर्थ स्थल है, जहां प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

हर-हर महादेव की भक्ति के रंग में रंगा शहर

महाशिवरात्रि पर्व पर गुंजायमान रहे शिवालाएं, भक्तों का लगा रहा तांता

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। महाशिवरात्रि के मौके पर पूरा शहर रविवार को भगवान भोले की भक्ति के रंग में रंगा हुआ नजर आया। शिवालयों में सुबह से ही हर-हर महादेव की गूंज सुनाई दे रही है। देवभूमि उत्तराखंड में भी भक्त बाबा की भक्ति में पूरी तरह से डूबे हुए है। शहर व ग्रामीण क्षेत्रों के शिवालयों में सुबह से ही शिव भक्तों की भीड़ देखने को मिली। रविवार सुबह से ही मंदिरों में शिव भक्तों की भीड़ जुटना शुरू गयी थी। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक शिवालयों में बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालुओं ने महादेव के जयनाद के साथ जलाभिषेक किया। इस दौरान शिव भक्तों ने भगवान शिव को बेलपत्र के साथ दूध, शहद, हल्दी आदि पवित्र सामग्रियां अर्पित कर जलाभिषेक किया। शिवरात्रि को लेकर मंदिरों को सजाया गया था। ब्रह्ममुहूर्त से ही शिवालयों में घंटे-घड़ियाल बजने लगे थे। कालूसिद्ध, पिपलेश्वर, पंचेश्वर, नंदेश्वर, बृज बिहार, बेलबाबा, सत्यनारायण मंदिर, शीतलाहाट, लटूरिया बाबा, समता आश्रम गायत्री मंत्री, शीश. महल शिव मंदिर, लामाचौड़ स्थित चारधाम मंदिर, गौलापार स्थित कालीचौड़ मंदिर, हनुमान गढ़ी काठगोदाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ नजर आई। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर दूध, बेलपत्र, बेर, धतूरा और पुष्प चढ़ाकर सुख-शांति की कामना की। शिवभक्तों ने मंदिरों में शिव भजन गाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्री सत्यनारायण मंदिर व समता आश्रम स्थित गायत्री मंदिर में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना और जलाभिषेक

किया। पटेल चौक स्थित पीपलेश्वर महादेव मंदिर में भी सुबह से ही भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया था जो देर शाम तक जारी रहा। इसके अलावा मुखानी चौराहा स्थित शिव मंदिर में भी भक्तों की भीड़ जुटी रही। सुबह से ही लोग शिर्वाचन के लिए मंदिर पहुंचने लगे थे। बेलबाबा मंदिर में महिलाओं ने शिव भजन गाकर अपनी आस्था का इज़हार किया, और श्रद्धालु पूरे दिन महादेव के दिव्य आशीर्वाद की प्राप्ति के लिए प्रार्थना करते रहे। शहरीय व ग्रामीण क्षेत्रों के शिवालयों में स्थानीय कीर्तन मंडलियों द्वारा शिव भजन प्रस्तुत किए गए। इसके साथ ही जगह-जगह भंडारे का भी आयोजन किया गया। वहीं महा. शिवरात्रि के पावन मौके पर शिव भक्तों द्वारा जगह-जगह विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जहां पर भक्तों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। वहीं शिव भक्तों की उमड़ी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी खासा मुस्तैद रहा।

ट्रेन से यात्री का बैग चोरी

हल्द्वानी। दिल्ली से हल्द्वानी आ रहे एक यात्री का ट्रेन में बैग चोरी हो गया। पीड़ित यात्री की तहरीर पर जीआरपी पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार शास्त्री नगर मेरठ निवासी असीम गिरीश सक्सेना ने जीआरपी पुलिस को दी तहरीर में कहा कि बीते 13 फरवरी को वह रानीखेत एक्सप्रेस से दिल्ली से काठगोदाम यात्रा कर रहे थे, तभी वह सो गए और जब काठगोदाम में उनकी आंख खुली तो ट्रॉली बैग गायब था। ट्रॉली बैग में उसकी कीमती वस्तुएं थीं। आरपीएफ ने कैमरे खंगाले तो एक व्यक्ति ट्रॉली बैग ले जाता दिखा। जीआरपी थानाध्यक्ष कमल कोरंगा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी।

सब-जूनियर हॉकी टीम चयन 1 मार्च को

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड की सब-जूनियर हॉकी टीमों के चयन के लिए ट्रायल का आयोजन 1 मार्च को किया जाएगा। यह चयन प्रक्रिया 16वीं सब-जूनियर महिला एवं पुरुष राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली राज्य टीमों के गठन के लिए होगी। यह जानकारी हॉकी उत्तराखण्ड के सचिव नरेन्द्र सिंह बाफिला ने दी। उन्होंने कहा कि 16वीं सब-जूनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन 1 से 12 अप्रैल तक राँची में किया जाएगा, जबकि 16वीं सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता 1 से 12 अप्रैल तक राजगीर में आयोजित होगी। दोनों प्रतियोगिताओं में उत्तराखण्ड की टीमें प्रतिभाग करेंगी। उन्होंने कहा खिलाड़ियों के लिए आयु सीमा 1 जनवरी 2010 निर्धारित की गई है। टीम चयन के लिए ट्रायल 1 मार्च को मानसखण्ड खेल परिसर गोलापार स्थित एस्ट्रो टर्फ मैदान में सुबह 9 बजे से प्रारंभ होगा। महिला और पुरुष दोनों वर्गों के खिलाड़ी इसमें भाग ले सकेंगे। हॉकी इंडिया के नियमों के अनुसार ट्रायल में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों का पंजीकरण हॉकी इंडिया में होना अनिवार्य है। खिलाड़ियों को अपने साथ हाईस्कूल की अंकतालिका अथवा प्रमाण-पत्र, दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं आधार कार्ड लाना अनिवार्य होगा।

सनातन धर्म में सर्व मंगल का भाव: सतपाल महाराज

बिन्दुखत्ता के हंस प्रेम योग आश्रम में विराट सद्भावना सम्मेलन

शाह टाइम्स ब्यूरो

लालकुआं। सनातन धर्म का मूल तत्व मानव धर्म है, जिसमें सर्व मंगल का भाव समाया हुआ है। यह संदेश अब जन-जन तक पहुँचाने के लिए सद्भावना सम्मेलन के माध्यम से कार्य किया जा रहा है।

यह विचार श्री हंस प्रेम योग आश्रम संजय नगर द्वितीय बिंदुखत्ता में आयोजित विराट सद्भावना सम्मेलन में सदगुरुदेव सतपाल महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज की नितांत आवश्यकता है कि हम इस मानव धर्म को आत्मसात करें ताकि हमारे देश के महान ऋषियों और मुनियों द्वारा दिया गया विश्व बंधुत्व और शांति का संदेश पुन: पल्लवित और पोषित हो सके। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि का पावन पर्व न केवल भारत में, बल्कि विश्व के अनेक देशों में उल्लास के

साथ मनाया जाता है। यह पर्व समाज में समरसता, सौहार्द और सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण संदेश देता है। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में अध्यात्म और भौतिक विकास का समन्वय आवश्यक है।

इस अवसर पर अमृता माता ने भी शिव और शक्ति के महत्व को समझाते हुए सभी को सनमार्गी बनने का आह्वान किया। महात्मा सत्यबोधानंद और हरी संतोषानंद ने भी अपने विचार व्यक्त किए, और बताया कि सद्भावना सम्मेलन का आज के समय में कितना महत्वपूर्ण योगदान है। सम्मेलन में उमड़े सैलाब ने पूरी एकाग्रता से सदगुरुदेव के विचारों को सुना, और पूरा माहौल पिन ड्रॉप साइलेंस में तब्दील हो गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में ब्रह्म बेला के समय हजारों श्रद्धालुओं ने आश्रम स्थित बिंद. ेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर शिवार्चन, रुद्राभिषेक और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से शिव और शक्ति की आराधना की और पुण्य अर्जित किया। सम्मेलन में सुयश महाराज, विधायक डा. मोहन बिष्ट, पूर्व मंत्री हरीश चन्द्र दुर्गापाल, पूर्व विधायक नवीन दुम्का, संतोष दुबे, ओमप्रकाश मौजूद रहे।

आनंदी धर्मशाला में महाशिवरात्रि पर सामूहिक शिवार्चन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अरुणोदय संस्था एवं अरुणोदय न्यास के तत्वावधान में अरुणोदय आनंदी देवी रावत धर्मशाला में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर सामूहिक शिवार्चन पूजन कार्यक्रम भक्तिमय वातावरण में सम्पन्न हुआ, जिसमें संस्था के सदस्यों के साथ ही स्थानीय लोगों ने पूरे भक्तिभाव से भाग लिया। आचार्य पंडित रमेश चंद्र पाण्डे ने बड़े ही संगीतमय प्रस्तुति के साथ शिव पूजन सम्पन्न कराया। मुख्य यजमान लतेश मोहन एवं उनकी पत्नी वंदना के साथ राजकुमार केसरवानी एवं रेनू केसरवानी, कैलाश तिवारी एवं

सुषमा तिवारी, मनोज पाण्डे एवं दिव्या पाण्डे बतौर यजमान शिवार्चन में शामिल हुए। शिव पूजन कार्यक्रम में संस्थाध्यक्ष जीवन चंद्र जोशी, महामंत्री बिपिन चंद्र पाण्डे, संस्थापक सदस्य जीडी सती, एमबी जोशी, देवेन्द्र खाती, डा. दीपा काण्डपाल, डा. लता काण्डपाल, पूरन सिंह जीना, रोहित केसरवानी, सचिव नीलम काण्डपाल, कमला जोशी, नारायण दत्त जोशी आदि मौजूद रहे।

आईजी ने की 'थाल सेवा'

लिटिल मिरेकल फाउंडेशन की समाजसेवा को सराहा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। लिटिल मिरेकल फाउंडेशन थाल सेवा की 30 लाख थाली जरूरतमंदों को बांटने का माइल स्टोन पार कर लिया। इस अवसर पर आईजी कुमाऊं रिद्धिम अग्रवाल ने थाल सेवा में आकर भोजन वितरण का कार्य किया।

उन्होंने कहा कि बिना किसी स्वार्थ के जरूरतमंदों को 5 रुपए में भोजन कराना आज के समय में कठिन सेवा कार्य है, लेकिन जन सहयोग से ये सेवा कार्य का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। टीम थाल सेवा अक्टूबर 2018 से बिना रुके सोशल मीडिया से क्राउड फंडिंग के जरिए सुशीला तिवारी हॉस्पिटल के पास चल रही है और अस्पताल में आने वाले तीमारदारों को केवल 5 रुपए में भोजन उपलब्ध करवाती है। संस्था के

सदस्यों में राजीव वाही, राजीव बग्गा व रक्षित वर्मा ने आईजी रिद्धिम अग्रवाल का आभार प्रकट करते हुए उन्हें पौधा भेंट किया और उन्हें वस्त्र सेवा, उपचार सेवा और अन्य सेवाओं की जानकारी दी। सदस्य प्रवीण मित्तल ने भोजन निर्माण और संजय बग्गा ने भोजन वितरण संबंधी जानकारी दी। थाल सेवा के संस्थापक अध्यक्ष दिनेश मानसेरा ने बताया कि समाज से लोग जन्मदिन, विवाह दिवस और अन्य स्मरणीय दिवसों के जरिए थाल सेवक के रूप में हमसे जुड़कर अपना सहयोग देते है। इस अवसर पर रीना मानसेरा, कनिका वासुदेवा, स्वाति कपूर, पूजा बग्गा, उमंग वासुदेवा, अतुल वर्मा, प्रो. केके पांडे, सरयू प्रसाद, दिनेश आर्य, महेंद्र जड़ोत, नीरज जोशी आदि मौजूद रहे।

पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन शुरू

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशानुसार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी) आधारित पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन शुरू हो रही है। विश्वविद्यालय के शोध एवं नवाचार निदेशालय के निदेशक प्रो. गिरिजा पाण्डेय ने बताया कि 17 फरवरी से मार्च माह के दूसरे सप्ताह तक ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। काउंसलिंग की तिथियाँ विषय विशेषज्ञों की उपलब्धता अनुसार निर्धारित की जाएंगी। एनईटी स्कोरधारी (नेट विद जेआरएफ, नेट विद एलएस, नेट फॉर पीएचडी एडमिशन) मास्टर डिग्री वाले अभ्यर्थी पात्र होंगे। यह प्रक्रिया यूजीसी के नवीन दिशानिर्देशों के अनुरूप पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण प्रवेश सुनिश्चित करेगी।

झांकियों ने सभी का मन मोह लिया

शाह टाइम्स संवाद्दाता

गोरापड़ाव। सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार व समाज मे अध्यात्म जाग्रत करने के लिए गोरापड़ाव स्थित सोनिका गार्डन में महा शिवरात्रि की पूर्व संध्या पर महा शिवरात्रि उत्सव समिति द्वारा विराट महाशिवरात्रि उत्सव का रंगारंग आयोजन किया गया।

इस दौरान उत्तराखंड के सुप्रसिद्ध गायक कलाकारों ने अपने गीत व संगीत के माध्यम से कार्यक्रम में अध्यात्म की छटा बिखेरी। यहां भव्य आकर्षक झांकियों से व कुंती नृत्य कला केंद्र व यश डांस सेंटर के बच्चों ने अपनी दमदार प्रस्तुति से सभी का मनमोह लिया। कार्यक्रम के आयोजक शिव भक्त सूफी सिंगर छोटा कैलाश खैर के नाम से प्रसिद्ध पंकज नेगी के संयोजन में आयोजित महा शिवरात्रि उत्सव में सिंगर पंकज नेगी, महिपाल मेहता, प्रभाकर जोशी,

नेहा कोरंगा, पारस कांडपाल, ललित जोशी, दिव्यांशी गुसाईं व दीपू मेहरा ने भक्तिभाव से पूर्ण भजनों के माध्यम से कार्यक्रम को अद्भुत बनाया। यहां शिव पार्वती विवाह, शिव तांडव, माँ काली, महाकाल अघोरी की आकर्षक व मनमोहक झांकियों से ललित सवारियां ग्रुप के कलाकारों ने शमां बांध दिया। कार्यक्रम का संचालन रिम्पी बिष्ट व पंकज गोस्वामी ने किया। इस अवसर पर डा. मोहन सिंह बिष्ट, भवाली व्यापार मंडल के अध्यक्ष नरेश पांडे, वरिष्ठ कांग्रेस हरेन्द्र बोरा, राहुल नेगी, खीम सिंह नेगी, चंदन सिंह नेगी, राजीव भट्ट, बब्बू नेगी, वीरेंद्र मेहरा, ग्राम प्रधान ममता मनोज तिवाड़ी, पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख अमित नेगी, पूर्व ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख, तारा सिंह नेगी, अनिल पांडे, पूर्व कनिष्ठ प्रमुख श्रीकांत पांडे, समाजसेवी रमेश चन्द्र जोशी सहित तमाम लोग उपस्तिथ थे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286

मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सामूहिक विवाह समाज में समानता और सादगी का प्रतीकः सीएम धामी

- सीएम धामी ने सामूहिक विवाह में की शिरकत
- नवदंपतियों को दिया आशीर्वाद
- महादेव मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए एक करोड़ की घोषणा

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नौगवां ठग्गू में श्री गौरी शंकर महादेव मन्दिर प्रांगण में सामूहिक विवाह समारोह में प्रतिभाग कर नव दंपतियों को अपना आशीर्वाद, बधाई व शुभकामनाएं दीं। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर श्री गौरी शंकर महादेव मन्दिर में 41 कन्याओं के विवाह समारोह विधिवत सम्पन्न कराया गया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सामूहिक विवाह समाज में समानता व सादगी लाता है। सामूहिक विवाह अनावश्यक व्यय को भी कम करने में सहायक होता है।

उन्होंने कहा कि विवाह जन्म-जन्मांतर का रिश्ता है इसीलिए सदा आपसी विश्वास, सम्मान के साथ गृहस्थ जीवन को मजबूत बनाते हुए जीवन यापन करें। उन्होंने कहा कि सरकार बेटियों व महिलाओ को सशक्त बनाने का कार्य कर रही है राज्य में बेटियों को सरकारी नौकरी में 30 प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण दिया गया। बेटियों को बचपन से ही सशक्त करने के लिए नंदा गौरा योजना, छात्रवृति, साईकिल योजना, शादी अनुदान सहित अनेक कल्याणकारी योजनाएँ चलाते हुए बेटियों के प्रति. निधित्व को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार बेटियों व महिलाओं की सुरक्षा के लिए वचन बद्ध है, महिलाओं की सुरक्षा के लिए यूसीसी जैसा समानता व सुरक्षा कानून लागू किया है। उन्होंने नव वर-वधु को आशीर्वाद देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने श्री गौरी शंकर महादेव मन्दिर प्रांगण के सौंदर्यकरण हेतु एक करोड़ की धनराशि देने की घोषणा की।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, दर्जामंत्री अनिल कपूर डब्बू, शंकर कोरंगा, पूर्व विधायक डा. प्रेम सिंह राणा, दान सिंह रावत, सतीश भट्ट, सुमित यादव, रणदीप पोखरिया, तरुण ठाकुर, सौरभ अग्रवाल, संजीव ज्वाला, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर बरहैंनी के झारखंडी शिव मंदिर में सजा भव्य मेला

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। महाशिवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर बरहैंनी स्थित झारखंडी शिव मंदिर परिसर में रविवार को भव्य मेले का आयोजन किया गया।

मेले में दूर-दराज क्षेत्रों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान शिव के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के स्टाल लगाए गए थे, जिनमें पूजन सामग्री, मिठाई, खिलौने तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं की दुकानें आकर्षण का केंद्र रहीं। मेले में बच्चों के लिए झूले भी लगाए गए, जहां नन्हे-मुन्ने बच्चों ने जमकर आनंद उठाया। पूरे क्षेत्र में उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस प्रशासन मेले के दौरान पूरी तरह मुस्तैद दिखाई दिया और व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार गश्त करता रहा। आयोजन शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

एक नजर

संदिग्ध हालातों में फांसी पर लटका मिला युवक

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। खुरपिया फार्म किच्छा निवासी एक युवक अपने घर के कमरे में संदिग्ध अवस्था में फांसी पर लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को फांसी से उतारकर चिकित्सालय भिजवाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

जानकारी के अनुसार खुरपिया फार्म किच्छा निवासी 27 वर्षीय अजीत कुमार पुत्र राम सहाय कोर्ट में सफाई का काम करता था। बताया जाता है कि उसके परिजन कांवर लेने गये हुए थे और घर में दादी मौजूँद थी जो घर कें बाहर बैठी हुई थीं।देर सायं अजीत कमरे में बैठा था। जब उसकी दादी कमरे की ओर गई तो दरवाजा अन्दर से बंद था। काफी देर आवाज देने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो दादी ने आसपास के लोगों को बुलवाया। उन्होंने किसी तरह दरवाजा खोला तो भीतर अजीत फांसी पर लटका मिला। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अजीत को फांसी से उतारकर चिकित्सालय पहुंचाया जहां चिकित्सको ने उसे मृत घोषित किया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। अजीत की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

मीना शर्मा ने 84 घंटा शिव मन्दिर पहुंचकर किया जलाभिषेक

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। महा शिवरात्रि के अवसर पर पूर्व पालिका अध्यक्ष और कांग्रेस नेत्री मीना शर्मा और कांग्रेस के बरिष्ठ नेता अनिल शर्मा पिछले दो दशकों से लगातार रम्पुरा स्थित 84 घंटा शिव मन्दिर पहुंचकर भगवान् शंकर की पूजा अर्चना करती हैं और पवित्र गंगाजल से शिवलिंग पर जलाभिषेक कर क्षेत्र की खुशहाली, तरक्की, अमन चैन और आपसी भाईचारे की मजबूती के लिए प्रार्थना करती हैं।

इस वर्ष भी शर्मा दम्पति सुबह, सुबह रम्पुरा पहुंचे और 84 घंटा शिव मन्दिर में पूजा की और शिवलिंग् पर जलाभिषेक किया। इस अवसर पर शंकर कोली, कोमिल राम, लालमन, सरोज रानी, किशन कोली सहित बड़ी संख्या में अन्य लोग मौजूद थे। मन्दिर के महंत पंडित नरेश शर्मा द्वारा श्रीमती शर्मा और श्री शर्मा का तिलक कर उन्हें आशीर्वाद दिया गया।

बरार फार्म क्षेत्र में अजगरों की दस्तक, लगातार तीन का रेस्क्यू

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। ग्राम ठोठुपुरा स्थित बरार फार्म के आसपास अजगर सांप निकलने की घटनाओं से इलाके में सतर्कता बढ़ गई है। शनिवार को दो अजगर दिखाई देने पर मौके पर पहुंचे वन्य जीव प्रेमी मुख्तार अली ने सुरक्षित तरीके से दोनों का रेस्क्यू किया। इसके बाद रविवार को उसी क्षेत्र से एक और अजगर पकड़ा गया।

इस दौरान मुख्तार अली ने बताया कि तीनों अजगरों को बिना किसी नुकसान के जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया। उन्होंने लोगों से अपील की कि अजगर या किसी भी वन्य जीव के दिखने पर घबराने के बजाय तुरंत सूचना दें, ताकि समय रहते सुरक्षित रेस्क्यू किया जा सके और किसी भी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके।

ठुकराल ने शिवालयों में जाकर किया जलाभिषेक

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने शहर लक्ष्मी नारायण मंदिर समेत विभिन्न शिवालयों में जाकर भगवान आशुतोष का जलाभिषेक किया और हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौटे शिवभक्त कांवड़ियों का जगह-जगह भव्य स्वागत कर उनका उत्साहवर्धन किया। ठुकराल ने हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर रुद्रपुर पहुंच रहे कांवड़ियों के जत्थों का अभिनंदन किया। उन्होंने कांवड़ियों के विश्राम शिविरों में पहुंचकर उनके स्वास्थ्य का हाल जाना और पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। इस दौरान ठुकराल ने कहा कि कांवड़ यात्रा भारतीय संस्कृति और अटूट श्रद्धा का प्रतीक है। भीषण गर्मी और कठिन रास्तों की परवाह किए बिना भोले के भक्त जिस संकल्प के साथ गंगाजल लाते हैं, वह वंदनीय है। उन्होंने शिवभक्तों को महाशिव. रात्रि की शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल संकल्प की सराहना की। जलाभिषेक के उपरांत ठुकराल ने अपने संदेश में कहा कि महादेव की कृपा समस्त क्षेत्रवासियों पर बनी रहे। उन्होंने भगवान शिव से प्रार्थना की कि हमारा शहर और प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे और हर घर में सुख, शांति व समृद्धि का वास हो। उन्होंने कहा कि शिवरात्रि का पर्व हमें संयम, सेवा और परोपकार की प्रेरणा देता है।

रतनपुरा में विवाद ने लिया उग्र रूप

घर में घुसकर हमला, चार घायल, दो रेफर

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। क्षेत्र के रतनपुरा मोहल्ले में रविवार देर शाम मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। गाली-गलौज से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। आरोप है कि एक पक्ष के लोगों ने घर में घुसकर धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिससे एक महिला समेत चार लोग घायल हो गए।घटना शाम करीब साढ़े चार बजे की बताई जा रही है।

रतनपुरा निवासी सुमन पत्नी अशोक गांव से उपले लेकर अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले कुछ लोगों ने कथित रूप से उनके साथ अभद्रता और गाली-गलौज शुरू कर दी। बताया गया है कि एक युवक नशे की हालत में था और उसने महिला के साथ दुर्व्यवहार किया। विरोध करने पर मामला और भड़क गया। शोर-शराबा सुनकर बीच-बचाव के लिए पहुंचे रानी पत्नी रामचंद्र, अशोक पुत्र हर किशन सिंह, रामवीर पुत्र जगदीश और लक्की पुत्र अशोक कुमार पर आरोपित पक्ष ने हमला बोल दिया। हमलावरों ने घर में घुसकर धारदार हथियार से वार किए। जिससे चारों लोग घायल हो गए।सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने घायलों को उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दो घायलों को हायर सेंटर रेफर कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। पुलिस को मामले की सूचना दे दी गई है।

एलांयस क्लब ने महाशिवरात्रि पर्व पर बांटा निःशुल्क गंगा जल

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर एलायंस क्लब खटीमा द्वारा क्षेत्र के सभी प्रमुख शिवालयों में निशुल्क गंगाजल वितरण किया गया। क्लब के सदस्यों ने अलग-अलग टीम बनाकर क्षेत्र के हर मंदिर में भोले के अभिषेक के लिए निःशुल्क गंगाजल बांटा।

प्रोग्राम चेयरमेन राकेश कुमार ने इस अवसर पर कहा कि महादेव की उपासना करने से सभी मनोकामना पूर्ण होती है। एलायंस क्लब खटीमा ने भोलेनाथ को गंगाजल अर्पित करने की धार्मिक परंपरा को और भी सुगम और सुलभ बनाने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर क्लब अध्यक्ष जितेंद्र पारूथी, कोषाध्यक्ष कमल गहतोड़ी, डॉ महेंद्र प्रताप पांडे, कुलदीप राणा, नवनीत अरोरा,राहुल शर्मा, मनोज कन्याल, राकेश रॉक्सी, विश्वजीत पाल,पंकज टम्टा, न्यूविन अग्रवाल, पवन भट्ट और प्रेमप्रकाश जोशी आदि मौजूद रहे।

मार्ग दुर्घटना में घायल महिला ने उपचार के दौरान दम तोड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

नानकमत्ता । मार्ग दुर्घटना में घायल महिला की उपचार के दौरान दम तोड दिया, पुलिस ने मृतक महिला की पुत्री की तहरीर पर चालक के विरुद्ध अभियोग दर्ज किया है।

रविवार को पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सड़ा सड़िया निवासी अंकिता राना पुत्री नरेश सिंह, ने पुलिस को दी तहरीर में बताया हैं की 8 फरवरी 2026 को सुबह लगभग 08:00 उसकी माता रामकुमारी पत्नी नरेश सिंह रोज की तरह पास की दूध डेरी पर दूध लेने जा रही थीं। जब वह अर्जुन बोरा सीमेंट स्टोर के पास पहुंचीं, तभी नानकमत्ता की ओर से तेज गति एवं लापरवाही से आ रहे टेम्पू ट्रैवलर वाहन संख्या क्स 1 टब 5255 के चालक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। दुर्घटना में उसकी माता गंभीर रूप से घायल हो गयी, जिन्हें वाहन से सरकारी अस्पताल खटीमा ले जाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें हायर सेंटर सुशीला तिवारी अस्पताल, हल्द्वानी रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान ज्यादा चोट लगने और अधिक खून बहने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक महिला की पुत्री की तहरीर घ्पर चालक के विरुद्ध अभियोग दर्ज कर लिया है।

उत्तराखंड में होगा सत्ता परिवर्तनः अरविंद यादव

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। चम्पावत समाजवादी पार्टी यूथ बिग्रेड के राष्ट्रीय महासर्चि. चव अरविंद यादव के चम्पावत आगमन पर जिला अध्यक्ष ललित मोहन भट्ट के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर संगठन विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

राष्ट्रीय महासचिव अरविंद यादव ने कहा कि शीघ्र ही सम्पूर्ण प्रदेश में विधानसभा अध्यक्षों की नियुक्ति कर संगठन को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने वार्ता के दौरान कहा कि उत्तराखंड राज्य को बने 26 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन आज भी राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार की पर्याप्त उपलब्धता नहीं है। नौजवानों को रोजगार के लिए पलायन करना पड़ रहा है, जो अत्यंत चिंताजनक विषय है। उन्होंने कहा कि चम्पावत सहित पहाड़ी क्षेत्रों के लोगों को मुख्यमंत्री से बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन चार वर्ष बीत जाने के बाद भी अपेक्षित विकास कार्य नहीं हो पाए हैं। जिला अस्पताल के हालात बदतर हैं और मरीजों को मूलभूत सुविधाएँ, यहाँ तक कि कंबल भी उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। अरविंद यादव ने पहाड़ी क्षेत्रों में रोजगार सृजन हेतु मिनी सिडकुल की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध हो और पलायन पर रोक लगे। उन्होंने बताया कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सदैव उत्तराखंड राज्य की मदद और समर्थन किया है। उत्तर प्रदेश को उत्तराखंड से जोड़ने के लिए बरेली से बागेश्वर मार्ग का निर्माण कराया गया तथा सड़क का नाम पूर्व मुख्यमंत्री एनडी तिवारीके नाम पर रखा गया। अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने के लिए भी वैचारिक समर्थन दिया गया। उत्तरकाशी में टनल में फंसे मजदूरों को सुरक्षित निकालने वाली रेस्क्यू टीम को सम्मानित करते हुए 1-1 लाख रुपये की धनराशि प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। आगामी माह मार्च में अखिलेश यादव के पहाड़ दौरे का कार्यक्रम प्रस्तावित है, जिसमें नैनीताल आगमन की भी संभावना है।

जिला अध्यक्ष ललित मोहन भट्ट ने कहा कि अखिलेश यादव का पहाड़ के लोगों से विशेष लगाव है और वे समय-समय पर राज्य की सहायता करते रहे हैं। उनका ससुराल उत्तराखंड में होने के कारण उनका राज्य से गहरा संबंध और आत्मीयता है। इस अवसर पर ललित मोहन भट्ट, गंगा सिंह भंडारी, शंकर थुयाल, प्रेम सिंह दबीर एवं आदर्श भट्ट सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री धामी ने वनखंडी महादेव मंदिर में किया जलाभिषेक

- फीता काट कर मेले का किया शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। उत्तराखंड मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी खटीमा के वनखंडी महादेव मंदिर चकरपुर में आयोजित महाशिवरात्रि मेले का फीता काटकर शुभारंभ किया। इसके साथ ही उन्होंने सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेशवासियों को महाशिवरात्रि की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस पावन पर्व पर उन्होंने महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया तथा विधिवत पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख, शांति, स्मृद्धि, उन्नति एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मेले के बढ़ते हुए स्वरूप और पर्यटन को देखते हुए इस धार्मिक स्थल को एक भव्य और दिव्य रूप देने के उद्देश्य से एक कार्य योजना बनाकर मंदिर को विकसित किया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, गंभीर सिंह धामी, रणदीप पोखरिया, अमित पांडे, गोपाल सिंह बिष्ट, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति सहित मन्दिर समिति के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर गूलर सिद्ध महादेव में उमड़ा आस्था का सैलाब

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर में महाशिव. रात्रि के पावन अवसर पर भगवान भोलेनाथ के मंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा।भक्तों ने दूध, बेलपत्र और गंगाजल अर्पित कर शिव आराधना में लीन रहे। रामनगर स्थित प्रसिद्ध गूलरसिद्ध महादेव मंदिर में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली।

रामनगर शहर से करीब दो किलोमीटर दूर पहाड़ी पर स्थित यह प्राचीन मंदिर श्रद्धा, इतिहास और लोकमान्यताओं का अद्भुत संगम माना जाता है। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई हर मनोक. ामना अवश्य पूर्ण होती है। यही कारण है कि महाशिवरात्रि के अवसर पर दूर-दूर से कांवड़िये और शिवभक्त यहां जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं।मंदिर समिति के अध्यक्ष डॉक्टर निशांत पपने ने बताया कि रविवार तड़के से ही मंदिर परिसर में भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया था।हर हर महादेव और बम बम भोले के जयकारों से पूरा वातावरण शिवमय हो उठा। हजारों कांवड़ियों ने गंगा. जल चढ़ाकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में सुरक्षा और व्यवस्थाओं के विशेष इंतजाम किए गए हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

गूलर सिद्ध महादेव मंदिर की विशेषता यह भी है कि इस पूरे क्षेत्र में यह एकमात्र ऐसा शिव मंदिर है, जहां महाशिवरात्रि के दौरान भव्य मेले का आयोजन होता है। मेले में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। पूजा-अर्चना के साथ-साथ प्रसाद वितरण और भंडारे का आयोजन भी किया जा रहा है।

प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि स्थानीय संस्कृति और परंपरा का भी प्रतीक है। महा. शिवरात्रि पर यहां दर्शन करना भक्तों के लिए विशेष आध्यात्मिक अनुभव माना जाता है। वहीं मेले में शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर एसडीएम प्रमोद कुमार, सीओ सुमित पांडे, कोतवाल सुशील कुमार, यातायात निरीक्षक वेद प्रकाश भट्ट, एसएसआई दीपक बिष्ट भी मुस्तैद दिखाई दिए।

वहीं महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हरिद्वार से गंगाजल लेकर आये कांवड़ियों व श्रद्धालुओं की सेवा की और उनका जोरदार स्वागत किया।

भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फल,खीर और भोजन की व्यवस्था भी की। इस दौरान विधायक दीवान सिंह बिष्ट, भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री राकेश नैनवाल, पूर्व राज्यमंत्री दिनेश मेहरा, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, गणेश रावत,नवीन करगेती भाजपा नेता संजय डार्बी आदि मौजूद रहे।

गर्भवती महिला ने एम्बुलेंस में बच्चे को दिया जन्म

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। किच्छा क्षेत्र में रविवार को एक गर्भवती महिला ने अस्पताल पहुंचने से पहले एम्बुलेंस में ही बच्चे को जन्म दिया। समय पर मिली आपातकालीन चिकित्सा सुविधा और स्वास्थ्य कर्मियों की सतर्कता से प्रसव सुरक्षित रूप से संपन्न हुआ। जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ बताए गए हैं। जानकारी के अनुसार, छतरपुर कॉलोनी, किच्छा निवासी 30 वर्षीय प्रेमा पत्नी अमरनाथ को प्रसव पीड़ा होने पर एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया जा रहा था। दोपहर 2:20 बजे रास्ते में ही एम्बुलेंस में उन्होंने पुत्र को जन्म दिया। चिकित्सा कर्मियों ने तत्काल आवश्यक देखभाल प्रदान की। बाद में मां और नवजात को अस्पताल पहुंचाकर चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया।

शिवभक्तों की सेवा को ड्रीमर्स केयर फाउंडेशन ने लगाया पंडाल

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भारतीय संस्कृति, सेवा और करुणा की जीवंत मिसाल प्रस्तुत करते हुए ड्रीमर्स केयर फाऊंडेशन (इंडिया) ने शिवभक्तों के स्वागत-सत्कार का एक प्रेरणादायी आयोजन किया। हरिद्वार धाम से पवित्र जल लेकर लौट रहे शिवभक्तों का फूल-मालाओं से अभिनंदन किया गया तथा उनके ठहराव, विश्राम और आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था कर फल व शुद्ध पानी के माध्यम से सेवा प्रदान की गई।

इस सेवा कार्य ने न केवल सनातन परंपराओं का सम्मान किया, बल्कि मानवता और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश भी दिया।

ड्रीमर्स केयर फाउंडेशन का उद्देश्य सदैव जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाना, सांस्कृतिक मूल्यों को सहेजना और समाज में सकारात्मक बदलाव लाना रहा है। महाशिवरात्रि जैसे पावन पर्व पर शिवभक्तों की सेवा कर संस्था ने यह सिद्ध किया कि सेवा ही सच्ची साधना है। सेवा आयोजन में फाउंडेशन की फाउंडर ममता पांडे, तेजेंद्र सिंह खरबंदा, दीपक पांडे, हरीश पांडे, यश पांडे , भूषण छाबड़ा,नितिन छाबड़ा, नामित पपनेजा सहित अनेक कार्यकर्ता व साथी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में फिल्म जगत से जुड़े फिल्म डायरेक्टर व अभिनेता अनुग्रह अग्निहोत्री की उपस्थिति ने युवाओं में सेवा के प्रति उत्साह और प्रेरणा का संचार किया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत, पुलिस जांच में जुटी

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर के रानीखेत रोड पर एक अज्ञात वाहन ने सड़क पार कर रही एक अज्ञात महिला को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

रविवार शाम को रानीखेत रोड पर प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तेज रफ्तार वाहन ने महिला को टक्कर मारी और बिना रुके वहां से भाग गया।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महिला ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया गया है।फिलहाल मृतका की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस द्वारा आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और पहचान के प्रयास जारी हैं। रानीखेत रोड पर रहने वाले लोगों ने बताया कि यह महिला काफी समय से होटल के आसपास रहती है और गुजर बसर करती थी।इस महिला को विमला देवी कहकर बुलाते थे। लगभग इसकी उम्र 60 साल के आसपास होंगी।यह कहा कि रहने वाली थी कोई नहीं जानता है।पुलिस ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश और चिंता का माहौल है। लोगों ने रानीखेत रोड पर बढ़ती तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग पर रोक लगाने की मांग की है। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि मृतक महिला की पहचान नहीं हो पाई है।

शव की शिनाख्त के लिए 72 घंटे तक मोर्चरी में रखवाया गया है। उसके बाद शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा।रानीखेत रोड स्थित पर रहने वाले लोगों से अज्ञात महिला के बारे में जानकारी ली जा रही है।

महाशिवरात्रि पर हर ओर 'हर हर महादेव' की हुई गूंज

- प्रातः काल से ही मंदिरों के बाहर दिखाई दीं श्रद्धालुओं की भीड़
- जलाभिषेक कर बाबा से मांगी मनोकामनाएं पूर्ण करने की मन्नत

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। महाशिवरात्रि पर्व पर नगर एवं निकटवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित शिवालयों में हजारों की संख्या में शिव भक्तों ने पूजा अर्चना के साथ जलाभिषेक किया। प्रातः से ही सभी शिवालय भगवान शिव शंकर के जयघोषों से गुंजायमान हो उठे। हरिद्वार से पावन गंगाजल लेकर लौटे कांवरियों सहित भारी संख्या में शिव भक्तों ने शिवालयों में पहुंच शिव. लिंग पर बेलपत्र, दूध, फल, फूल, धूप, अगरबत्ती आदि पूजा सामग्री के साथ जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। मंदिरों के बाहर पूजा सामग्री बेचने वालों की कई दुकानें सजी हुई थीं। मंदिर की पौराणिक मान्यता है कि यहां सच्चे मन से जलाभिषेक करने पर मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। महिलाएं पारंपरिक परिधानों में, युवा भक्त हाथों में कलश लिए और वृद्धजन जपमाला के साथ हर वर्ग शिव आराधना में लीन था।

महाशिवरात्रि हमें केवल धार्मिक अनुष्ठान का संदेश नहीं देती, बल्कि आत्ममंथन और संयम की प्रेरणा भी देती है। शिव विनाश और सृजन दोनों के प्रतीक हैं,ख्वे हमें अहंकार त्यागने, प्रकृति से जुड़ने और समाज में संतुलन स्थापित करने का मार्ग दिखाते हैं।

नगर के श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, श्री मनकामेश्वर मंदिर, श्री शिव शक्ति मंदिर, श्री दूधिया बाबा मंदिर, श्री दुर्गा मंदिर, श्री शिव मंदिर, मां अटरिया देवी मंदिर, श्री बृहस्पति देव मंदिर, श्री नव दुर्गा मंदिर, श्री वैष्णों देवी मंदिर, श्री चामुण्डा मंदिर, सहित ट्रांजिट कैम्प, सिडकुल चौकी परिसर, कोतवाली परिसर, सिडकुल चौक, आवास विकास, इन्द्रा कालोनी, सिंह काला. `नी, रम्पुरा, भूतबंगला, पहाडगंज, बंगाली कालोनी, मॉडल कालोनी, दरिया नगर, घास मंडी, ईश्वर कालोनी, संजय नगर, आदर्श काला. `नी, अटरिया रोड़, काशीपुर बाईपास रोड़, जगतपुरा, दूधिया नगर, खेड़ा, शक्ति विहार, पीएसी परिसर, गंगा. पुर रोड़, निकटवर्ती ग्राम भूरारानी, डिबडिबा, दानपुर, भगवानपुर, बगवाड़ा, छतरपुर, मटकोटा, रामनगर, फुलसुंगा, फुलसुंगी, प्रीत विहार आदि क्षेत्रों में स्थित शिवालयों में हजारों की संख्या में शिव भक्तों ने जलाभिषेक किया। इस मौके मंदिरों को फूलमालाओं व रोशनी से भव्य रूप से सजाया गया। अनेक मंदिरों में धार्मिक आयोजन किये जा रहे हैं। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर विधायक शिव अरोरा ने पांच मंदिर रुद्रपुर में जलाभिषेक कर समस्त क्षेत्रवासियो के सुख समृद्धि की कामना। विधायक ने इस दौरान कहा भगवान महादेव के पवित्र पर्व महाशिवरात्रि के अवसर पर जहां पूरे देश के मंदिरों में भक्तो की आस्थारूपी भीड़ नजर आ रही है जो दर्शाता है कि भगवान महादेव पूरे संसार कि आत्मा है जिनकी कृपा से हम सांसारिक जीवन को व्यतीत कर समाज हित में सेवा कार्य कर रहे है। महादेव कि कृपा सभी पर बनी है ओर देवभूमि उत्तराखंड व रुद्रपुर क्षेत्र प्रगति पथ पर सदैव आगे बढ़े ऐसी ईश्वर से कामना है। सुरक्षा के लिए अनेक मंदिरों में पुलिस कर्मी भी तैनात रहे। वहीं पुलिस अधिकारी भी मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे।

शिवरात्रि से गूंजे काली कुमाऊं की खड़ी होली के गीत, उमड़ा जनसैलाब

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। काली कुमाऊं की सांस्कृतिक पहचान बनी खड़ी होली का शुभारंभ महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर लोहाघाट स्थित प्रसिद्ध ऋषेश्वर महादेव मंदिर परिसर में भव्य रूप से हुआ।

मंदिर प्रांगण ढोल-मंजीरों की गूंज और लोकगीतों की स्वर लहरियों से जीवंत हो उठा। पाटन, चांदमारी और लोहाघाट क्षेत्र की महिलाओं ने पारंपरिक भेष-भूषा में सुसज्जित होकर खड़ी होली का सामूहिक गायन किया। पहाड़ी परिधानों में सजी महिलाओं ने न केवल होली गीत गाए, बल्कि स्वयं ढोल और मंजीरा बजाकर कार्यक्रम की अगुवाई भी की। ग्रामीण अंचल की यह जीवंत परंपरा आज भी उतनी ही सशक्त दिखाई दी। बैठकी होली के बाद खड़ी होली का रंग महा. शिवरात्रि से प्रारंभ होकर चैत्र माह तक चलने वाली खड़ी होली, बैठकी होली के पश्चात अपने पूरे रंग में आती है। फाल्गुनी उमंग, रंग-बिरंगे परिधान, झोड़ा-चांचरी की लय और पारंपरिक होली गीतों ने माहौल को भक्तिमय और उत्सवी बना दिया।काली कुमाऊं की खड़ी होली केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रमाण है जहां महिलाएं परंपरा की ध्वजवाहक बनकर समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य कर रही है।

दीवान सिंह लडवाल मेमोरियल स्टेडियम में गूंजा बालिका फुटबाल का जोश

कुमाऊं प्रीमियर लीग 2026 से पहले डेमो मैच में चंपावत की बेटियों ने दिखाया दमखम

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। शहर के दीवान सिंह लडवाल मेमोरियल स्टेडियम ने रविवार को एक ऐतिहासिक पल का साक्षी बनते हुए पहली बार बालिका फुटबॉल मुकाबले की मेजबानी की। 17 और 18 फरवरी को आयोजित होने जा रही कुमाऊं प्रीमियर लीग 2026 से पूर्व आयोजित डेमो मैच में जिले के नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों की बालि. काओं ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर यह साबित कर दिया कि वे किसी से कम नहीं हैं।

खेल सुविधाओं के अभाव के बावजूद फुटबॉल के प्रति उनके जुनून ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। ग्रामीण अंचलों से आई प्रतिभाओं ने यह संदेश दिया कि यदि उन्हें उचित मंच और प्रोत्साहन मिले तो वे राष्ट्रीय ही नहीं, अंत. राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बना सकती हैं। डेमो मैच में चंपावत की टीम ने जवाहर नवोदय विद्यालय की टीम को 4-1 से पराजित कर जीत अपने नाम की। चंपावत की ओर से कंचन ने पहला गोल दागा, इसके बाद मनीषा ने दूसरा, हिमानी ने तीसरा और कीर्ति नाथ ने चौथा गोल कर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई। जवाब में नवोदय विद्यालय की टीम ने भी जज्बा दिखाते हुए एक गोल कर मुकाबले को सम्मानजनक बनाया। दोनों टीमों ने खेल भावना और अनुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। टॉस चंपावत टीम ने जीता। मुकाबले में निर्णायक की भूमिका कविता नेगी और शौर्य ने निभाई। इससे पूर्व मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमा पांडे और विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख अंचला बोहरा ने प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया। अतिथियों ने आयोजनकर्ता नरेंद्र लड्वाल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं को खेल, विशेषकर फुटबॉल के क्षेत्र में आगे लाना समय की आवश्यकता है। आयोजक नरेंद्र लड्वाल ने सभी अतिथियों और खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य मॉडल जिले में महिला फुटबॉल को बढ़ावा देकर इसे एक हब के रूप में विकसित करना है, ताकि यहां की प्रतिभाएं वैश्विक स्तर पर पहचान बना सकें। डेमो मैच में ग्रामीण बालिकाओं के शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों और आयोजकों की उम्मीदों को नई उड़ान दी।

कार्यक्रम की शुरुआत में नरेंद्र लड्वाल ने अपनी जीवनसंगिनी सुनीता लड्वाल, पुत्र गौरव और पुत्रवधु गरिमा के साथ पूर्ण वैदिक विधि-विधान से अपने स्वर्गीय दादा दीवान सिंह लड्वाल को समर्पित स्टेडियम का लोकार्पण किया। कुल पुरोहित पंडित मुरलीधर गहतोड़ी ने पूजा-अर्चना संपन्न कराई और यजमान को आशीर्वाद प्रदान किया। 17 एवं 18 फरवरी को इसी स्टेडियम में कुमाऊं प्रीमियर लीग 2026 के फुटबॉल मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें कुमाऊं के सभी जिलों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

जनता मिलन में उम्मीदें, फाइलों में बंद हकीकत ?

- डीएम के आदेशों पर अमल नहीं, पेयजल और पेंशन मामलों में कार्रवाई ठप होने से ग्रामीणों में रोष

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। एक ओर जहां "जनता मिलन कार्यक्रम" के माध्यम से आम लोगों को त्वरित राहत और मौके पर समाधान का भरोसा मिल रहा है, वहीं कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही जिलाधिकारी की मंशा पर पानी फेरती नजर आ रही है। शिकायतें सुनी जा रही हैं, आदेश दिए जा रहे हैं, लेकिन धरातल पर अमल न होने से फरियादी फिर उसी चौखट पर लौटने को मजबूर हैं। हाल ही में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में दिव्यांग दिनेश पाण्डेय और शिव. राज बिष्ट के लिए रेलिंग युक्त सीसी मार्ग निर्माण, रिवर्स पलायन कर चुके दीपक पाण्डेय की समस्या तथा बाजरीकोट निवासी नरानी देवी की वृद्धा पेंशन बहाली के संबंध में जिलाधिकारी मनीष कुमार ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए थे। आरोप है कि ये निर्देश फाइलों से बाहर नहीं निकल पाए और पीड़ितों को अब तक राहत नहीं मिली।

इधर "हर घर नल योजना" में कथित भ्रष्टाचार, सांगों ग्राम पंचायत में पेयजल लाइन में वित्तीय अनियमितता तथा "स्वच्छ भारत मिशन" के तहत स्वीकृत सहायता राशि लाभार्थियों को न दिए जाने के मामले में समाचार प्रकाशित होने के बाद भी ठोस कार्रवाई न होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। नंदू पाण्डेय, सुरेश जोशी (पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य) तथा बांस-बंसवाड़ी क्षेत्र के अन्य ग्रामीणों ने प्रशासनिक निष्क्रियता पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब अधिशासी अभियंता जल निगम से जूनियर इंजीनियर के साथ बैठक के लिए समय मांगा गया तो अधिकारियों ने समयाभाव का हवाला देकर जिम्मेदारी से दूरी बना ली। वहीं खबर प्रकाशित होने के बाद संबंधित ठेकेदारों द्वारा कुछ ग्रामीणों को मामूली धनराशि देकर मामले को दबाने की कोशिश किए जाने के भी आरोप लगाए जा रहे हैं। ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि यदि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी हुई तो कई लोगों पर गाज गिरना तय है। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब घिंघारुकोट की बोलनौल पेयजल लाइन में कथित सरकारी धन के गबन के मामले में शिकायतकर्ता द्वारा पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने के बावजूद प्रशासन ने शिकायतकर्ता को ही झूठा ठहरा दिया। इससे ग्रामीणों में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर अविश्वास की भावना गहराने लगी है। अधिकारियों के इस गैर-जिम्मेदाराना रवैये से क्षुब्ध ग्रामीणों ने पुनः जनता मिलन कार्यक्रम में पहुंचकर जिलाधिकारी से सीधे मिलकर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग करने का निर्णय लिया है। अब देखना यह है कि शिकायतों की इस श्रृंखला पर प्रशासन कब तक प्रभावी कदम उठाता है या फिर फरियादी यूं ही दर-दर भटकते रहेंगे।

विराट हिंदू सम्मेलन 24 को

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। हिंदू जनजागरण समिति के तत्वावधान में 24 फरवरी 2026 की सुबह को दस बजे चीनी मिल मैदान, बाजपुर में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर आयोजकों द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। समिति पदाधिकारियों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का आह्वान किया है। कार्यक्रम की तैयारियों में कुसुम सैनी, दिव्या गोयल, उत्तम सैनी एवं हर्षित गोयल सहित अन्य कार्यकर्ता सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

शिवरात्रि पर शिवमय हुआ चंपावत-लोहाघाट

- मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत/लोहाघाट। महाशिव. रात्रि के पावन अवसर पर पूरे जिले में आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। सुबह तड़के से ही शिवालयों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। चंपावत के प्रसिद्ध बालेश्वर महादेव मंदिर, मानेश्वर मंदिर, लोहाघाट के प्रसिद्ध ऋषेश्वर महादेव मंदिर, पाताल रुद्रेश्वर मंदिर और लधौनधुरा मंदिर सहित सभी प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। उपवास रखकर भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया और शिव-शक्ति की आराधना में लीन रहे। "ऊं नमः शिवाय" के उद्घोष से वातावरण दिनभर गुंजायमान रहा।

लोहाघाट नगर में आयोजित शिव महोत्सव के तहत विश्व देव मंदिर से भगवान शिव-पार्वती की मनमोहक झांकियां निकाली गईं। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। झांकियों के आगे पिथौरागढ़ का प्रसिद्ध सूर्य नृत्य दल अपने शानदार कौशल का प्रदर्शन करता हुआ चल रहा था, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि झांकियों के पीछे महिलाएं मंगल गीत गाते हुए आस्था की छटा बिखेर रही थीं। यह शोभायात्रा मीना बाजार, मैंने मार्केट, स्टेशन बाजार होते हुए महादेव मंदिर पहुंची, जहां पूरा नगर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा नजर आया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आया। लोहाघाट के प्रमुख चौराहों, बाजार क्षेत्र और मंदिर परिसरों में पुलिस का तगड़ा बंदोबस्त किया गया था।

सुरक्षा व्यवस्था के चलते शोभायात्रा और जलाभिषेक कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। मानेश्वर मंदिर में पीठाधीश्वर धर्मराज पुरी महाराज के दर्शन और आशीर्वाद के लिए भी श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। जिले के विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ बाराही धाम देवीधुरा मे बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे। दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही थी। महाशिवरात्रि के इस पर्व ने एक बार फिर चंपावत और लोहाघाट को पूर्णतः शिवमय कर दिया, जहां आस्था, भक्ति और उत्सव का अनुपम संगम देखने को मिला।

अवैध रूप से काटे गए 17 लट्ठे एसएसबी ने किए बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। 57 बटालियन सशस्त्र सीमा बल के कार्यवाहक कमांडेंट दीपक सिंह जायाड़ा के निर्देशन में समवाय मेलाघाट तथा वन विभाग की संयुक्त कार्यवाही में अवैध रूप से पेड़ों की कटाई कर रहे व्यक्तियों को घेराबंदी कर पकड़ा। वहीं मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर व्यक्तियों से वैद्य दस्तावेज दिखाने को कहा गया। किंतु व्यक्ति वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने में असफल रहे। इसके बाद संयुक्त टीम द्वारा मौके की तलाशी के दौरान अवैध रूप से काटे गए पेड़ों के 17 लट्ठे बरामद किए गए। बरामद लकड़ी की कुल मात्रा लगभग 14.258 घन मीटर आंकी गई। वहीं बरामद लकड़ी को विधिवत जब्त कर आवश्यक कानूनी कार्यवाही पूर्ण करते हुए वन क्षेत्र अधिकारी कार्यालय खटीमा को सुपुर्द कर दिया गया। आपको बता दें कि सशस्त्र सीमा बल द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों की रोकथाम हेतु सतत निगरानी एवं संयुक्त अभियान चलाए जा रहे हैं जिसके तहत सशस्त्र सीमा बल को यह बड़ी सफलता हाथ लगी। इस संयुक्त अभियान में एसएसबी कंपनी प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार, उप निरीक्षक पुरुषटोमा भट्ट, आरक्षी योगेश कुमारी, संजय तथा भूपेंद्र कुमार सहित अन्य कार्मिक मौजूद रहे।

महाशिवरात्रि पर मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर क्षेत्रभर के मंदिरों में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। रविवार की सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मंदिरों में लगनी शुरू हो गईं। भक्तों ने शिव. लिंग पर जल, दुग्ध एवं बेलपत्र अर्पित कर भगवान भोलेनाथ की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा घर-परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

नगर के प्रसिद्ध संकट मोचन श्री बाला जी घाटा मंदिर, बांकेनगर स्थित श्री नीलकंठ महादेव मंदिर सहित क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में दिनभर भक्तों का तांता लगा रहा। मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था तथा भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष के साथ जलाभिषेक किया। कई स्थानों पर रुद्राभिषेक एवं विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन भी किया गया। महिलाओं, युवाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लेकर पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया। महाशिवरात्रि के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था के भी समुचित प्रबंध किए गए थे। पूरे दिन मंदिर परिसरों में आस्था का सैलाब उमड़ता रहा और भक्तों ने भगवान शिव से परिवार की सुख-समृद्धि एवं क्षेत्र की खुशहाली की प्रार्थना की।

ललित शौर्य उत्तराखंड की संस्कृति के ब्रांड एम्बेसडर हैं: मुख्यमंत्री

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। पिछले दिनों दिल्ली में आयोजित उत्तराखंड महोत्सव रोहिणी का सफल संचालन राष्ट्रीय साहित्यकार एवं सुप्रसिद्ध उद्घोषक इंजी. ललित शौर्य ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ललित शौर्य उत्तराखंड की संस्कृति के ब्रांड अम्बेसडर हैं। वह देश के विभिन्न प्रान्तों में सांस्कृतिक महोत्सवों का संचालन कर रहे हैं।

वहीं सेवा संकल्प फाउंडेशन के द्वारा आयोजित उत्तरायणी कौथिक महोत्सव देहरादून का संचालन भी इंजी. ललित शौर्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, पूर्व राज्यपाल महाराष्ट्र पद्म भूषण भगत सिंह कोश्यारी, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के अध्यक्ष प्रसून जोशी, कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, डीजीपी उत्तराखंड दीपम सेठ, सेवा संकल्प फाउंडेशन की संस्थापक गीता धामी ने संयुक्त रूप से इंजी. ललित शौर्य को सम्मानित किया। फाउंडेशन की अध्यक्ष गीता धामी ने शौर्य की वक्तृत्व कला की प्रशंसा करते हुए कहा कि शौर्य हृदयस्पर्शी संचालन करते हैं। इनके सम्बोधन से युवाओं को प्रेरणा मिलती है।

विदित है कि ललित शौर्य साहित्यकार भी हैं जिनकी अब तक 18 से अधिक बाल साहित्य की पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इन्हें दर्जनों राष्ट्रीय सम्मानों से सम्मानित भी किया जा चुका है।

एक नजर

शाहजी पब्लिक स्कूल में कक्षा 8 के छात्र हुए विदा

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। शाहजी पब्लिक स्कूल में कक्षा 8 के विद्यार्थियों को शुभकामनाओं के साथ भावपूर्ण विदाई दी गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों के बिछुड़ने की उदासी के साथ ही चेहरे पर मुस्कुराहट के भाव थे। कार्यक्रम की शुरुआत आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां से हुई।

समारोह के मुख्य अतिथि डॉक्टर साजिया सिद्दीकी व परवीन सिद्दीकी, काशिफ सिद्दीकी, आकिब सिद्धीकी एवं सैफ अली सिद्दीकी मौजूद रहे। विद्यालय प्रबंध निदेशक मोहम्मद फैज अली सिद्दीकी व प्रधानाचार्य रविंद्र मिश्रा ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये कहा कि कड़ी मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी है। मुख्य अतिथि डॉ सिद्दीकी ने शिक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए निरंतर इस दिशा में प्रयास जारी रखने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में फैजान को मिस्टर फेयरवेल, रहीमा को मिस फेयरवेल का किताब तथा आलामीन को बेस्ट स्टूडेंट का सम्मान दिया गया। अंत में सभी छात्रों को स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट किए।

सरस्वती शिशु मंदिर दुध पोखरा में गूंजा सुंदरकांड पाठ

शाह टाइम्स संवाददाता

चम्पावत। सरस्वती शिशु मंदिर दुध पोखरा में धार्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण के बीच सुंदरकांड पाठ, हनुमान चाली. सा व हवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और भक्ति भाव से सुंदरकांड का पाठ किया।

इस पावन अवसर पर विद्यालय में नवप्रवेशित बच्चों का विधिवत स्वागत भी किया गया। विद्यालय के अध्यक्ष दिनेश चंद्र जोशी, व्यवस्थापक रमेश गिरी, कोषाध्यक्ष मोहन चंद्र जोशी एवं लक्ष्मी दत्त पुनेठा की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रधानाचार्य गिरीश चंद्र जोशी ने सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए नवप्रवेशित विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

पंजाबी महासभा ने किया शिव बारात का स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। उत्तरांचल पंजाबी महासभा ने महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर रविवार को शिव बारात का भव्य स्वागत किया। टनकपुर रोड बालाजी इलेक्ट्रॉनिक्स पर शिव भोले के जयकारों व सूक्ष्म जलपान तथा चाय के साथ स्वागत किया गया। शिव बारात में शामिल उत्तरांचल पंजाबी महासभा के सभी कार्यकर्ता शिव भोले के जयकारे लगाए। इस मौके पर अमित मेहरोत्रा, संगठन के अध्यक्ष विजय अरोड़ा, अनिल बत्रा, हरीश बत्रा, सुनील बत्रा, जितिन ग्रोवर, राजकुमार गुंबर, संतोष मेहरोत्रा, सुनील ग्रोवर, अरविंद गोयल ध्रुव बत्रा, नरेश मोटवानी तथा राजीव मेहरोत्रा आदि उपस्थित रहे।

सीएम से मिले शासकीय अधिवक्ता, वेतन वृद्धि की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। खटीमा में रविवार को शासकीय अधिवक्ताओं के एक प्रति. निधिमंडल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर वेतन वृद्धि की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। अधिवक्ताओं ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा अपने शासकीय अधिवक्ताओं के वेतन में वृद्धि संबंधी अधिसूचना जारी की जा चुकी है। ऐसे में राज्य के शासकीय अधिवक्ताओं को भी समान लाभ दिया जाना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को केंद्र सरकार का नोटिफिकेशन दिखाते हुए राज्य में भी वेतन संशोधन लागू करने का अनुरोध किया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) अनिल सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री ने उनकी मांगों को गंभीरता से सुनते हुए सकारात्मक आश्वासन दिया। इस दौरान सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता मोहन सिंह चौहान समेत कई अधिवक्ता उपस्थित रहे।

एसबीएस रुद्रपुर ने जीती सेपक टाकरा पुरुष प्रतियोगिता

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। कुमाऊं विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालय सेपक टाकरा पुरुष प्रतियोगिता में एसबीएस राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि एमबीपीजी कॉलेज, हल्द्वानी उपविजेता रहा। रविवार को मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम के शिवालिक हॉल में प्रतियोगिता का शुभारंभ कुविवि के पूर्व क्रीड़ाधिकारी डॉ. नागेंद्र शर्मा एवं यूनिटी लॉ कॉलेज रुद्रपुर के प्राचार्य डॉ. कुंदन राठौर ने किया। प्रतियोगिता का आयोजन यूनिटी लॉ कॉलेज रुद्रपुर द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में एसबीएस महाविद्यालय रुद्रपुर, एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी और डीएसबी परिसर नैनीताल की टीमों ने प्रतिभाग किया। रेगु इवेंट में एसबीएस रुद्रपुर प्रथम और एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी द्वितीय रहा।

डबल्स इवेंट में डीएसबी परिसर नैनीताल ने प्रथम और एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। समापन अवसर पर कुविवि के क्रीड़ाधिकारी डॉ. संतोष कुमार और डॉ. नागेंद्र शर्मा ने विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। क्रीड़ाधिकारी डॉ. संतोष ने बताया कि इस प्रतियोगिता के आधार पर कुविवि की सेपक टाकरा टीम का चयन किया गया है, जो अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय सेपक टाकरा प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए असम जाएगी। निर्णायक मंडल में सावन मेहरोत्रा, प्रगति दुमका और श्वेता भाकुनी शामिल रहे। इस दौरान डॉ. राजेश कुमार, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. उमेश जोशी, अनीता बोरा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

दिनेशपुर के रामबाग शिवालय में हुआ जलाभिषेक

शाह टाइम्स संवाददाता

दिनेशपुर। आदिवासी बुक्सा समुदाय की आस्था के केंद्र रामबाग के प्राचीन शिव मंदिर में जलाभिषेक कार्यक्रम रविवार दिन भर जारी रहा। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की और अपने परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में विशाल भंडारा लगा। नगर के वार्ड दो, पांच, तीन, सात और नौ स्थित शिव मंदिर में श्रद्धालुओं ने प्रसाद बांटा। कांवड़ियों ने गांव, मोहल्ले में भंडारे का आयोजन कर कांवड़ पूजा का समापन किया। वहीं गदरपुर मटकोटा मार्ग रामबाग क्षेत्र में कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भंडारा लगाया। वहीं दिनेश. पुर वार्ड पाच स्थित कालीमंदिर के गर्भगृह में स्थित शिवलिंग में गंगोत्री तथा हरिद्वार से लाए गंगाजल दर्जनों भोले ने जलाभिषेक किया। यहां बलविंदर साहू, साधन मृधा, नित्यानंद मंडल, राकेश सिंह, बाबू सिंह तोमर, सोमल सिंह, विभूति सरकार, किशोर मल्लिक, रामचंद्र सिंह, विकास राय, विकास सरकार, कर्म सिंह, हरि सिंह, बिशन सिंह, अनूप सिंह, अमित नारंग, नमन कोरंगा, सुभाष व्यापारी, तेज सिंह, परितोष गाइन, मालती गाइन, अन्ना सिकदार, भवतोष, सावित्री मल्लिक, शिखा ढाली, प्रभा राय, राधा विश्वास, सुनीता, चंपा मल्लिक आदि रहे।

नैनीताल के मंदिरों में उमड़े शिवभक्त

विधिवत पूजा अर्चना, भोलेनाथ का जलाभिषेक

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल में रविवार को महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर नगर के सभी मंदिरों में सुबह से लेकर शाम तक भक्तजनों की भारी भीड़-भाड़ लगी रही। भकतों ने उपवास रखकर मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना की। नगर के श्री मां नयना देवी मंदिर स्थित शिवालय में रविवार को शिवरात्रि के पावन अवसर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगी हुई थी। इसके साथ ही हनुमानगढ़ी, गुफा महादेव तथा माल रोड स्थित शिव मंदिर सहित शहर के अन्य शिवालयों में भी श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंचे। मां नयना देवी मंदिर के मुख्य पुजारी बसंत बल्लभ पांडे ने बताया कि शिवरात्रि के पावन पर्व पर मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना की गई और भोलेनाथ का जलाभिषेक किया गया। मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की कतार लगी हुई थी और श्रद्धालु सुबह से ही भोलेनाथ का जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक कर मनोकामना पूर्ण होने की कामना कर रहे हैं। इसके साथ ही हरिद्वार से गंगाजल लेकर पहुंचे कांवड़ियों ने भी मंदिर में जल चढ़ाया। इस दौरान पुजारी चंद्रशेखर तिवारी, भुवन कांडपाल, नवीन तिवारी, गणेश बहुगुणा और नैना देवी मंदिर अमर उदय ट्रस्ट के अध्यक्ष राजीव लोचन शाह, उपसचिव प्रदीप साह तथा सुरेश मेलकानी आदि रहे।

श्री राम सेवक सभा परिवार ने शिवरात्रि पर प्रस्तुत किए भजन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। श्री राम सेवक सभा में रविवार को महा शिवरात्रि पर्व पर भजन तथा शिव धूनी का आयोजन कर प्राणि मात्र के लिए प्रार्थना की गई। बता दें

सतीश पांडे, रक्षित साह, राहुल जोशी तथा दिया व अनुष्का के नेतृत्व में बाल कलाकारों ने शिव स्तुति के साथ शिव भजन प्रस्तुत का सभी के लिए भगवान शिव से आशीर्वाद मांगा। शिवरात्रि कार्यक्रम में सभा के अध्यक्ष मनोज साह, महासचिव जगदीश चंद्र बवाड़ी समेत उपाध्यक्ष अशोक साह, प्रबंधक बिमल चौधरी, कोषाध्यक्ष विमल साह, पूर्व संरक्षक गिरीश जोशी, पूर्व अध्यक्ष मुकेश जोशी, पूर्व सचिव मुकुल जोशी, कैलाश बोरा, गोविंद सिंह, मोहित लाल साह, हरीश सिंह राणा, किशन सिंह नेगी तथा आनंद बिष्ट शामिल रहे।

सुनकिया मेले का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाद्दाता

धारी। नैनीताल जिले के भीमताल विधान सभा के विधायक राम सिंह कैड़ा ने महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर रविवार को धारी ब्लॉक के सुनकिया मेले का शुभारंभ किया। स्थानीय महिलाओ व ग्रामीणों ने पहाड़ी सस्कृति और रीति

रिवाज में महाशिवरात्रि के अवसर पर भव्य मेले का आयोजन किया जा रहा है मंदिर में दूर दूर से हजारों शिव भक्त पूजा अर्जना करने आते हैं। विधायक ने कहा मंदिर के विकास करने और पर्यटन से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है इस मेले को और बेहतर और भव्य रूप दिया जायेगा। विधायक कैड़ा ने कहा मंदिर के सौन्दर्यकरण व अन्य समस्याओं का समाधान हो इस दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। पेयजल, विद्युत व्यवस्थाओं को दुरस्त करने को कहा। विधायक कैड़ा ने सभी जनप्रतिनिधियों से मेले को सफल बनाने में अपना सहयोग करने की अपील की। क्षेत्र के लोगो ने विधायक कैड़ा का स्वागत कर धन्यवाद दिया। विधायक कैड़ा के साथ मंदिर समिति के अध्यक्ष व पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि सभी शिव भक्त ग्रामीण जन मौजूद रहे।

बच्चों को साइबर ठगी के बारे में बताया

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नैनीताल में पुलिस की ओर से स्कूलों में गोष्ठी का आयोजन कर बच्चों को साइबर फ्रॉड की जानकारी दी जा रही है। तल्लीताल व मल्लीताल पुलिस की ओर से कई स्कूलों में बच्चों को साइबर ठगी व उससे बचाव की जानकारी दी जा रही है। बता दें कि मोबाइल फोन के इस दौर में रोजाना कई लोगों के साथ साइबर ठगी हो रही है। बता दें साइबर ठगी को रोकने के लिए पुलिस की ओर से लगातार लोगों को जागरुक करने का प्रयास किया जा रहा है। जिसके लिए पुलिस स्कूली बच्चों को साइबर ठगी की जानकारी देने के साथ उसके उपाय भी बता रही है। एसपी डा. जगदीश चन्द्र ने बताया कि तल्लीताल व मल्लीताल क्षेत्र के कई स्कूलों में साइबर ठगी पर गोष्ठी की जा रही है। गोष्ठी में बच्चों को मोबाइल का सही इस्तेमाल करने, किसी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए लिंक में क्लिक न करने व किसी सस्ती सेल के चक्कर में किसी भी ऑनलाइन साइट से कोई चीज न खरीदने की सलाह दी जा रही है। साथ ही किसी फोन कॉल पर अपनी कोई भी बैंक का दस्तावेज संबंधी जानकारी न देने की सलाह भी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि साइबर फ्रॉड होने पर तुरंत पुलिस से सम्पर्क करें।

कीवी की खेती करने के सही तरीके बताए

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नैनीताल के आसपास बंदर व लंगूरों से परेशान होकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों ने खेती व बागवानी कम कर दी है जिसको देखते हुए उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद क्षेत्रीय केंद्र पटवाडांगर की ओर से काश्तकारों को कीवी की खेती के लिए प्रेरित किया जा रहा है, साथ ही कीवी की खेती करने के सही तरीके बताए जा रहे हैं। जिसके लिए कृषकों को समय समय पर प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। जैव प्रोद्योगिकी संस्थान के प्रभारी डा. सुमित पुरोहित ने बताया कि वैज्ञानिक पद्धति से सही जानकारी प्राप्त कर किसान कीवी को आर्थिकी का साधन बना सकते हैं। बताया कि पहाड़ों में समुद्र तल से एक हजार से दो हजार मीटर तक की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कीवी पैदा की जा सकती है। उन्होंने बताया कि कीवी फल में बहुत से औषधीय गुण पाये जाते हैं। यह फल कई रोगों का निवारण करता है और इसको बंदर या लंगूर भी नुकसान नहीं पहुंचाते हैं।

लापता युवती बरामद, आरोपी पर सख्त धाराएं लगाने की तैयारी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नैनीताल जिले के तहत गरमपानी-खैरना गरमपानी क्षेत्र से एक युवती के घर से चले जाने के प्रकरण में भवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक और युवती को जनपद बिजनौर (उत्तर प्रदेश) से बरामद कर लिया है। मामले में युवती के बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म व मारपीट व अन्य संबंधित धाराएं बढ़ाने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार युवती लगभग तीन माह पूर्व युवक के साथ घर से चली गई थी। युवक के परिजनों द्वारा साथ रखने से इनकार करने पर युवक ने बिजनौर में किराये का कमरा लेकर युवती को अपने साथ रखा। युवती ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाया कि विवाह का आश्वासन देकर उसे साथ रखा गया और शादी की बात करने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी। युवती ने अपने माता पिता के साथ जाने की इच्छा जताई है। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली भवाली प्रकाश सिंह मेहरा ने बताया कि गठित दो पुलिस टीमों द्वारा लगातार प्रयास कर दोनों को सकुशल बरामद किया गया। युवती का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है तथा नियमानुसार न्यायालय में पेश किया जाएगा। दूसरी ओर इसी संबंध में भावना मेहरा (निवर्तमान प्रदेश महामंत्री महिला मोर्चा) के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता रविवार को भवाली कोतवाली पहुंचे और प्रभारी निरीक्षक मेहरा से मामले की जानकारी ली। पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार करने और युवती को बरामद करने पर कार्यकर्ताओं ने पुलिस टीम को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

एक नजर

दिनेश गुरुरानी ने किया पौधरोपण

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। राज्य निर्माण सेनानी दिनेश गुरुरानी द्वारा राज्य में चलाया जा रहा अनूठा पौधारोपण अभियान रविवार को 580वें दिन भी जारी रहा। पौधारोपण अभियान के 580वें दिन महाशिवरात्रि के अवसर पर सीराकोट स्थित मलयनाथ स्वामी मंदिर परिसर में नगर पालिका डीडीहाट के अध्यक्ष गिरीश चुफाल के नेतृत्व में पौधारोपण किया। गिरीश चूफाल ने कहा कि महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर परिसर में पौधारोपण करना सौभाग्यशाली है। दिनेश गुरुरानी ने कहा कि उनका पौधारोपण अभियान जारी रहेगा। इस अवसर पर डीडीहाट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव सुनील शाह समेत प्रमोद डिगारी तथा गणेश मेहता शामिल रहे।

निजी वाहनों से हो रहा टैक्सी का कारोबार

नैनीताल। नैनीताल शहर में निजी वाहनों से लोग धड़ल्ले से टैक्सी का काम कर रहे हैं। इससे टैक्सी कारोबारी भी परेशान हैं। लगातार कार्रवाई के बाद भी लोग पुलिस की आंख में धूल झोंक कर निजी वाहन को टैक्सी के रूप में चला रहे हैं। मामले में एसपी यातायात व अपराध डा. जगदीश चन्द्र ने बताया कि निजी वाहनों से टैक्सी का काम करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। निजी वाहनों से टैक्सी का काम करने वालों के पकड़े जाने पर वाहन सीज करने के निर्देश अधीनस्थों को दिए हैं।

सड़क किनारे लग रहे निर्माण सामग्री के ढेर

नैनीताल। नैनीताल व आसपास के क्षेत्र में सड़कों के किनारे निर्माण सामग्री पत्थर व रेता उतारकर ढेर लगाए जा रहे हैं जिससे सड़क किनारे फैल रही रेता दुर्घटना का कारण बन सकती है। बतादें कि बीते लंबे समय से नैनीताल हल्द्वानी सड़क में हनुमानगढ़ के समीप सड़क किनारे व आसपास के क्षेत्रों में ट्रकों से निर्माण सामग्री रेता बजरी जमा की जा रही है। वहीं स्थानीय ठेकेदार रोजाना सड़क किनारे भारी मात्रा में रेताए बजरी व पत्थर उतार रहे हैं। जहां से पिकअप में भरकर निर्माण सामग्री नगर में भेजी जा रही है। लेकिन सामग्री उतारने भरने के दौरान कई बार रेता सड़क में बिखर रही है। जिससे दो पहिंया वाहन चालकों के गिरने का खतरा बन रहा है। मामले में एनएच के सहायक अभियंता प्रमोद सुयाल ने बताया कि स्थनीय लोगों द्वारा सड़क किनारे उतारा गया रेता कई बार विभागीय जेसीबी से हटाया गया है। बताया कि सड़क पर निर्माण सामग्री उतारते पकड़े जाने पर कार्रवाई भी की जाएगी।

बदलते मौसम में बच्चों का रखें ध्यान

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नैनीताल के मौसम में बदलाव दिखने लगा है। बदलते मौसम में लोग बीमार भी पड़ने लगे हैं। बच्चों पर मौसम का ज्यादा प्रभाव दिख लगा है। बीडी पांडे अस्पताल में भी बदलते मौसम के चलते बीमार बच्चे आने लगे हैं। बीमार बच्चों को उपचार देने के साथ उनके परिजनों को बच्चों के विशेष ध्यान देने की राय भी दी जा रही है। बता दें कि इन दिनों नैनीताल के मौसम में बदलाव नजर आने लगा है। ठंड के बीच दिन में हल्की उमस महसूस हो रही है। ऐसे में लोगों के स्वस्थ्य प्रभावित होने की भी संभावना बनी हुई है। बीडी पांडे अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डा. रविंद्र सिंह मेर ने बताया कि बदलते मौसम में बच्चों के बीमार पड़ने की संभावना ज्यादा रहती है। बदलते मौसम में बच्चों को सर्दी, जुखाम तथा बुखार हो सकता है। उन्होनें बताया कि बदलते मौसम में माता पिता अपने बच्चों का विशेष ध्यान दें। बताया कि बच्चों को बीमारी से दूर रखने के लिए जंक फूड से दूर रखना भी जरूरी है। साथ ही बच्चों की साफ सफाई का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। बच्चे के बीमार पड़ने पर डाक्टरी सलाह जरूर लें।

जान जोखिम में डाल करना पड़ रहा सफर

कांडा के ग्रामीणों में शासन-प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के प्रति आक्रोश

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नैनीताल विधानसभा क्षेत्र के दूरस्थ ग्राम कांडा पहुंचे सूबे के पूर्व दर्जा राज्यमंत्री पीसी गोरखा ने ग्रामीणों से संवाद कर आंखों देखी व कानों सुनी बातों का मौके पर जाकर लिया जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सड़क पर गढ्ढों पर सड़क उबड़ खाबड़ हिलोरे खाती जान जोखिम में डालकर ग्रामीण यात्रा करने पर मजबूर हैं।

गोरखा ने इस दौरान कहा कि विकास तो निरंतर प्रकिया होती है किन्तु विधायक व सांसद को क्षेत्र की समस्याओं को देखने के लिए ग्रामीणों के बीच जाकर भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान से देखना व समझना बहुत ही जरूरी होता है परंतु वर्तमान समय में वास्तव में सब कुछ रामभरोसे ही चल रहा है कहा कि जब यह क्षेत्र मुक्तेश्वर

विधानसभा में था तब डौन परेवा से डोमास तक सड़क का निर्माण हुआ था उससे आगे पूर्व विधायक संजीव आर्य ने चार किमी सड़क का निर्माण फफड़िया तक करवाया गया था जो अब भी कच्चा मार्ग ही पिछले पाँच वर्षों में विकास अवरुद्ध हो गया है। ग्रामीण अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। कहा कि कांडा से खौला व्लाक मुखयालय को जोड़ने वाली सड़क पर भी कोई कार्यवाही नहीं हो पा रही है। पूर्व दर्जा धारी गोरखा ने कहा कई बार मुख्यमंत्री से राजमार्ग 71 भंडारपानी से अमगढ़ी बोहरा कोट गोरिया देव डौन परेवा ओखलाढूंगा तल्ली सेटी एकांडा फफड़िया से डोन परेवा तक मोटर मार्ग पर हॉटमिक्स की मांग की जा चुकी है।

कहा कि मार्ग निर्माण से यह क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से भी बहुत अच्छा मार्ग है विश्वप्रसिद्ध कैंची धाम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी बेहतर साबित होगा। परंतु बिना मांगे कुछ नहीं मिलता और हमें अपने अधिकारों के लिए लड़ना पड़ेगा जिसके संबंध में 17 फरवरी दिन मंगलवार को एक दिवस डोनपरेवा शिव मंदिर के पास धरना प्रदर्शन किया जायेगा। जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान घना नंद, राजेन्द्र सिंह विष्ट, प्रधान गोरिया देव मोहन सुयाल, काडा फफडिया भुवन चंद्र, इंदर सिंह बोहरा, शेर सिह चौधरी, पान सिंह चौधरी, गोपाल सिंह, गुसाई सिंह, जसवंत सिंह, कैलाश आर्या, संजय कुमार, पूर्व प्रधान टीकाराम, कुंदन राम, हेम चंद्र, महेंद्र प्रसाद, दीवान, टीका राम, पूर्व प्रधान पान सिंह चौधरी, बलम सिंह नेगी, राम सिंह नेगी, बचे सिंह नेगी, राम सिंह चौरसिया, गजेंद्र सिंह चौरसिया तथा गोपाल सिंह रावत मौजूद थे।

पेयजल और सड़क की मांग को लेकर क्रमिक अनशन जारी

श्रीनगर। विकासखंड कीर्तिनगर के अकरी-बारजुला पट्टी के गांव में पेयजल व सड़क निर्माण से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए पाव अकरी के ग्रामीणों का क्रमिक अनशन रविवार को छठवें दिन भी जारी रहा। छठवें दिन ग्राम प्रधान पैण्डूला कुलदीप सिंह मियां, आशाराम मंमगाई, बुद्धि सिंह गुसाई, वंणिका कुमाई, सरोजनी देवी कुमाई, बसंती देवी, होशियार सिंह गुसांई क्रमिक अनशन पर रहें। इस दौरान ग्रामीणों ने सरकार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए जोरदार नारेबाजी की। इस मौके पर ग्रामीणों ने न्यूली पेयजल योजना के पुनगर्ठन करने, अकरी-बारजुला पंपिंग योजना कि उच्च स्तरीय जांच किए जाने व कोराखाल तोक से मठुर गांव तक मोटरमार्ग का निर्माण कराएं जाने की मांग की।

उत्तराखण्ड बार काउंसिल के 23 सदस्यों के लिए कल होगा मतदान

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखण्ड बार काउंसिल के 23 सदस्यों के लिए 17 फरवरी मंगलवार को होने वाले चुनाव के लिये राज्य के सभी जिला एवं सिविल न्यायालयों की बार एसोसिएशनों को मतदान केन्द्र बनाया गया है। इस चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए शासन ने विभिन्न स्थानों पर तैनात एसडीएम और तहसीलदारों को मुखय मतदान अधिकारी के रूप में सेवाएँ देने की स्वीकृति प्रदान कर दी है।

बार काउंसिल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पूर्व न्यायाधीश रामऔतार सिंह की ओर से जारी सूचना के अनुसार मतदान प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए जिलाधिकारी अपने संबंधित जिलों के मतदान केन्द्रों पर मतदान अधिकारियों की नियुक्ति करेंगे। चुनाव से पूर्व मतदाता सूची और अन्य आवश्यक सामग्री जिला मुख्यालयों को भेज दी गई है।

उन्होंने बताया कि मतदान संपन्न होने के तुरंत बाद सभी सीलबंद मतपत्र और महत्वपूर्ण दस्तावेज विशेष वाहकों के माध्यम से नैनीताल कलब नैनीताल भेजे जाएंगे ताकि 20 फरवरी शुक्रवार से मतगणना का कार्य प्रारंभ किया जा सके। मतदान केन्द्रों की व्यवस्था को लेकर कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। प्रत्येक 200 अधिवक्ताओं के लिए एक पृथक मतदान केन्द्र और कम से कम एक चुनाव प्रकोष्ठ (वोटिंग कंपार्टमेंट) अनिवार्य होगा। मतदान की गोपनीयता बनाए रखने के लिए इन प्रकोष्ठों को तीन तरफ से पर्दों या चादरों से ढका जाएगा साथ ही मतदान केन्द्र के भीतर पर्याप्त रोशनी और लेखन कार्य के लिए उपयुक्त टेबल की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है।

अपराध व मौजमस्ती में छोटा सा फर्कः एडवोकेट ललित मिगलानी

एंटी रैगिंग जागरूकता अभियान व विधिक साक्षरता कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। पतंजलि भारतीय आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान के आयुर्वेद भवन में एंटी रैगिंग जागरूकता अभियान तथा 36वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत यातायात जागरूकता एवं विधिक साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में विधिक चेतना, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना रहा। यह आयोजन भारतीय जागरूकता समिति, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरिद्वार, यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सिमरन जीत कौर ने निःशुल्क विधिक सहायता, नागरिक अधिकारों

और प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की जानकारी देते हुए आवश्यकता पड़ने पर विधिक सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। टीएसआई मोहित सिंह राठौड़ एवं परिवहन कर अधिकारी रविन्द्र पाल सैनी ने यातायात नियमों के व्यवहारिक पक्ष, दंड प्रावधान, हेलमेट व सीट बेल्ट की अनिवार्यता, नशे में वाहन चलाने के दुष्परिणाम तथा ओवरस्पीडिंग से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम पर विस्तृत जानकारी दी। हाईकोर्ट के अधिवक्ता ललित मिगलानी ने एंटी रैगिंग के संदर्भ में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अपराध और मौजमस्ती में छोटा सा फर्क होता है, जब किसी की मज़ाक या मौजमस्ती उसके अधिकारों का हनन करने लगे, तो वह अपराध बन जाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार का मानसिक या शारीरिक उत्पीड़न दंडनीय अपराध है और रैगिंग मुक्त, सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण शैक्षणिक वातावरण बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने सड़क सुरक्षा नियमों के पालन और रैगिंग मुक्त परिसर बनाए रखने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर प्राचार्य डा. अनिल कुमार, उपप्राचार्य डा. गिरीश केजे, डा. एससी जोशी (चेयरमैन, एंटी रैगिंग सेल), डा. नरेन्द्र कुमार, डा. मनोज कुमार भाटी सहित शिक्षकगण, चिकित्सकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता लघु सिंचाई खण्ड अल्मोड़ा

पंत्राक 1268 / ल0सि0 / अल्प0निविदा / 2025–26 — दिनांक 10 / 02 / 2026

अल्पकालीन निविदा संख्या 05 / 2025–2026

उत्तराखण्ड के महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु मुहरबन्द निविदा वर्गीकृत श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 26–02–2026 के अपरान्ह 2.00 बजें तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन सॉय 2.30 बजें जिला पंचायत परिसर अल्मोडा, स्थित अधिशासी अभियन्ता अभियन्ता लघु सिंचाई खण्ड अल्मोडा के कार्यालय में निविदा समिति द्वारा उपस्थित ठेकेदारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के सम्मुख खोली जायेगी। निविदा सम्बन्धी विवरण किसी भी कार्यदिवस में प्रातः 11:00 बजें से सायं 4:00 बजे तक इस कार्यालय में देखे जा सकते हैं। वर्गीकृत श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा पंजीकरण के प्रमाण पत्रों की सत्य प्रतिलिपि के साथ निविदा प्रपत्र निविदा प्रकाशन की तिथि से दिनांक 25–02–2026 के सांय 4:00 बजे तक कार्यालय अधिशासी अभियन्ता अभियन्ता लघु सिंचाई खण्ड अल्मोडा से प्राप्त किये जा सकते हैं। किसी निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित होगा।

क्र0स0	कार्य का विवरण	विकासखण्ड	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0)	दरों की वैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधिं	श्रेणी
1	आर0सी0सी0चैकडैम निर्माण रीखे देवी मंदिर	हवालबाग	7200000	2000+G.S.T	45 दिन	180 दिन	डी0 एवं उच्चतर
2	आर0सी0सी0चैकडैम निर्माण सीलानी	हवालबाग	72300.00	2000+G.S.T	45 दिन	180 दिन	डी0 एवं उच्चतर
3	आर0सी0सी0चैकडैम निर्माण गल्लीबस्यूडा	हवालबाग	55300.00	1500+G.S.T	45 दिन	180 दिन	ई0 एवं उच्चतर
4	आर0सी0सी0चैकडैम निर्माण अलवापुल (रनखीला)	हवालबाग	53100.00	1500+G.S.T	45 दिन	180 दिन	ई0 एवं उच्चतर
5	आर0सी0सी0चैकडैम निर्माण तोक ऊणी	ताडीखेत	68700.00	2000+G.S.T	45 दिन	180 दिन	डी0 एवं उच्चतर
6	आर0सी0सी0चैकडैम निर्माण सुनियाकोट पोपडियॉ	ताडीखेत	52500.00	1500+G.S.T	45 दिन	180 दिन	ई0 एवं उच्चतर
7	आर0सी0सी0चैकडैम निर्माण तिपोला	ताडीखेत	67500.00	2000+G.S.T	45 दिन	180 दिन	डी0 एवं उच्चतर
8	आर0सी0सी0चैकडैम निर्माण जनेगाड	धौलादेवी	65000.00	2000+G.S.T	45 दिन	180 दिन	डी0 एवं उच्चतर
9	आर0सी0सी0चैकडैम निर्माण भटुवाबगड	धौलादेवी	62300.00	2000+G.S.T	45 दिन	180 दिन	डी0 एवं उच्चतर
10	आर0सी0सी0चैकडैम निर्माण नौराड तोक	धौलादेवी	62600.00	2000+G.S.T	45 दिन	180 दिन	डी0 एवं उच्चतर
11	आर0सी0सी0चैकडैम निर्माण बगडीगाड	धौलादेवी	62500.00	2000+G.S.T	45 दिन	180 दिन	डी0 एवं उच्चतर
12	आर0सी0सी0चैकडैम निर्माण मलियागाड	धौलादेवी	72100.00	2000+G.S.T	45 दिन	180 दिन	डी0 एवं उच्चतर
13	आर0सी0सी0चैकडैम निर्माण सिवाडी	लमगड़ा	39300.00	1500+G.S.T	45 दिन	180 दिन	ई0 एवं उच्चतर

नोट :– 1– ठेकेदार द्वारा कार्य की धरोहर राशि (तीन प्रतिशत) राष्ट्रीय बचत पत्र, किसान विकास प्रपत्र, डाकघर सावधि जमा पासबुक तथा किसी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत एफ0डी0आर0 जो अधिशासी अभियन्ता लघु सिंचाई खण्ड अल्मोड़ा के नाम से बन्धक हो, निविदा प्रपत्र कय करने से समय प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निविदा सम्बन्धी अन्य शर्ते किसी भी कार्यदिवस पर कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखे जा सकते हैं।

अधिशासी अभियन्ता
लघु सिंचाई खण्ड अल्मोडा।

खेल समाचार

लोकेश सत्यनाथन ने 8 मीटर इनडोर लॉन्ग जंप का ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया

फेएटविले। भारत के लोक.श सत्यनाथन शनिवार को अर्कांसस में टायसन इनविटेशनल 2026 में 8-01मी की ऐतिहा.सिक छलांग लगाकर इनडोर लॉन्ग जंप में आठ मीटर का आंकड़ा पार करने वाले पहले भारतीय बन गए।ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार, रैंडल टायसन इनडोर सेंटर में टैरलटन स्टेट के लिए मुकाबला करते हुए, 26 साल के लोकेश 16 एथलीटों के बीच आठवें स्थान पर रहे और एक नया भारतीय इनडोर नेशनल रिकॉर्ड बनाया, जिससे 2023 से जेसविन एल्ड्रिन के 7-97मी के पिछले रिकॉर्ड में सुधार हुआ। यह रिकॉर्ड एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा मंजूरी पर निर्भर है।यह इवेंट अमेरिकी हर्डलर कॉर्डेल टिच ने 8-29मी की छलांग के साथ जीता, जबकि जमैका के वर्ल्ड चैंपियन ताजय गेल 8-13मी के साथ चौथे स्थान पर रहे। दक्षिण अफ्रीका के ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट लुवो मन्योंगा 8-11मी के साथ छठे स्थान पर रहे।सत्यनाथन ने कॉम्पिटिशन के दौरान लगातार 7-69मी, फाउल, 7-94मी, 7-99मी, 8-01मी और 7-96मी की जंप लगाईं। उनकी रिकॉर्ड तोड़ने वाली कोशिश उनके करियर की दूसरी सबसे अच्छी जंप भी थी, जो 2023 में कैलिफोर्निया में एक आउटडोर मीट में हासिल की गई उनकी पर्सनल बेस्ट 8-02मी से पीछे है।टायसन इनविटेशनल, जो वर्ल्ड एथलेटिक्स इंडोर टूर सिल्वर कैलेंडर का हिस्सा है, में कई टॉप इंटरनेशनल एथलीट शामिल थे। इस सीजन की शुरुआत में, सत्यनाथन टेक्सास में 7-80मी की कोशिश के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे और ओक्लाहोमा में 7-83मी की जंप के साथ एक मीट जीती थी, जिससे इनडोर कैंपेन में उनके अच्छे फॉर्म का पता चलता है।

सुपर आठ में जगह बनाने के लिए उतरेगा श्रीलंका

टी-20 वर्ल्ड कप : ऑस्ट्रेलिया बाहर होने की कगार पर, दोनों टीमें आज भिड़ेंगी हाईटेक मुकाबले में

ऑस्ट्रेलिया के लिए, इक्वेशन आसान है, जीतो या बाहर होने का रिस्क लो, जिम्बाब्वे से मिली चौंकाने वाली हार

पल्लेकेले। ऑस्ट्रेलिया बाहर होने के कगार पर है, जबकि श्रीलंका को सुपर 8 में जगह बनाने का मौका दिख रहा है, जब दोनों टीमें सोमवार शाम को पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप बी के हाई-स्टेक मुकाबले में भिड़ेंगी।

ऑस्ट्रेलिया के लिए, इक्वेशन आसान है - जीतो या जल्दी बाहर होने का रिस्क लो। जिम्बाब्वे से मिली चौंकाने वाली हार ने ट्रैविस हेड की टीम के लिए गलती करने की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी है। एक टीम जो टूर्नामेंट में फेवरेट के तौर पर उतरी थी, अचानक खुद को बचाने के लिए जूझते हुए पाती है, उसकी धमाकेदार बैटिंग लाइन-अप जांच के दायरे में है और उसकी बॉलिंग यूनिट बेहतर परफॉर्मेंस की तलाश में है।

हेड, जिन्होंने अभी तक इस कॉम्पिटिशन में कोई खास पारी नहीं खेली है, उनसे आगे बढ़कर लीड करने की उम्मीद की जाएगी। टॉप पर जोश इंगलिस और बीच में ग्लेन मैक्सवेल, टिम डेविड और कैमरन ग्रीन की फायरपावर के साथ, ऑस्ट्रेलिया के पास गेम को तेजी से पलटने की ताकत है। लेकिन पिछले मैच में चेज को कंट्रोल न कर पाने की उनकी नाकामी ने प्रेशर में उनके टेम्परमेंट पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके उलट, श्रीलंका मोमेंटम और क्लैरिटी के साथ आई है। लगातार दो बड़ी जीतों ने दासुन शनाका की टीम को ग्रुप में टॉप पर पहुंचा दिया है। एक और जीत सुपर 8 में उनकी जगह पक्की कर देगी, ऐसा कुछ ही लोगों ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले सोचा था। अपने घर पर खेलते हुए, उन्होंने डिसिप्लिन और स्टाइल को मिलाया है - उनका टॉप ऑर्डर मजबूत प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है और उनके बॉलर जरूरी मौकों पर स्ट्राइक कर रहे हैं। कुसल मेंडिस ने बैटिंग को अथॉरिटी के साथ संभाला है, जबकि पथुम निसंका की टॉप पर कंसिस्टेंसी स्टेबिलिटी देती है। बॉलिंग डिपार्टमेंट में, बीच के ओवरों में महेश थीक्षाना का कंट्रोल उस सरफेस पर डिफेंसिव साबित हो सकता है जिससे स्पिनरों को मदद मिलने की उम्मीद है।

यह जगह एक और इंटरेस्टिंग लेयर जोड़ती है। पल्लेकेले का फ्लैट ट्रैक और तेज आउटफील्ड रन बनाने का वादा करता है, फिर भी बड़ी बाउंड्री और स्पिनरों के लिए पोटेंशियल ग्रिप के लिए टैक्टिकल प्रिसिजन की जरूरत होती है। चेज करने वाली टीमों को यहां हाल ही में सफलता मिली है, टॉस स्ट्रैटेजी पर असर डाल सकता है, लेकिन प्रेशर में एग्जिक्यूशन ही आखिर में रिजल्ट तय करेगा। पहले से, ऑस्ट्रेलिया इस मुकाबले में हावी रहा है, पिछले 14 मुक.ाबलों में से 12 में जीत हासिल की है। फिर भी उस दौर में दोनों हार श्रीलंका की जमीन पर मिलीं - यह याद दिलाता है कि घरेलू फायदा सबसे खराब रिकॉर्ड को भी बदल सकता है।

जैसे-जैसे ग्रुप स्टेज कड़ा होता जा रहा है, दांव शायद ही इससे ज्यादा हो सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए, यह वापसी और बचे रहने के बारे में है। श्रीलंका के लिए, यह मोमेंटम हासिल करने और अधिकार के साथ अगले राउंड में आगे बढ़ने के बारे में है। पल्लेकेले में रोशनी में, एक टीम अपने वर्ल्ड कप के लक्ष्यों के करीब पहुंचेगी - दूसरी को अचानक बाहर होने का सामना करना पड़ सकता है।

नेपाल को रौंदा, इंडीज ने लगाई जीत की हैट्रिक

मुम्बई। जेसन होल्डर (चार विकेट) के बाद कप्तान शाई होप (नाबाद 61) और शिमरॉन हेटमायर (नाबाद 46) की बल्लेबाजी प्रदर्शन की बदौलत वेस्टइंडीज ने रविवार को टी-20 विश्वकप के 25वें मुकाबले में नेपाल को 28 गेंदें शेष रहते नौ विकेट विकेट से शिकस्त दी और अपनी जीत की हैट्रिक पूरी की।

इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने सुपर आठ के लिए अपनी दावेदारी पक्की कर ली है। 134 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज के लिए ब्रैंडन किग और शाई होप की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 43 रन जोड़े। छठे ओवर में नंदन यादव ने ब्रैंडन किग को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए शिमरॉन हेटमायर ने शाई होप के साथ दूसरे विकेट के लिए अविजित 91 रनों की साझेदारी कर अपनी टीम को 15-2 ओवर में नौ विकेट से जीत दिला दी। शाई होप ने 44 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए नाबाद 61 रनों की पारी खेली। वहीं शिमरॉन हेटमायर ने 32 गेंदों में चार चौके और दो छक्कों की मदद से नाबाद 46 रन बनाए।आज यहां वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी नेपाल के बल्लेबाज वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण के आगे खुलकर नहीं खेल सके और टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 133 रन का स्कोर बनाया।

यूएई को चाहिए मजबूती, अफगानिस्तान को पहली जीत

नई दिल्ली। वैश्विक टूर्नामेंट के दो मुकाबलों में लगातार मिली हार के बाद अफगानिस्तान टूर्नामेंट में पहली जीत की तलाश में उतरेगा। वहीं कनाडा पर जीत से उत्साहित संयुक्त अरब अमीरात द्धयूएईऋ यह मुकाबला जीतकर अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगा।

सोमवार को अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाले इस मुक.ाबले में अफगानिस्तान और यूएई ग्रुप डी में ऐसे समय भिड़ने जा रहे हैं, जब हर नतीजा अधिक महत्वपूर्ण है। अफगानिस्तान जहां अभी भी अपनी पहली जीत की तलाश में है। न्यूजीलैंड से हारने के बाद और फिर दो सुपर ओवर के बाद तय हुए मैच में दक्षिण अफ्रीका से बुरी तरह हारने के बाद, जिससे वे अंक तालिका में चौथे स्थान पर आ गए हैं। इस बीच, यूएई ने न्यूजीलैंड से मिली भारी हार से उबरते हुए एक करीबी मुकाबले में कनाडा को हराया, जिससे इस मैच से पहले उन्हें सही समय पर हौसला मिला है।टूर्नामेंट में अफगानिस्तान का अभियान निराशा और उम्मीद के बीच झूल रहा है। वे अपने शुरुआती गेम में न्यूजीलैंड के कंट्रोल का मुकाबला नहीं कर पाए, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने अपनी लड़ने की काबिलियत दिखाई, मुकाबले को और आगे बढ़ाया, लेकिन वह मुकाबला नाटकीय अंदाज में हार गए।

अब उसके सामने चुनौती मुकाबले का नतीजों में बदलने की है, जिसमें अहम मौकों पर बेहतर प्रदर्शन से यह तय होगा कि वे अपनी क्वालिफिकेशन की उम्मीदों को जिंदा रख सकते हैं या नहीं। वहीं इसके उलट, यूएई पहले ही टूर्नामेंट में क्रिकेट के दोनों मुश्किल हालात का अनुभव कर चुका है।

न्यूजीलैंड के हाथों 10 विकेट से हारने के बाद, उन्होंने कनाडा के खिलाफ एक करीबी जीत हासिल करने के लिए अच्छी तरह से वापसी की, जिसमें उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से ज्यादा संयम दिखाया। इस नतीजे से उन्हें ग्रुप में जगह मिली है और वे इस मुकाबले को अपनी जगह मजबूत करने के एक और अवसर के तौर पर देखेंगे।

अफगानिस्तान संभावित एकादश:- रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेट कीपरऋ, इब्राहिम जदरान, गुलबदीन नैब, सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान (कप्तान), मुजीब उर रहमान, नूर अहमद और फजलहक फारूकी।

यूएई संभावित एकादश:- आर्यांश शर्मा (विकेट कीपर), मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, मयंक कुमार, सोहेब खान, हर्षित कौशिक, मुहम्मद अरफान, मुहम्मद फारूक, हैदर अली, जुनैद सिद्दीकी और मुहम्मद जवादुल्लाह।

भारतीय महिला टीम ने डीएलएस पद्धति से ऑस्ट्रेलिया को 21 रनों से हराया

सिडनी। अरुंधति रेड्डी (चार विकेट), रेणुका सिंह और श्री चरणी (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने रविवार को टी-20 सीरीज के वर्षा प्रभावित पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को डकवर्थ लुईस पद्धति (डीएलएस) से 21 रनों से हराया। अरुंधति रेड्डी को 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया।

134 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिए स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिय 33 रन जोड़े। पांचवें ओवर में सोफी मोलिन्यू ने शेफाली वर्मा को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। शेफाली वर्मा ने दो छक्के और एक चौका लगाते हुए 22 रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आई जेमिमा रॉड्रिग्स द्धनाबाद नौऋ क्रीज पर मौजूद थी। इसके बाद बारिश के कारण पुन: खेल नहीं शुरु हो पाया और भारतीय महिला टीम को डीएलएस पद्धति से 21 रनों विजई घोषित किया गया।इससे पहले आज यहां भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया को रेणुका सिंह और क्रांति गौड़ ने शुरुआती झटके दिए। बेथ मूनी द्धपांचऋ को रेणुका और जॉर्जिया वॉल द्ध18ऋ को क्रांति गौड ने अपना शिकार बनाया। इसके बाद फीबी लिचफील्ड और एलिस पेरी की जोड़ी ने पारी को संभालने का प्रयास किया और तीसरे विकेट के लिए 41 रन जोड़े। आठवें ओवर में अरुंधति रेड्डी ने एलिस पेरी को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। पेरी ने 11 गेंदों में चार चौके लगाते हुए 20 रन बनाए। अगले ओवर में दीप्ति शर्मा ने एश्लेगार्डनर (चार) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। 10वें ओवर की पहली गेंद पर अरुंधति ने फीबी लिचफील्ड को आउट कर भारत को पांचवीं सफलता दिलाई। फीबी लिचफील्ड ने 19 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए 26 रन बनाए। 14वें ओवर में अरुंधति ने जॉर्जिया वेयरहम को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को छठा झटका दिया। जॉर्जिया वेयरहम ने 19 गेंदों में चार चौके लगाते हुए 30 रनों की पारी खेली। इसके बाद भारतीय आक्रमण के आगे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके और उनकी टीम 18 ओवर में 133 रन पर सिमट गई।

भारत ए महिला टीम ने पाकिस्तान को आठ विकेट से हराया

बैंकॉक। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद दिनेश वृंदा द्धनाबाद 55ऋ की अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ए महिला टीम ने रविवार को महिला एशिया कप 2026 राइजिग स्टार्स के छठे मुकाबले में पाकिस्तान को 59 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से रौंद दिया।

आज यहां पाकिस्तान ए महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक सामना नहीं कर सकी और 18-5 ओवर में 93 रन के स्कोर पर सिमट गई। शवाल जुल्फिकार (23), गुल रुख (21) और अनीशा नासिर 17 रन बनाकर आउट हुईं। शेष आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सकीं।भारत ए महिला टीम के लिए साइमा ठाकोर, राधा यादव और प्रेमा रावत ने दो-दो विकेट लिए। जितिमनी कलिता, मिन्नू मनी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसे पहले ही ओवर में हुमैरा काजी द्धशून्यऋ के रूप में पहली ही गेंद पर झटका लगा। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आई अनुष्का शर्मा ने दिनेश वृंदा साथ पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 79 रन जोड़े। नौवें ओवर में मोमिना रियासत ने अनुष्का शर्मा (24) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। भारत ए महिला टीम ने 10-1 ओवर में दो विकेट पर 97 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से अपने नाम किया। दिनेश वृंदा ने 29 गेंदों में 12 चौके लगाते हुए नाबाद 55 रनों की पारी खेली। तेजल हसबनीस 12 रन बनाकर नाबाद रही।पाकिस्तान के लिए वाहिदा अख्तर और मोमिना रियासत ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पहले राउंड में भारतीय टीन एजर धामने का सामना आठवीं सीड रियो नागची से

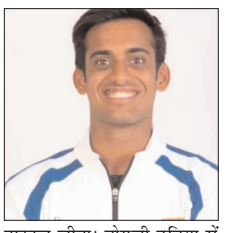

नई दिल्ली। भारतीय टीनएजर मानस धामने एटीपी दिल्ली ओपन 2026 सिंगल्स इवेंट के पहले राउंड में जापान के आठवीं सीड रियो नोगुची से भिड़ेंगे, जबकि डबल्स ड्रॉ में टॉप सीड सिद्धांत बॉथिया द्धभारतऋ और अलेक्जेंडर डोंस्की (बुल्गारिया), और दूसरी सीड निकी कलियंडा पूनाचा (भारत) और पूच्या इसारो हेडलाइन करेंगे।

एटीपी चैलेंजर 75 इवेंट, जो अपने छठे एडिशन के लिए डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में वापस आ रहा है, 16 से 22 फरवरी तक होगा, जिसमें 32 सिंगल्स खिलाड़ी और 16 डबल्स टीमें टाइटल के लिए मुकाबला करेंगी। भारतीय पुरुष टेनिस के सबसे होनहार युवा खिलाड़ियों में से एक, धामने जनवरी में पहली बार एटीपी रैंकिंग में टॉप 500 में पहुंचे और इस महीने की शुरुआत में अपना तीसरा आईटीएफ सिंगल्स टाइटल जीता। नोगुची दुनिया में 246वें नंबर पर हैं और एटीपी चैलेंजर टूर पर दो बार के सिंगल्स चैंपियन हैं। भारत के नंबर 1 सुमित नागल, जो पिछले वीकेंड बेंगलुरु में नीदरलैंड्स पर भारत की डेविस कप जीत का हिस्सा थे, स्पेन के डेविड जोर्डा सांचिस के खिलाफ ओपनिंग करेंगे। दूसरी तरफ, करण सिंह पोलैंड के सातवें सीड डेनियल मिचल्स्की से भिड़ेंगे, जबकि दिग्विजय सिंह का सामना पेट्र बार बिरयुकोव से होगा। सिंगल्स ड्रॉ में ऑस्ट्रेलिया के टॉप सीड डेन स्वीनी द्धरैंक 138ऋ और जापान के दूसरे सीड रेई सकामोटो द्धरैंक 174ऋ लीड कर रहे हैं।इस बीच, डेविस कप खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन समेत नौ भारतीय, शनिवार से शुरू होने वाले 24 खिलाड़ियों के सिंगल्स क्वालिफाइंग ड्रॉ में हिस्सा लेंगे। क्वालिफाइंग ड्रॉ को डेनिस एवसेएव द्धरैंक नंबर 362ऋ लीड कर रहे हैं और इसमें कोरिया के पूर्व ऑस्ट्रेलियन ओपन सेमीफाइनलिस्ट हियोन चुंग भी शामिल हैं। पहले राउंड के सभी सिंगल्स क्वालिफाइंग मैच रविवार को खेले जाएंगे, और मेन ड्रॉ मैच सोमवार द्ध16 फरवरीऋ से शुरू होंगे।डबल्स ड्रॉ में, बॉथिया/डोंस्की अपने कैंपेन की शुरुआत फिलीपींस के फॉंसिस केसी अलकंटारा और जिम्बाब्वे के कोर्टनी लॉक के खिलाफ करेंगे। पूनाचा/इसारोद्ध जिन्होंने शनिवार को चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर डबल्स टाइटल जीता था।

मुचोवा ने जीता पहला खिताबी मैच

दोहा। चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा 2019 के बाद पहली बार, डब्ल्यूटीए टूर पर चैंपियन बनी हैं। उन्होंने विक्टोरिया म्बोको को शनिवार को दोहा में 1 घंटे 34 मिनट में 6-4, 7-5 से हराकर कतर टोटलएनर्जीज ओपन जीता। इस जीत से मुचोवा को अपने करियर का दूसरा और डब्ल्यूटीए 1000 लेवल पर पहला टाइटल मिला।

ट्रॉफी प्रेजेंटेशन के दौरान मुचोवा ने कहा कि मुझे कोई टूर्नामेंट जीते हुए काफी समय हो गया है। इसलिए उस फीलिंग को फिर से पाना अच्छा है। दोहा में उस जीत की फीलिंग की याद दिलाना, यह अविश्वसनीय है।ष्29 साल की इस खिलाड़ी के लिए यह कई मायनों में बहुत लंबे समय से आ रहा था। मुचोवा का पहला करियर टाइटल 2019 में सोल में आया था। सिर्फ दो एक्टिव खिलाड़ियों ने अपने पहले और दूसरे टाइटल के बीच ज्यादा इंतजार किया है। सोरानासिर्स्टिया (13 साल) और विक्टोरिजा गोलुबिक द्धआठऋ। उस समय में, मुचोवा चार फाइनल हारी, सभी इगा स्वियाटेक, कोको गॉफ और झेंग किनवेन जैसे एलीट कॉम्पिटिशन से। 2009 में इस फॉर्मेट के शुरू होने के बाद से, सिर्फ तीन खिलाड़ियों ने मुचोवा (57) से ज्यादा डब्ल्यूटीए 1000 मैच जीते हैं। पहले छह गेम तक दोनों बराबरी पर रहे, इससे पहले कि मुचोवा ने 4-3 से ब्रेक लिया। मजबूत होने के बाद, उन्होंने म्बोको की सर्व पर एक सेट पॉइंट हासिल किया, लेकिन कनाडाई खिलाड़ी ने कोशिश को नाकाम कर दिया। यह राहत ज्यादा देर तक नहीं रही, क्योंकि मुचोवा ने अगले गेम में सेट पूरा कर लिया।मुचोवा ने फिर से दूसरा सेट शुरू करने के लिए जोरदार शुरुआत की, 2-2 की बराबरी पर तीन ब्रेक पॉइंट हासिल किए। म्बोको ने बैकहैंड विनर, एक स्मैश और एक ऐस के साथ उन्हें जोरदार तरीके से मिटा दिया। कुछ पॉइंट बादद्ध उन्होंने मैच का अपना चौथा ऐस लगाकर स्कोर 3-2 कर दिया।वह लगातार आगे बढ़ती रहीं, मुचोवा को ब्रेक करके 4-2 की बढ़त बना ली, यह मैच का उनका पहला ब्रेक था, लेकिन यह मोमेंटम ज्यादा देर तक नहीं रहा। मुचोवा ने तुरंत ब्रेक किया और 4-4 से बराबरी पर रहते हुए वह पल तय किया जिसने मैच का फैसला कर दिया: 6-5 का ब्रेक जिससे उन्हें टाइटल के लिए सर्व करने का मौका मिला और उन्होंने काम पूरा कर दिया।

शेल्टन सेमीफाइनल में, शापोवालोव को हराया

डलास। बेन शेल्टन शनिवार को नेक्सो डलास ओपन में अपने साथी लेफ्टी डेनिस शापोवालोव के बड़े टेस्ट से बच निकले, जहां उन्होंने आखिरी सेट के टाई-ब्रेक में जीत हासिल करके फाइनल में जगह बनाई।

दूसरे सीड वाले खिलाड़ी ने डिफेंडिंग चैंपियन को 4-6, 6-4, 7-6 (4) से हराया। दूसरे सीड वाले शेल्टन ने पूरे मुकाबले में दबाव में शानदार हिम्मत दिखाई। उन्होंने 11 में से 10 ब्रेक पॉइंट बचाए, जिसमें दूसरे सेट में 2-2 पर क्लच वॉली से एक जरूरी सेव और तीसरे सेट में 5-5 पर एक और सेव शामिल है। इस जीत के साथ, उन्होंने जोड़ी की हेड2हेड सीरीज में 4-0 की बढ़त बना ली।फाइनल में शेल्टन का मुकाबला टॉप सीड टेलर फ्रिट्ज से होगा। 2018 के बाद से यह टूर्नामेंट में टॉप दो सीड के बीच पहला फाइनल होगा, जब टॉप सीड केविन एंडरसन ने न्यूयॉर्क में दूसरे सीड सैम क्वेरी को हराया था, जहां पहले यह टूर्नामेंट हुआ था। फ्रिट्ज ने शनिवार को सेमीफाइनल में फिर से वापसी कर रहे मारिन सिलिच का सिलसिला रोक दिया। थोड़े अंतर से तय हुए मैच में, टॉप सीड ने अपना धैर्य बनाए रखा और क्रोएशियाई खिलाड़ी को दो घंटे, दो मिनट के रोमांचक मुकाबले में 7-6(5), 7-6(3) से हराया, और 37 साल के खिलाड़ी को 22 एस से हराया।

फ्रिट्ज ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, ष्बस बहुत शांत सर्विंग। मुझे लगता है कि जब मैं शांत और रिलैक्स महसूस करता हूं, तो यही सबसे बड़ी बात है, मैं अच्छी सर्व करता हूं।दोनों खिलाड़ियों ने बिना ब्रेक वाले मैच में बड़ी डिलीवरी से दबदबा बनाया। फ्रिट्ज को ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा और उन्होंने सिलिच के 16 के मुकाबले 22 एस मारे, जिसमें पहले सेट के टाई-ब्रेक में चार शामिल थे। हालांकि वह अपने पांच ब्रेक-पॉइंट मौकों में से किसी को भी भुना नहीं पाए, लेकिन सर्व पर फ्रिट्ज के शांत स्वभाव नेफर्क पैदा किया, उन्होंने अपने पहले सर्व पॉइंट्स का 86 प्रतिशत (48/56) जीता । फ्रिट्ज ने जोड़ी की हेड2हेड सीरीज में 3-1 की बढ़त बना ली और 2024 में यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचने पर घरेलू मैदान पर पहले फाइनल में पहुंच गए।

हर तबके का ध्यान रखकर तैयार किया बजट : बंसल

❖राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने केंद्रीय बजट की खूबियों को लेकर रुड़की में पत्रकारों को किया सम्बोधित

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। हाल ही में जारी हुए बजट को लेकर राज्य सभा सांसद नरेश बंसल ने प्रेस के दौरान पत्रकारों से बजट की उपलिब्धियों ब्यान करते हुए कहा कि प्रस्तुत केंद्रीय बजट देश की आर्थिक मजबूती, युवाओं के रोजगार, किसानों की आय वृद्धि और महिलाओं के सशक्तिकरण को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और मजबूत करने वाला है तथा इसमें आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और डिजिटल विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने मीडिया से आग्रह किया कि वे बजट की सकारात्मक जानकारियों को जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग करें।

विधायक प्रदीप बत्रा ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह बजट मध्यम वर्ग, व्यापारियों एवं आम नागरिकों के लिए राहत देने वाला साबित होगा। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों का सीधा लाभ उत्तराखंड सहित पूरे देश को मिलेगा। उन्होंने कहा कि बजट में स्थानीय विकास, सड़क, परिवहन और शहरी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉक्टर मधु सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने की सोच को दर्शाता है। उन्होंने इसे "विकास, विश्वास और अवसर" का बजट बताते हुए कहा कि इससे देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी और गरीब, किसान, युवा तथा महिलाओं के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आएगा।

वहीं इस अवसर पर राज्य मंत्री शोभाराम प्रजापति, जिला महामंत्री सागर गोयल, अक्षय प्रताप सिंह, कार्यक्रम संयोजक जिलाउपाध्यक्ष भीम सिंह, सहसंयोजक युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष गौरव कौशिक, जिला उपाध्यक्ष संजीव तोमर,जिला मंत्री सतीश सैनी, मंडलअध्यक्ष सुमित अग्रवाल, डॉ अमन गुप्ता, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष रोमा सैनी, प्रमोद चौधरी, कार्यालय प्रभारी कदम सिंह आदि भी उपस्थित रहे।

मुंबई पुलिस ने अपहृत युवती लक्सर से की बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। मुंबई रेलवे पुलिस ने वर्ष 2019 के अपहरण के एक मामले में फरार चल रही एक युवती को लक्सर क्षेत्र से बरामद करने में सफलता हासिल की है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक आरोपी युवक को भी हिरासत में लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, डोबिवली रेलवे पुलिस थाना, मुंबई की टीम अपहरण के मामले में वांछित युवती अंजली तिरुपति शिंदे उर्फ शबनम जहान (22 वर्ष) की तलाश में लक्सर पहुंची थी। मुंबई पुलिस ने लक्सर कोतवाली पुलिस के सहयोग से ग्राम खड़ंजा कुतुबपुर में दबिश दी, जहाँ से युवती को बरामद कर लिया गया। साथ ही, मौके से शाबिर पुत्र मुकर्रम निवासी खड़ंजा कुतुबपुर को भी हिरासत में ले लिया गया।

आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद पुलिस टीम युवती और आरोपी को अपने साथ महाराष्ट्र लेकर रवाना हो गई। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक बी.के. होटकर, हेड कांस्टेबल एस.सी. पाटील, हेड कांस्टेबल ए.आर. शेलके तथा महिला हेड कांस्टेबल एम.डी. कांबले शामिल रहे।

नशे की लत ने पहुंचाया सलाखों के पीछे

पुलिस ने माल सहित शातिर चोर दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली गंगनहर पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने दिनदहाड़े घर में घुसकर जेवरात चोरी करने वाले एक अभियुक्त को चोरी के माल समेत गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी ने अपने नशे के शौक को पूरा करने के लिए इस वारदात को अंजाम दिया था। बीती 7 फरवरी 2026 को सिंचाई विभाग कॉलोनी निवासी डोडी चौहान ने पुलिस को तहरीर दी थी कि 6 फरवरी को सुबह करीब 11 बजे किसी अज्ञात चोर ने उनके घर की अलमारी से सोने और चांदी के जेवरात साफ कर दिए हैं। पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी हरिद्वार के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक गंगनहर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल और उसके आसपास के दर्जनों सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। मैनुअल पुलिसिंग और सर्विलांस की मदद से आखिरकार पुलिस आरोपी तक पहुँचने में सफल रही। 14 फरवरी को सूचना पर पुलिस टीम ने अभियुक्त शुभम निवासी मिलाप नगर को उसके घर से ही गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से चोरी किए गए जेवरात बरामद कर लिए गए हैं। जिनमें एक सोने का मांग टीका, एक बच्चे की सोने की चौन, एक महिला की सोने की चौन, एक सोने का पैंडल, एक सोने की नथ शामिल है। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक मनीभूषण श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपनिरीक्षक दीप कुमार, उपनिरीक्षक राजीव उनियाल, सीआईयू प्रभारी संजय पुनिया शामिल रहे।

एनसीसी प्रमाण पत्र को लेकर परीक्षा का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। आई0आई0टी0 परिसर स्थित गार्गी भवन में एनसीसी के वरिष्ठ स्कन्ध कैडेट्स हेतु सी प्रमाण पत्र लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। एनसीसी विभाग के प्रशिक्षण अधीक्षक रवि कपूर द्वारा बताया गया कि परीक्षा केंद्र पर लगभग 731 एनसीसी कैडेट्स ने लिखित परीक्षा में प्रतिभाग किया । परीक्षा का आयोजन कर्नल वीरेंद्र नेगी एवं ले कर्नल वीरेंद्र चौहान के निर्देशन में सफलतापूर्वक किया गया।

जानकारी के अनुसार लिखित परीक्षा में कैडेट्स से तीन वर्ष में उनके द्वारा पढ़े गए पाठ्यक्रम में से ड्रिल, मैप रीडिंग, वेपन ट्रेनिंग, फील्ड क्राफ्ट- बैटल क्राफ्ट व करेंट अफेयर्स आदि विषय से संबंधित प्रश्न पूछे गए। आज परीक्षा का निरीक्षण एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, रुड़की के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर प्रभात भंडारी द्वारा किया गया व अपने संबोधन में कैडेट्स को बताया कि सी प्रमाण पत्र एक ऐसा जरिया है जिसके द्वारा बिना लिखित परीक्षा दिए कैडेट्स एसएसबी परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं व भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट का पद प्राप्त कर देश सेवा कर सकते हैं । आने वाले अक्टूबर माह में एसएसबी परीक्षा की तिथियां निधारित की गई है व कैडेट्स को मार्च में सी प्रमाण पत्र वित्त कर दिए जाएंगे जो उनके भविष्य के लिए बहुत लाभकारी होगा। परीक्षा के सफल आयोजन में ले (डॉ) इंदरदीप सिंह, ले (डॉ) अपर्णा शर्मा, लेफ्टिनेंट एसएस नपलच्याल, ले मुकेश कुमार, सूबेदार सुभाष चंद्रा, सूबेदार सुनील सिंह, सूबेदार राजेश कुमार, बीएचएम केशवानंद, सीएचम कुलविंदर सिंह, हवलदार दीपक, हवलदार सुरजीत सिंह, वरिष्ठ सहायक कामनी मोहन नौटियाल, डीईओ सन्दीप बुड़ाकोटी, सेवानिवृत्ति हवलदार धर्म सिंह आदि परीक्षा कराने हेतु मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पिरान कलियर में मानवता की मिसाल : सड़क किनारे

बेसुध पड़ी असहाय वृद्धा को पहुंचाया अस्पताल

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। कलियर पुलिस ने इंसानियत और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए एक असहाय वृद्ध महिला को अस्पताल हॉस्पिटल पहुंचा। इमलीखेड़ा और बेडपुर के बीच सड़क किनारे गन्ने के खेत में एक मानसिक रूप से अस्वस्थ वृद्ध महिला के पड़े होने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई थी।

जानकारी के अनुसार सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार अपनी टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचकर देखा गया कि वृद्ध महिला अर्धनग्न अवस्था में बेसुध पड़ी हुई थी तथा उसकी हालत अत्यंत गंभीर थी। आसपास कोई परिजन या परिचित मौजूद नहीं था। परिस्थिति की गंभीरता को समझते हुए पुलिस टीम ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया। सबसे पहले महिला को वस्त्र उपलब्ध कराए गए, जिससे उसकी गरिमा की रक्षा हो सके। इसके पश्चात उसे सुरक्षित रूप से सरकारी वाहन के माध्यम से उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

इस दौरान थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार, एसएसआई सुनील पंत, इमलीखेड़ा चौकी प्रभारी शहजाद अली, धनौरी चौकी प्रभारी पुष्कर सिंह चौहान, एसआई विशाखा असवाल, कॉन्स्टेबल आबादी अली एवं नीरज राणा सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

16 फरवरी को देहरादून में राजभवन का घेराव

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रामनगर चौक स्थित एक होटल में आज युवा कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी हरनीत बराड़ का आगमन हुआ। रुड़की पहुँचने पर युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सचिन चौधरी व कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। फूल-मालाओं से लदी हरनीत बराड़ ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए आगामी रणनीति साझा की और प्रदेश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला।

सचिन चौधरी ने अपने संबोधन में प्रदेश की भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि आज उत्तराखंड का युवा, किसान और बेरोजगार पूरी तरह से परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के राज में लगातार भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं, जो युवाओं को रोजगार से वंचित रखने की एक सोची-समझी साजिश है। सरकार युवाओं को रोजगार देने के बजाय उनका शोषण कर रही है, जिसे अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वही युवा कांग्रेस की प्रदेश सहप्रभारी प्रभारी हरनीत बराड़ ने कहा कि आने वाले समय में युवा ही देश और प्रदेश की सरकार की दिशा तय करेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि 16 फरवरी को देहरादून में होने वाले राजभवन घेराव के लिए अधिक से अधिक संख्या में युवा एकजुट होकर पहुँचें। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई युवाओं के हक और सम्मान की है, और इस बार सरकार का श्भंडाफोड़श होकर रहेगा। इस कार्यक्रम के दौरान प्रदेश यूथ कांग्रेस कमेटी के प्रणय प्रताप ने भी सभा को संबोधित किया। देहरादून कूच की तैयारियों पर चर्चा की। इस मौके पर नियामुल हक ने कहा कि यह प्रदेश सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचार में नियुक्त और कानून व्यवस्था के ऊपर पूरी तरीके से माफिया का राज है इस मौके पर अफजल मुंतजिर शिवाकांत मनीष परमार मोहित अंकित शाहबाज उवैश हर्षवर्धन बावरा नईम आजम गुलफाम सौरभ सैनी समद गुलिस्तान सहरवान दानिश कलीम अयान आदि कार्यकर्ता और युवा उपस्थित रहे।

शिव मंदिर में शिवभक्तों की लगी रही लंबी कतारें

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। नगर पालिका क्षेत्र प्राचीन मंदिर में पूजा अर्चना करने वालों की सुबह 4:00 बजे से ही लंबी कतारे लगी हुई है और सभी अपनी मन्नतें मांग रहे हैं मुख्य पुजारी श्री अरविंद कुमार शर्मा ने बताया कि यह प्राचीन शिव मंदिर बहुत पुराना है यहां हर वर्ष शिवरात्रि के मौके पर बहुत बड़ा मेला लगता है जिसमें क्षेत्र के हजारों की तादाद में लोग अपनी मनोकामना पूरी करवाने के लिए आते हैं उन्होंने कहा इस वर्ष यहां पर 15 तारीख से लेकर 22 तारीख तक मेले का आयोजन किया जा रहा है और यहां पर सुबह 4:00 बजे से अभी भी शिव भक्तों की लाइन लगी हुई है उन्होंने कहा यहां पर आकर जो भी अपनी मनोकामना मांगता है उसकी मनोकामना प्राचीन शिव मंदिर में पुरी भगवान करते हैं वहीं महिला पुजारी ने कहा कि यह जो प्राचीन शिव मंदिर सीमली नगर पालिका परिषद लक्सर में स्थित है यहां पर शिवरात्रि के मौके पर लोग अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए प्रसाद चढ़ाते हैं और यहां पर आते हैं उन्होंने कहा यहां पर सुबह 4:00 बजे से ही आज लंबी लाइन लगी हुई है जो अभी भी जारी है प्राचीन शिव मंदिर के मेले में इस वर्ष बड़े-बड़े झूले बच्चों के मनोरंजन के लिए लगाए गए हैं इस वर्ष मेले में पहली बार सर्कस भी लगाया गया है जिसका सभी लोग लुफ्त उठा रहे हैं और बच्चे भी मेले में घूम कर मनोरंजन कर रहे हैं।

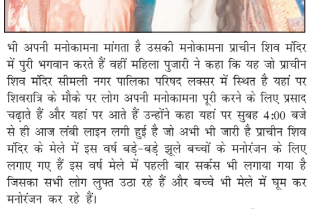

रामनगर में लगे गंदगी के अंबार, खुले सीवर और कूड़े का ढेर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रामनगर क्षेत्र में सड़क पर खुले पड़े सीवर और नालियों में भरे कूड़े ने "स्वच्छ रुड़की, सुंदर रुड़की" के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मुख्य मार्ग पर टूटा हुआ सीवर लाइन का ढक्कन दुर्घटना को न्योता दे रहा है, जिसे स्थानीय लोगों ने अस्थायी रूप से लकड़ी और कपड़े के सहारे ढक रखा है। वहीं नालियों में प्लास्टिक और गंदगी का अंबार लगा है, जिससे दुर्गंध और बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार इस मामले में वार्ड पार्षद पंकज सतीजा ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि मेयर अपनी जिम्मेदारी को भूल गए हैं। उनका कहना है कि शहर की सफाई और सीवर व्यवस्था की देखरेख नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात बदतर हैं। पार्षद ने मांग की है कि टूटे हुए सीवर ढक्कनों को तुरंत बदला जाए, नालियों की नियमित सफाई कराई जाए और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके और शहर वास्तव में स्वच्छ व सुंदर बन सके।

शिक्षक संघ ने समय-सारिणी व टीईटी अनिवार्यता पर जताया विरोध

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। उत्तरांचल स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन शाखा जनपद हरिद्वार की जिला कार्यकारिणी तथा सभी विकासखंडों के अध्यक्ष, मंत्री एवं कोषाध्यक्षों की संयुक्त बैठक शुक्रवार को भागीरथी शिक्षक भवन/रिसोर्ट सेंटर, बोंगला बहादराबाद में आयोजित हुई। 30 जनवरी को सम्पन्न जनपदीय निर्वाचन के बाद यह पहली आधिकारिक संयुक्त बैठक रही। बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय तदर्थ समिति सदस्य एवं पूर्व जिला अध्यक्ष मुकेश चौहान ने की।

बैठक में विभिन्न विकासखंडों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। विभाग द्वारा प्रस्तावित एक समान समय-सारिणी का सभी ब्लॉकों ने सर्वसम्मति से विरोध किया। पदाधिकारियों का कहना था कि हरिद्वार जनपद की भौगोलिक एवं जलवायु परिस्थितियाँ अन्य जिलों से भिन्न हैं, ऐसे में एकरूप समय-सारिणी व्यवहारिक नहीं है। वहीं टीईटी अनिवार्यता के मुद्दे पर भी पदाधिकारियों ने एक स्वर में विरोध दर्ज कराया। निर्णय लिया गया कि महासंघ के साथ समन्वय स्थापित कर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्यक्रमों की रूपरेखा शीघ्र तय की जाएगी, ताकि शिक्षक हितों की प्रभावी रक्षा हो सके।

बैठक में शिक्षक हितों की सुरक्षा, लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण तथा संगठन की मजबूती से जुड़े कई प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। जिला महामंत्री हेमेंद्र चौहान ने बैठक का संचालन किया, जबकि जिला अध्यक्ष अश्विनी चौहान ने समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। बैठक में जिला अध्यक्ष अश्विनी चौहान, जिला महामंत्री हेमेंद्र चौहान, जिला कोषाध्यक्ष अरविंद शर्मा, संरक्षक अशोक चौहान, जिला संयुक्त मंत्री परविंदर सैनी, उपाध्यक्ष राजेंद्र भंडारी, अमरीश वर्मा, कामिनी शर्मा, लेखाकार वीर सिंह पवार, विधि गुप्ता, संजय चौहान, सहित विभिन्न विकासखंडों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

भगवानपुर विधानसभा में पिछले कुछ सालों से लगातार उपेक्षा का शिकार हो रहे

मुस्लिम समाज ने एकजुट होकर 2027 के चुनाव को लेकर बनाई रणनीति

❖किसी का बंधुवा वोट बैंक नहीं है मुस्लिम समाज

❖मुसलमान को हर जगह टारगेट किए जाने व जन प्रतिनिधि की खामोशी से आक्रोश

❖शिक्षा, सामाजिक एकता व भाईचारे को लेकर दिया गया आपस में जोर

राव तौसीफ अली

भगवानपुर। कस्बा स्थित हाजी भूरा के आवास पर भगवानपुर विधानसभा के मुस्लिम समाज के प्रत्येक गांव से पहुचे जिम्मेदार लोगों ने अपने समाज की बैठक की। जिसमे सम्मानित जिम्मेदार लोगो ने अपने समाज के लोगों से अपनी बात साझा कर बताया की पिछले कुछ वर्षों से भगवानपुर विधानसभा में लगातार मुस्लिम समाज की अनदेखी की जा रहीं है जिससे मुस्लिम समाज में नाराजगी चल रही है। अब मुस्लिम समाज जागरुक हो गया है अब अपना शोषण बर्दास्त नही करेगा। आगामी 2027 के चुनाव मे मुस्लिम समाज संघठित होकर स्वम निर्णय लेगा । कोई भी पार्टी भगवानपुर के मुस्लिमों को अपना वोट बैंक न समझे ,इस बार चुनाव मे मुस्लिम समाज अपने आप सोच समझकर अपना नेता चुनेगा ओर 2027 विधानसभा चुनाव मजबूती से लड़ा जायगा।

देश-प्रदेश में मुस्लिमों पर अत्याचार हो रहा है एक विशेष समुदाय को टारगेट किया जा रहा है। मुस्लिमों को फर्जी मुकदम्मो मे फसाकर उनका भविष्य बर्बाद किया जा रहा आज। रविवार को विचार किया कि भगवानपुर विधान सभा के मुस्लिम समाज के लोग अपना संगठन बनाकर अपने हितों की रक्षा स्वमं करेगा। यह संघठन विधानसभा भगवानपुर के प्रत्येक गाव मे घर-घर जाकर उन्हें जागरूक करने का कार्य करेंगा। बैठक व संघठन का मुख्य उद्देश्य लोगों को शिक्षित करना, सरकारी योजनाओं की जानकारी देना और समाज को आपसी सहघ्योग की भावना को मजबूत करना, मुस्लिम समाज के बच्चों के भविष्य के लिए अच्छी शिक्षा,स्वाथय सेवाए मिलना, तकनीकी प्रशिक्षण और कौशल कार्य के लिए कार्यकर्मो में भाग लेने के लिए प्रेरीत करना, सामाजिक ऐकता, आपसी भाईचारे और कानून के प्रति जानकारी होना जरूरी है। समाज को नशे से बचाना हैं,ओर अपराध अन्य बुराइयी से दूर रहने तथा समाज के विकास में सक्रीय भूमीका निभाने का संदेश दिया गया है। अब हम सबने मिलकर संकल्प लिया है समाज के विकास कार्य मिलकर करेंगे, जरूरतमंद लोगो की साहयता कैरेंगे । इस प्रकार की बैठक से समाज में जागरुकता बढती है। इससे समाज मे ऐकता और सहयोग की भावना मजबूत होती है। जो समाज के लिए बहुत जरूरी है। बैठक हाजी भूरा,राव फरमुद ,मुनीर आलम,अमीर आलम,रियासत प्रधान,नासीर प्रवेज, ईशा त्यागी,जहिर त्यागी,हाजी सहजाद,डा.इरकान,मुस्तुफा प्रधान,फुरकान अंसारी,तालीम बीडीसी, रासीद अली,मुन्नवर अली,राकिब अली,नसीर आजाद,भूरा ,उस्मान प्रधान,जिसान अली,मस्कूर राणा,कय्यूम अली,उस्मान,तनवीर प्रधान,मांना प्रधान,हाजी नौसाद फरमान, प्रधान अन्य मुस्लिम समाज के जिम्मेदार लोग शामिल हुए।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

सोमवार, 16 फरवरी 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

लोकतंत्र में आस्था बनी रहे

लोकतंत्र में चुनाव की शुचिता बनाए रखने के लिए मतदाता सूची में समय-समय पर संशोधन जरूरी है। इसी मकसद से देश के विभिन्न राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की गई है। मगर इसमें कई तरह की बाधाएं भी उत्पन्न हो रही हैं। कभी बड़ी संख्या में नागरिकों को मसविदा सूची से बाहर करने को लेकर सवाल उठ रहे हैं, तो कभी सियासी दलों की ओर से इस प्रक्रिया में नियमों के विपरीत दखल देने के आरोप लग रहे हैं। ऐसे में सबसे जरूरी है कि नई मतदाता सूची तैयार करने में पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता बरती जाए, ताकि सभी पात्र नागरिकों का मताधिकार सुरक्षित रह सके और अपात्र या मृतकों के नाम सूची से हटाने का कार्य बिना किसी विवाद या बाधा के पूरा हो सके। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने सभी राज्यों को स्पष्ट कर दिया कि विशेष गहन पुनरीक्षण की कवायद में किसी भी बाधा डालने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही इस प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और विभिन्न आशंकाओं का निराकरण करने के निर्देश भी जारी किए हैं। मगर यह बात भी उतनी ही अहम है कि आयोग की इस कवायद में किसी राज्य सरकार का सीधे तौर पर दबाव या दखल देना उचित नहीं हो सकता। इस बात पर भी गौर करना जरूरी है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को सफल तरीके से पूरा करने की जिम्मेदारी सिर्फ चुनाव आयोग की नहीं है, बल्कि राज्य सरकारों की भी इसमें अहम भूमिका है। इसके लिए पर्याप्त और सक्षम कर्मी उपलब्ध कराने का जिम्मा राज्य सरकार का होता है। ऐसे में अपेक्षा की जाती है कि इसमें सियासत को दूर रखकर राज्य सरकार और चुनाव आयोग सहयोग एवं समन्वय के साथ काम करेंगे। चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल में कुछ और कर्मियों को पुनरीक्षण प्रक्रिया में तैनात करने की मांग कर रहा है, जिस पर राज्य सरकार अब जाकर राजी हुई है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआत बिहार से हुई थी और तब से लेकर यह प्रक्रिया विवादों में है। शुरू में चुनाव आयोग की ओर से आधार कार्ड को पहचान पत्र के दस्तावेज में शामिल न करने का मुद्दा प्रमुखता से उठा था। आयोग का तर्क था कि आधार को नागरिकता का पहचान पत्र नहीं माना जा सकता। मगर बाद में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर इसे पहचान के दस्तावेज में शामिल कर लिया गया। अब पश्चिम बंगाल में इस प्रक्रिया पर आए दिन नए-नए सवाल उठ रहे हैं। पिछले दिनों चुनाव आयोग ने खुद राज्य में मसविदा सूची में छूट गए मतदाताओं की सुनवाई की प्रक्रिया रोकने का निर्देश दिया था। आयोग का मानना था कि वर्ष 2002 की मतदाता सूची के डिजिटलीकरण में तकनीकी समस्या की वजह से कई लोगों के नाम मसविदा सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं और ऐसे लोगों के लिए फिलहाल व्यक्तिगत सुनवाई की जरूरत नहीं है। अगर सरकार इस पर पहले ही हामी भर देती, तो इस कार्य में लगे अन्य कर्मियों को भी काम का दबाव नहीं झेलना पड़ता, जिसको लेकर राज्य में सत्तारूढ़ दल की ओर से ही सवाल उठाए जाते रहे हैं।

भाजपा के भ्रष्ट मॉडल का उदाहरण

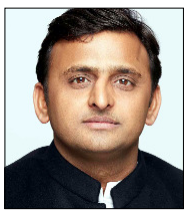

अयोध्या में जो रेलवे स्टेशन बनाया गया, वह भाजपा के भ्रष्ट मॉडल का उदाहरण है, सरकार को चाहिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए, बनते ही गिर जाने वाली पानी की टंकी थोड़ी दूर बनाई जाए, छत ऐसी हो कि नीचे खड़े लोगों को छतरी न लगानी पड़े और एप्रोच रोड की परत न उखड़े, लिफ्ट और एस्केलेटर लगाए जाएं, तो वे सही तरीके से काम भी करें, निर्माण कार्यों में पारदर्शिता होनी चाहिए और यात्रियों के लिए वेटिंग एरिया वास्तव में सुविधाजनक बनाया जाए, क्योंकि कई बार ट्रेनों में लंबी देरी होती है, ठेकेदार स्थानीय होना चाहिए, ताकि जिम्मेदारी तय की जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। **-अखिलेश यादव, अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी**

अगला हमला भारतीय प्रशासनिक सेवा पर!

पवन सिंह

निरंकुश और अलोकतांत्रिक सत्ताएं कभी भी निर्माण पर भरोसा नहीं करती हैं। एक सर्वमान्य निर्मित संविधान या नियमों को न मानते हुए उसके समानांतर एक और निरंकुश व्यवस्था खड़ी करना ही ऐसी सत्ताओं का पैमाना रहा है। यहां यह भी काबिल-ए-गौर है कि इन निरंकुश सत्ताओं के लिए कभी भी देश, समाज और जनता प्राथमिकता में नहीं रही है न कभी होगी। हां! इनके प्रोपेगैंडा में राष्ट्र, राष्ट्रीयता, स्वाभिमान, आत्मा, चित्त, परमात्मा जैसे शब्द आसमां तक उछलते मिलेंगे। यह ठीक वैसा ही है जैसे आजकल गिद्ध मार्का साधु-संत करते हैं। खुद के लिए एसी पंडाल, कथा के लिए 50 लाख से एक करोड़ व वाहनों में बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज, लेकिन भक्तों के लिए- क्या लेकर आए थे और क्या लेकर जाना है।

ऐसी सत्ताओं की सोच बेहद कट्टर और संकुचित होती है। जनता को उसके मूल विषयों से भटकाए रखना, अपने ही देश की अवाम के बीच नफरत पैदा करना और एक मान्य व्यवस्था को ध्वस्त कर देना ऐसी सत्ताओं का शगल रहा है। देश की जनता अगर अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं होती है और इतिहास से सबक नहीं लेती है तो उसके हाथ केवल विनाश लगता है। इस तरह की सत्ताओं के तीन सबसे खतरनाक हथियार हुआ हैं-धर्म, राष्ट्रवाद और संस्कृति। जर्मनी हो या मिडिल ईस्ट या ताजा-ताजा लंका इसके जीवंत उदाहरण हैं। इन सत्ताओं का अंतिम हमला होता है सुरक्षा बलों पर और देश की व्यवस्था को मान्य नियमों से संचालित करने वाली वहां की प्रशासनिक सेवाओं पर। भारत की मौजूदा सत्ता ने अब इन दोनों पर हमला आरंभ कर दिया है। मैं पहले भी अपने लेखों के माध्यम से कहता आया हूं कि बचेगा कोई नहीं। एक-एक करके सबका शिकार होगा और ठीक वैसा ही हो रहा है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा को नष्ट करने के लिए एक वायरस तैयार किया गया है और उस वायरस का नाम है-लैटरल एंट्री यहां यह स्पष्ट कर दूं कि इस तथाकथित लैटरल एंट्री के जरिए जो आईएएस थोपे जा रहे हैं वे UPSC जैसे कड़ी परीक्षा और प्रक्षिशण प्राप्त आईएएस अधिकारियों से कहीं ज्यादा ताकतवर हैं, क्योंकि उनकी नियुक्तियों का आका सत्ता के मजबूत शिखर पर बैठा है और वे उस आका द्वारा नियुक्त कठपुतली हैं, उनकी रीढ़ के सारे धागे आका की उंगलियों में हैं। उनकी स्थिति और औकात एक गाने की लाइन में छिपी हैं-जितनी चाभी भरी राम ने उतना चले खिलौना। यानी कि लैटरल आईएएस कहीं ज्यादा ताकतवर है UPSC के आईएएस से। केंद्र सरकार में लैटरल एंट्री के जरिए वरिष्ठ पदों के लिए 31 नाम फाइनल किए और तैनाती दे दी। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग DoPT ने 12 दिसम्बर, 2020 और 12 फरवरी 2020 को UPSC से संविदा प्रतिनियुक्ति आधार पर केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों विभागों में संयुक्त सचिव उप सचिव के पद पर शामिल करने के लिए योग्य उम्मीदवारों के चयन करने का अनुरोध किया था। यूपीएससी ने 6 फरवरी 2021 को ऑनलाइन भर्ती आवेदन द्वारा संयुक्त सचिव निदेशक स्तर की भर्ती प्रक्रिया की शुरुआत की और इन पदों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 22 मार्च 2021थी। इसके साथ ही उप सचिव पदों के लिए 20 मार्च को भर्ती प्रक्रिया की शुरुआत हुई और आवेदन करने की अंतिम तिथि 3 मई थी। संयुक्त सचिव के लिए 295, निदेशक स्तर के पदों के लिए 1247 और उप सचिव स्तर के पदों के लिए 489 आवेदन मिले। 27 सितंबर से 8 अक्टूबर 2021 तक साक्षात्कार का आयोजन किया गया। उम्मीदवारों द्वारा दाखिल किए ऑनलाइन आवेदन पत्रों के आधार पर संघ लोक सेवा आयोग ने 231 उम्मीदवारों का साक्षात्कार के लिए चयन किया और 27 सितंबर से 8 अक्टूबर 2021 तक साक्षात्कार का आयोजन किया गया और 31 उम्मीदवारों का अंतिम चयन किया गया है। लेटरल एंट्री गजब का भर्ती वायरस है। इसमें UPSC की तीन चरणों में वाली परीक्षा पास किए बगैर भी प्रशासनिक अधिकारी बनाया जाता है। लेटरल एंट्री के जरिए निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों को सीधे जॉइंट सेकेट्री या डायरेक्टर के पद पर नियुक्त मिलती है। इस परीक्षा में साक्षात्कार के जरिए सेलेक्शन किया जाता है। फिलहाल लैटरल एंट्री वाले आईएएस अधिकारी ये रहे-

1. सैमुएल प्रवीण कुमार (ज्वाइंट सेक्रेटरी, कृषि मंत्रालय) 2. मनीष चड्ढा (ज्वाइंट सेक्रेटरी, वाणिज्य मंत्रालय) 3. बालासुब्रमण्यम कृष्णमूर्ति (ज्वाइंट सेक्रेटरी, वित्त मंत्रालय) 4. कपिल अशोक बेंद्रे (डायरेक्टर-एग्रीकल्चर मार्केटिंग, कृषि मंत्रालय) 5-नीरज गाबा (डायरेक्ट-एक्सपोर्ट मार्केटिंग, वाणिज्य मंत्रालय) 6-सागर रमेश राव काडू (डायरेक्टर-लॉजिस्टिक्स, वाणिज्य मंत्रालय) 7-प्रणु नारायण (डायरेक्टर-साइबर सिक्योरिटी इन फाइनेंशियल सेक्टर, वित्त मंत्रालय) 8-हर्ष भौमिक (डायरेक्टर-डिजिटल इकोनॉमी, वित्त मंत्रालय) 9-शेख चौधरी (डायरेक्टर-फाइनेंशियल मार्केट, वित्त मंत्रालय) 10-हार्दिक मुकेश सेठ (डायरेक्टर-बैंकिंग, वित्त मंत्रालय) 11-मंदाकिनी बलोढी (डायरेक्ट-इंश्योरेंस, वित्त मंत्रालय) 12-अवनीत सिंह अरोड़ा (डायरेक्टर-आर्बिट्रेशन एंड कॅसिलिएशन लॉ, कानून मंत्रालय) 13-हैमंती भट्टाचार्य (डायरेक्टर-साइबर लॉ, कानून मंत्रालय) 14-मातेश्वरी प्रसाद मिश्रा (डायरेक्टर-वेयर हाउस एक्सपरटीज, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय) 15-गौरव सिंह (डायरेक्ट-एजुकेशन टेक्नोलॉजी, शिक्षा मंत्रालय) 16-एडला नवीन निकोलस (डायरेक्टर-आईसीटी एजुकेशन, शिक्षा मंत्रालय) 17-मुक्ता अग्रवाल (डायरेक्टर-मीडिया मैनेजमेंट, शिक्षा मंत्रालय) 18-शिव मोहन दीक्षित (डायरेक्टर-वाटर मैनेजमेंट, जलशक्ति मंत्रालय) 19-गोविंद कुमार बंसल (डायरेक्टर, स्वास्थ्य मंत्रालय) 20-बिदुर कांत झा (डायरेक्टर, सड़क परिवहन मंत्रालय) 21-अवीक भट्टाचार्य (डायरेक्टर, नागरिक उड्डयन मंत्रालय) 22-संदेश माधवराव तिलेकर (डायरेक्टर, स्किल डेवलपमेंट मंत्रालय) 23-) तु चंद्रा (डिप्टी सेक्रेटरी, शिक्षा मंत्रालय) 24-रुचिका द्राल (डिप्टी सेक्रेटरी, पर्यावरण मंत्रालय) 25-सौमेंदू रे (डिप्टी सेक्रेटरी, सांख्यिकी मंत्रालय) 26-सारथी राजा जी (डिप्टी सेक्रेटरी, इस्पात मंत्रालय) 27-राजन जैन (डिप्टी सेक्रेटरी, कारपोरेट कार्य मंत्रालय) 28- धीरज कुमार (डिप्टी सेक्रेटरी खान मंत्रालय) 29-राज. `श असाती (डिप्टी सेक्रेटरी, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय) 30-गौरव किशोर जोशी (डिप्टी सेक्रेटरी, भारी उद्योग मंत्रालय) 31-जमीरुद्दीन अंसारी (डिप्टी सेक्रेटरी, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय)।

मैंने अपने परिचित अवकाश प्राप्त दो चीफ सेक्रेटरी अधिकारियों, आधा दर्जन रिटायर्ड और वर्तमान आईएएस अधिकारियों से बात की तो लब्बोलुआब यह निकला कि 2024 के बाद अग्निवीर की तरह वे भी प्रशासनिक वीर बन कर रह जाएंगे। इन आईएएस अधिकारियों के अनुसार प्राइम पोस्टिंग यानी मलाईदार पोस्टिंग और सत्ता के साथ मिलकर लूट में साझेदारी ने इस कैडर की ताकत को नेस्तनाबूद कर दिया है। इन अधिकारियों का कहना है कि देश के सारे आईएएस अधिकारियों को मिलकर एक आपात बैठक करके यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी अधिकारी सत्ता के गलत आदेशों को किसी भी सूरत में नहीं मानेगा भले ही उसका स्थानांतरण सामान्य विभाग में क्यों न कर दिया जाए अन्यथा अगला नंबर भारतीय प्रशासनिक सेवाओं का है। सरकार अब प्रशासनिक सेवाओं के रिक्त पदों को भी भरने में खास दिलचस्पी नहीं ले रही है। राज्यसभा में सरकार की ओर से 2023 में जो जवाब दिया गया था कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 1,365 और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 703 पद रिक्त हैं। कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक सवाल के लिखित जवाब में उच्च सदन को यह जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था कि भारतीय वन सेवा (आईएफएस) में 1,042 और भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) में 301 पद रिक्त हैं। कुल जमा खर्च यह है कि सत्ता को रीढ़ विहीन प्रशासनिक लाबी चाहिए। मौजूदा सत्ता को फिल्म घातक (1996 हीरो-सनी देओल और विलेन-डैनी डेन्जोंगपा) के डायलाग बोलने और सोचने वाला आईएएस अफसर नहीं चाहिएं, सत्ता को चाहिए जो उसके लिखे डायलाग्स दुम हिलाते हुए बोल सकें। सत्ता चाहती है ऐसा प्रशासनिक अधिकारी जो रिरियाता हुआ धीरे से यह डायलाग्स बोल सके-कात्या! तू चाहता है मैं तेरे यहां कुत्ता बनकर रहूं। तू कहे तो काटूं। तू कहे तो भौंकू। ऐसा ही होगा कात्या! यहां कात्या कैरेक्टर का मतलब सत्ता से है। काश! भारतीय प्रशासनिक सेवा से आए मौजूदा आईएएस अधिकारी आने वाले खतरे को भांप सकें और रीढ़ की हड्डी को खड़ा करके राष्ट्रीय स्तर पर एक बैठक कर विचार कर सकें। अन्यथा अब उम्मीद तो न सुप्रीम कोर्ट से रही और न पूंछ बराबर बची संवैधानिक संस्थाओं से। अब तो नेचर से न्याय की उम्मीद है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

ऐसे ही नहीं शुरू हो गई घुड़सवारी

कंकालों की जांघ की हड्डियों में कुछ मोटे स्थान भी नजर आए जो टांगें मोड़कर लंबे समय तक बैठक का परिणाम हो सकते हैं और तो और, टूटी हुई कंधे की हड्डियां, पैरों की हड्डियों में फ्रेक्चर और कशेरुकों में दरारें ऐसी चोटों से मेल खाती थीं जो या तो घोड़े द्वारा मारी गई लातों से हो सकती थीं या वैसी हो सकती थीं जो आजकल घुड़सवारों को घोड़ों पर से गिरने के कारण होती हैं। इन लक्षणों की तुलना उन्होंने बाद के समय के ऐसे कंक. ालों से की जिन्हें घुड़सवारी के उपकरणों और घोड़ों के साथ दफनाया गया था जो इस बात का परिस्थितिजन्य प्रमाण है कि ये पक्के तौर पर घुड़सवार रहे होंगे। और इन लक्षणों में समानता देखी गई, लेकिन अन्य पुरावेत्ता अभी अपने विचारों को लगाम दे रहे हैं।

मनुष्य ने सबसे पहले घुड़सवारी कब की थी? इस सवाल के जवाब कई तरह से खोजने की कोशिश हुई है क्योंकि घोड़े पर सवारी करना मानव इतिहास का एक अहम पड़ाव माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि आजकल के रूस और यूक्रेन के घास के मैदानों (स्टेपीज) से निकलकर लोग तेजी से यूरेशिया में फैल गए थे। यह कोई 5300 वर्ष पहले की बात है। जल्दी ही इन यामानाया लोगों के जेनेटिक चिंह मध्य यूरोप से लेकर कैस्पियन सागर के लोगों तक में दिखने लगे थे। आजकल के पुरावेत्ता इन लोगों को पूर्वी चरवाहे कहते हैं, लेकिन इनमें घुड़सवारी के कोई लक्षण नजर नहीं आते थे। इसके अलावा, यामानाया स्थलों पर मवेशियों की हड्डियां भी मिली हैं और मजबूत गाड़ियों के अवशेष भी, लेकिन घोड़ों की हड्डियां बहुत कम मिली हैं। इस सबके आधार पर पुरावेत्ताओं ने मान लिया था कि लोगों ने घोड़ों पर सवारी 1000 साल से पहले शुरू नहीं की होगी। अब अमेरिकन एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइन्सेज के सम्मेलन में प्रस्तुत एक अध्ययन में दावा किया गया है कि घुड़सवारी के प्रमाण प्राचीन घोड़ों की हड्डियों में नहीं, बल्कि यामानाया सवारों की हड्डियों में मिले हैं। हेलसिंकी विश्वविद्यालय के वोल्कर हेड का कहना है कि सब लोग घोड़ों को देख रहे थे और हमने मनुष्यों को देखा। आनुवंशिक व अन्य प्रमाण बताते हैं कि घोड़ों को 3500 ईसा पूर्व में पालतू बना लिया गया था, लेकिन ऐतिहासिक स्रोतों या चित्रों में घुड़सवारी के प्रमाण इसके लगभग 2000 वर्षों बाद मिलने लगते हैं। तो कई पुरावेत्ता मानने लगे थे कि पूर्वी चरवाहे घोड़ों पर सवारी करने की बजाय अपने पशुधन के साथ पैदल ही चलते रहे होंगे। अब यामानाया फैलाव को समझने के उद्देश्य से हेलसिंकी के मानव वैज्ञानिक मार्टिन ट्रॉटमैन और उनके साथियों ने रोमानिया, हंगरी और बुल्गारिया की कब्रों से खोदे गए डेढ़ सौ से ज़्यादा मानव कंकालों का विश्लेषण किया है। यह क्षेत्र यामानाया लोगों के फैलाव की पूर्वी सीमा पर है।

विश्लेषण से पता चला कि ये लोग सुपोषित, तंदुरुस्त और अच्छे कद वाले थे। उनकी हड्डियों के रासायनिक विश्लेषण से यह भी लगता है कि इनका भोजन प्रोटीन प्रचुर था, लेकिन एक दिक्कत थी इनके कंकालों में विशिष्ट किस्म की क्षतियां और विकृतियां नजर आईं। कई कंकालों में रीढ़ की हड्डियां दबी हुई थीं। ऐसा तब हो सकता है जब बैठी स्थिति में व्यक्ति को दचके लग रहे हों। कंकालों की जांघ की हड्डियों में कुछ मोटे स्थान भी नजर आए जो टांगें मोड़कर लंबे समय तक बैठक का परिणाम हो सकते हैं और तो और, टूटी हुई कंधे की हड्डियां, पैरों की हड्डियों में फ्रेक्चर और कशेरुकों में दरारें ऐसी चोटों से मेल खाती थीं जो या तो घोड़े द्वारा मारी गई लातों से हो सकती थीं या वैसी हो सकती थीं जो आजकल घुड़सवारों को घोड़ों पर से गिरने के कारण होती हैं। इन लक्षणों की तुलना उन्होंने बाद के समय के ऐसे कंकालों से की जिन्हें घुड़सवारी के उपकरणों और घोड़ों के साथ दफनाया गया था जो इस बात का परिस्थितिजन्य प्रमाण है कि ये पक्के तौर पर घुड़सवार रहे होंगे। और इन लक्षणों में समानता देखी गई, लेकिन अन्य पुरावेत्ता अभी अपने विचारों को लगाम दे रहे हैं क्योंकि उनका मानना है कि जब तक घोड़ों की हड्डियां न मिल जाएं, जिन पर सवारी के चिंह हों, तब तक निश्चित रूप से कुछ कहा नहीं जा सकता। एक समस्या यह भी है कि पुरावेत्ताओं को यामानाया स्थलों से गाड़ियां, बैल और जुएं तो मिले हैं लेकिन लगाम और जीन जैसे घुड़सवारी के साधन नहीं मिले हैं। तो मामला अभी खुला है कि मनुष्यों ने घुड़सवारी कब शुरू की थी।

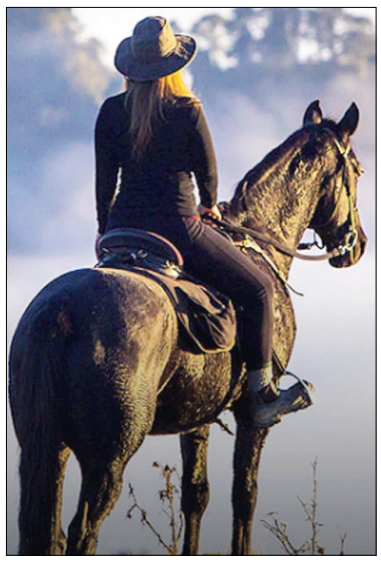

बढ़ते तापमान के निकट भविष्य में दिखने लगे संकेत

जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग जैसे शब्द अब हमारे लिए अनजाने नहीं हैं। बढ़ते हुए वैश्विक तापमान से निकट भविष्य में होने वाली समस्याओं के संकेत दिखने लगे हैं। इनको सीमित करने के लिए समय-समय पर सम्मेलन आयोजित होते रहे हैं। हाल ही में ग्लासगो में ऐसा सम्मेलन हुआ था। आमतौर पर इन सम्मेलनों में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, वनों की कटाई, पारिस्थितिक तंत्र आदि मुद्दे सुर्खियों में रहते हैं, लेकिन कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर चर्चा नहीं होती है। हाल ही में कुछ शोधकर्ताओं ने हमारे खानपान के तरीकों से पृथ्वी पर होने वाले प्रभावों का अध्ययन किया है। तथ्य यह है कि विश्व में लगभग दो अरब लोग (अधिकांश पश्चिमी देशों में) अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त हैं। इसके विपरीत करीब 80 करोड़ ऐसे लोग (अधिकांश निम्न व मध्यम आमदनी वाले देशों में) भी हैं जिनको पर्याप्त पोषण नहीं मिल रहा है। 2017 में अस्वस्थ आहार से विश्व स्तर पर सबसे अधिक मौतें हुई थीं। राष्ट्र संघ खाद्य व कृषि संगठन के अनुसार जनसंख्या में वृद्धि और पश्चिमी देशों के समान अधिक से अधिक भोजन का सेवन करने के रुझान को देखते हुए अनुमान है कि वर्ष 2050 तक मांस, डेयरी और अंडे के उत्पादन में लगभग 44 प्रतिशत वृद्धि जरूरी होगी।

यह स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण की भी समस्या है। गौरतलब है कि वर्तमान औद्योगीकृत खाद्य प्रणाली वैश्विक ग्रीनहाउस उत्सर्जन के लगभग एक-चौथाई के लिए जिम्मेदार है। इसके लिए विश्व भर के 70 प्रतिशत मीठे पानी और 40 प्रतिशत भूमि का उपयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त इसके लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उर्वरक नाइट्रोजन और फॉस्फोरस चक्र को बाधित करते हैं और नदियों तथा तटों को भी प्रदूषित करते हैं। वर्ष 2019 में 16 देशों के 37 पोषण विशेषज्ञों, पारिस्थितिकीविदों और अन्य विशेषज्ञों के एक समूह-लैंसेट कमीशन ऑन फूड, प्लेनेट एंड हेल्थ-ने एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें पोषण और पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए व्यापक आहार परिवर्तन का आह्वान किया गया है। लैंसेट समूह द्वारा निर्धारित आहार का पालन करने वाले व्यक्ति को लचीलाहारी कहा जाता है जो अधिकांश दिनों में तो पौधों से प्राप्त आहार लेता है और कभी-कभी थोड़ी मात्रा में मांस या मछली का सेवन करता है। इस रिपोर्ट ने निर्वहनीय आहार पर ध्यान तो आकर्षित किया है लेकिन यह सवाल भी उठा है कि क्या यह सभी के लिए व्यावहारिक है। इस संदर्भ में कुछ वैज्ञानिक पोषण और आजी. विका को नुकसान पहुंचाए बिना स्थानीय माहौल के हिसाब से पर्यावरणीय रूप से निर्वहनीय आहार का परीक्षण करने का प्रयास कर रहे हैं।

खानपान से होने वाला उत्सर्जन

खाद्य उत्पादन से होने वाला ग्रीनहाउस उत्सर्जन इतना अधिक है कि वर्तमान दर पर सभी राष्ट्र गैर-खाद्य उत्सर्जन को पूरी तरह खत्म भी कर देते हैं तब भी तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित नहीं किया जा सकता है। खाद्य प्रणाली उत्सर्जन का 30 से 50 प्रतिशत हिस्सा तो केवल जंतु सप्लाई चेन से आता है। इसके अतिरिक्त कुछ विशेषज्ञों के अनुसार 2050 तक शहरीकरण और जनसंख्या वृद्धि के कारण भोजन सम्बंधी उत्सर्जन में 80 प्रतिशत तक वृद्धि होने की सम्भावना है। यदि सभी लोग अधिक वनस्पति-आधारित आहार का सेवन करने लगें और अन्य सभी क्षेत्रों से उत्सर्जन को रोक दिया जाए तो वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लक्ष्य को पूरा करने की 50 प्रतिशत उम्मीद होगी। यदि भोजन प्रणाली में व्यापक बदलाव के साथ आहार में भी सुधार किया जाता है तो यह संभावना बढ़कर 67 प्रतिशत हो जाएगी। अलबत्ता, ये निष्कर्ष मांस उद्योग को नहीं सुहाते। 2015 में यूएस कृषि विभाग की सलाहकार समिति ने आहार सम्बंधी दिशानिर्देशों में संशोधन करते समय शोधकर्ताओं के हस्तक्षेप के चलते पर्यावरणीय पहलू को भी शामिल करने पर विचार किया था, लेकिन उद्योगों के दबाव के कारण इस विचार को खारिज कर दिया गया। फिर भी इस मुद्दे पर लोगों का ध्यान तो गया। यूके-आधारित वेलकम संस्थान द्वारा वित्तपोषित ईट-लैंसेट कमीशन ने एक मजबूत केस प्रस्तुत किया। पोषण विशेषज्ञों ने संपूर्ण खाद्य पदार्थों से बना एक बुनियादी स्वस्थ आहार तैयार किया, जिसमें कार्बन उत्सर्जन, जैव-विविधता हानि और मीठे पानी, भूमि, नाइट्रोजन तथा फॉस्फोरस के उपयोग को शामिल किया गया। इस प्रकार से टीम ने आहार की पर्यावरणीय सीमाएं निर्धारित की। टीम के अनुसार इन पर्यावरणीय सीमाओं का उल्लंघन करने का मतलब इस ग्रह को मानव जाति के लिए जीवन-अयोग्य बनाना होगा। इस आधार पर उन्होंने एक विविध और मुख्यत: वनस्पति आधारित भोजन योजना तैयार की है। इस योजना के तहत औसत वजन वाले 30 वर्षीय व्यक्ति के लिए 2500 कैलोरी प्रतिदिन के आहार के हिसाब से एक सप्ताह में 100 ग्राम लाल मांस खाने की अनुमति है। यह एक आम अमे. रिकी की खपत से एक-चौथाई से भी कम है। यह भी कहा गया है कि अत्यधिक परिष्कृत खाद्य पदार्थ (शीतल पेय, फ्रोजन फूड और पुनर्गठित मांस, शर्करा और वसा) के सेवन से भी बचना चाहिए। आयोग का अनुमान है कि इस प्रकार के आहार के जरिए पारिस्थितिकी तंत्र को क्षति पहुंचाए बिना 10 अरब लोगों को अधिक स्वस्थ भोजन दिया जा सकता है। कई वैज्ञानिकों ने ईट-लैंसेट द्वारा तैयार किए गए आहार प्लान की सराहना की है, लेकिन एक सवाल यह भी है कि क्या यह आहार कम संसाधन वाले लोगों के लिए भी पर्याप्त पोषण प्रदान करेगा। जैसे वाशिंगटन स्थित ग्लोबल एलायंस फॉर इम्प्रूव्ड न्यूट्रिशन के टाय बील का निष्कर्ष है कि यह आहार 25 वर्ष से ऊपर की आयु के व्यक्ति के लिए आवश्यक जिंक का 78 प्रतिशत और कैल्शियम का 86 प्रतिशत ही प्रदान करता है और प्रजनन आयु की महिलाओं को आवश्यक लौह का केवल 55 प्रतिशत प्रदान करता है। इन आलोचनाओं के बावजूद, यह आहार पर्यावरण सम्बंधी चिंताओं को केंद्र में रखता है। रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद विश्व भर के स्वास्थ्य वैज्ञानिक इस आहार को सभी तरह के लोगों के लिए व्यावहारिक बनाने पर अध्ययन कर रहे हैं।

समृद्ध आहार

कई पोषण शोधकर्ता जानते हैं कि अधिकांश उपभोक्ता आहार सम्बंधी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करते। कई वैज्ञानिक लोगों को यह संदेश देने के कारगर तरीके तलाश रहे हैं। कुछ पोषण वैज्ञानिक स्कूलों में बगैर हो-हल्ले के एक निर्वहनीय आहार का परीक्षण कर रहे हैं, जिसमें मौसमी सब्जियों और फ्री-रेंज मांस (जिन जंतुओं को दड़बों में नहीं रखा जाता) जैसे पारंपरिक और निर्वहनीय खाद्य की खपत को बढ़ावा दिया जाता है। इस कार्यक्रम में प्राथमिक विद्यालय के 2000 छात्रों के स्कूल लंच का विश्लेषण करने के लिए कंप्यूटर एल्गोरिदम का उपयोग किया गया है। जिससे उन्हें आहार को अधिक पौष्टिक और जलवायु के अनुकूल बनाने के तरीकों के सुझाव मिले, जैसे मांस की मात्रा को कम करके फलियों और सब्जियों की मात्रा में वृद्धि। शोधकर्ताओं ने बच्चों और उनके अभिभावकों को लंच में सुधार की सूचना दी लेकिन उनको इसका विवरण नहीं दिया गया। इसकी ओर बच्चों ने भी ध्यान नहीं दिया और पहले के समान भोजन की बर्बादी भी नहीं हुई। इस कवायद के माध्यम से शोधकर्ता बच्चों में टिकाऊ आहार सम्बंधी आदतें विकसित करना चाहते हैं जो आगे भी जारी रहें। वैसे यह आहार मज-लैंसेट से काफी अलग है। यह ईट-लैंसेट आहार को स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर तैयार करने के महत्व को रेखांकित करता है। इसी तरह से कुछ शिक्षाविद और रेस्तरां भी कम आय वाली परिस्थिति में मुफ्त आहार का परीक्षण कर रहे हैं। इस संदर्भ में जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं ने इस तरह का आहार लेने वाले 500 लोगों का सर्वेक्षण किया और पाया कि 93 प्रतिशत लोगों ने इस आहार को काफी पसंद किया। देखा गया कि प्रत्येक मुफ्त आहार की कीमत 10 अमेरिकी डॉलर है जो वर्तमान में यूएस फूड स्टैम्प द्वारा प्रदान की जाने वाली राशि का पांच गुना है। इससे पता चलता है कि यदि आप आहार में व्यापक बदलाव करें तो पर्यावरण पर एक बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं लेकिन इसमें सांस्कृतिक और आर्थिक बाधाएं रहेंगी।

...स्रोत फीचर्स

उत्तराखण्ड शासन | देवभूमि रजत उत्सव

देवभूमि उत्तराखण्ड

विरासत भी, विकास भी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड सर्वांगीण विकास की नई मिसाल बन रहा है। स्थानीय उत्पाद, बेहतर कनेक्टिविटी, उद्योग एवं निवेश तथा हर मौसम पर्यटन सहित देवभूमि अपनी अलौकिक विरासत को संजोते हुए विकास के नए आयाम छू रही है।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

संवरता, समृद्ध, सक्षम
उत्तराखण्ड
नए भारत की पहचान

स्थानीय उत्पाद

(पहाड़ का स्वाद, पहचान और आत्मनिर्भरता)

- हाउस ऑफ हिमालयाज के माध्यम से अब तक राज्य की 3,300 ग्रामीण महिलाओं को प्रत्यक्ष एवं 28,000 से अधिक महिलाओं को अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित किया गया
- उत्तराखण्ड के 25 से अधिक उत्पादों को मिला जीआई टैग
- च्यूरा ऑयल, मुन्स्यारी राजमा, भोटिया दन, ऐंपण, रिंगाल क्राफ्ट, उत्तराखण्ड ताम्र उत्पाद एवं थुलमा को जी आई सर्टिफिकेशन
- ट्राउट प्रोत्साहन योजना को राज्य सरकार ने दी मंजूरी
- उत्तराखण्ड स्टेट मिलेट्स पॉलिसी के तहत राज्य सरकार ने 2030-31 तक 11 पर्वतीय जिलों के लिए कुल ₹134.89 करोड़ की कार्य योजना पर मुहर लगाई
- मण्डुवा, झंगोरा, रामदाना, कौणी एवं चीना उत्पादक किसानों को बीज एवं जैव उर्वरक पर 80 प्रतिशत अनुदान दिए जाने का फैसला
- उत्तराखण्ड कीवी नीति के तहत वर्ष 2030-31 तक राज्य सरकार कीवी उद्यान स्थापना के लिए कुल लागत 12 लाख प्रति एकड़ का 70 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान करेगी
- राज्य में माल्टा मिशन शुरू करने का लिया निर्णय
- राज्य में उत्तराखण्ड महक क्रांति 2026-36 का हुआ शुभारंभ

बेहतर कनेक्टिविटी

(हर दिशा से जुड़ रहा उत्तराखण्ड)

- रिस्पना एवं बिन्दाल ऐलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना के निर्माण को मंजूरी
- देहरादून एयरपोर्ट में अतिरिक्त टर्मिनल का निर्माण किया गया। देहरादून से बेंगलुरु, हैदराबाद, भोपाल, मुम्बई, चेन्नई, लखनऊ, आदि शहरों में नियमित हवाई सेवाएं हुई शुरू
- पन्तनगर एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय स्तर के एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने का कार्य गतिमान
- रीजनल कनेक्टिविटी योजना के अंतर्गत 13 स्थानों पर हेलीपोर्ट का निर्माण जारी
- राज्य में उड़ान योजना के अंतर्गत पर्वतीय जिलों में हो रहा हेली सेवाओं का संचालन। अब तक हल्द्वानी, नैनीताल, बागेश्वर, मसूरी, चंपावत, गौचर, श्रीनगर, चिन्यालीसौड़, मुन्स्यारी, पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा को हेली सेवा से जोड़ा गया
- उत्तराखण्ड को दो वंदे भारत ट्रेन की मिली सौगात। देहरादून से दिल्ली एवं देहरादून से लखनऊ का सफर हुआ आसान
- लालकुआं से अमृतसर जंक्शन एवं देहरादून से टनकपुर के लिए ट्रेन संचालन को मिली मंजूरी
- गौरीकुण्ड से केदारनाथ एवं गोविन्दघाट से हेमकुण्ड साहिब तक रोपवे निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास
- दिल्ली-देहरादून के बीच एलिवेटेड रोड का ₹13 हजार करोड़ की लागत से निर्माण कार्य जारी। इसके बनने से 2.5 घंटे में सफर होगा पूरा
- ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का कार्य तेज गति से गतिमान। अब तक 70 प्रतिशत कार्य हुआ पूरा
- ऑल वेदर रोड के माध्यम से जुड़े चारधाम, सीमांत क्षेत्रों को सड़क से जोड़ने का कार्य है निरंतर जारी

उद्योग एवं निवेश

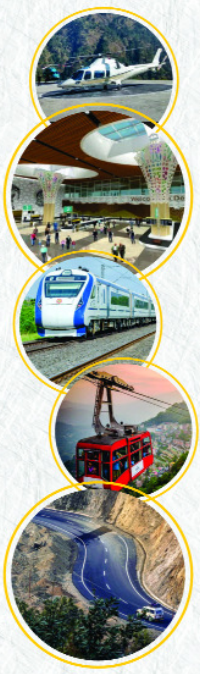

(निवेश का नया केंद्र — उत्तराखण्ड)

- ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में ₹3.56 लाख करोड़ के एम.ओ.यू.
- ₹1 लाख करोड़ से अधिक के निवेश की हो चुकी ग्राउंडिंग
- खुरपिया फार्म किच्छा में केंद्र सरकार द्वारा स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकसित करने को मंजूरी
- निर्यात तैयारी सूचकांक 2024 में उत्तराखण्ड ने छोटे राज्यों की श्रेणी में प्रथम स्थान किया प्राप्त
- उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम की स्थापना
- मेगा इंडस्ट्रियल एवं इन्वेस्टमेंट नीति-2025 को मंजूरी
- ईज आफ डूईंग बिजनेस-2021 की राज्यों की रैंकिंग में एचीवर्स की श्रेणी
- उत्तराखण्ड लॉजिस्टिक में एचीवर्स श्रेणी के राज्यों में शामिल

पर्यटन

(हर मौसम, हर अनुभव — उत्तराखण्ड)

- वर्ष 2025 में 51 लाख से अधिक यात्रियों ने किए चारधाम के दर्शन
- राज्य में पहली बार शीतकालीन यात्रा का हुआ शुभारंभ
- मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत 48 मंदिरों को सर्किट के रूप में जोड़ने का कार्य गतिमान
- केदारनाथ पुनर्निर्माण और बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत कार्य गतिमान
- बदरीनाथ धाम को स्मार्ट आध्यात्मिक पहाड़ी कस्बे के रूप में विकसित करने हेतु ₹255.00 करोड़ की विकास योजनाओं का कार्य गतिमान
- चारधाम यात्रा, महत्वपूर्ण मेलों आदि के सुव्यवस्थित संचालन हेतु उत्तराखण्ड धर्मस्व एवं तीर्थाटन परिषद् के गठन का निर्णय
- उत्तराखण्ड के जखोल, सूपी, हर्षिल और गुंजी गांवों को भारत सरकार द्वारा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम के रूप में पुरस्कृत किया गया

प्रधानमंत्री जी के नौ आग्रह

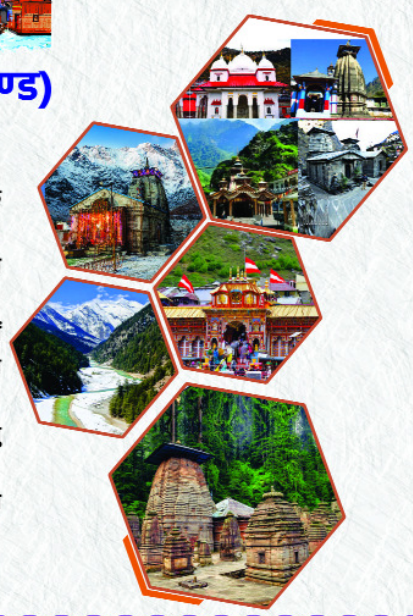

स्थानीय लोगों से: बोली-भाषा का संरक्षण, एक पेड़ मां के नाम, स्वच्छ जल, गांव से जुड़ाव, तिबारी वाले घरों को संवारें

पर्यटकों से: प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचें, वोकल फॉर लोकल, यातायात के नियम अपनाएं, तीर्थों की मर्यादा का पालन करें।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR